Vol.19, Issue 1 | Annual Subscription ₹420
November 2019
@NewsRotary /RotaryNewsIndia

रोटरी समाचार

Rotary

एवंस्टोन में RI अध्यक्ष मार्क मलोनी उनकी पत्नी गे, RIPE होल्गेर नेक और उनकी पत्नी सुसैन के साथ RIPN शेखर मेहता और राशी।

मेजर डोनर दिनेश गोयल, (मंडल 3110) DG किशोर कटरू, पश्चिम बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनखड़, RIPN शेखर मेहता, PDGs शरत चंद्र और देवेंद्र अग्रवाल कोलकाता के राजभवन में।

विषयसूची

12 एक अच्छा नेता बनने के लिए, बड़े सपने देखें: RIPN शेखर मेहता

रोटरी न्यूज़ के साथ बातचीत में, शेखर मेहता रोटरी के विकास के बारे में उनकी परिकल्पनाओं एवं विचारों को साझा करते है।

23 मेहता का सपना, रोटरी को मिले नोबेल पुरस्कार

शेखर मेहता का उनके गृहनगर कोलकाता में अभिनन्दन।

28 रोटरी क्लब कोलकाता शताब्दी वर्ष में 20 करोड़ रुपये की परियोजनाऐं करेगा

रोटेरियन रोटरी क्लब कलकत्ता के शताब्दी वर्ष का उत्सव मनाते है।

40 न्यासी प्रमुख रो ई मंडल 3201 में सेवा परियोजनाओं का निरीक्षण करते है

टीआरएफ ट्रस्टी चेयर गैरी हांग के भारत दौरे का सारांश।

48 क्लबों के बीच प्रोजेक्ट पॉजिटिव हेल्थ के लाभ का विस्तार

मंडलों में आयोजित स्टॉप NCD अभियान की झलकियाँ।

50 'प्लॉगिंग' रन पर निकले एनेट्स

चेन्नई में रोटेरियनों के बच्चे प्लास्टिक के इस्तेमाल के विरोध एवं स्वच्छ शहर के लिए अभियान चलाते है।

52 पुरुषों से मासिक धर्म की बात

रोटरी क्लब वापी रिवरसाइड उसके दी प्रोजेक्ट रेड रेवलूशन के माध्यम से पुरुष एवं महिलाओं में मासिक धर्म स्वच्छता को लेकर जागरूकता फ़ैलाने का प्रयास करता है।

74 चिकित्सा देखभाल के बदलते परिप्रेक्ष्य

लाइफस्टाइल मेडिसिन की अवधारणा की एक झलक जो मरीज़ों को उनकी सेहत को नियंत्रित करने एवं इसके परिणाम को प्रभावित करने हेतु सशक्त बनाता है।

कवर पर: RIPN शेखर मेहता और उनकी पत्नी राशि।

चित्र: रशीदा भगत

सुनने में अक्षम बच्चों के लिए महान सेवा बक्सा

बच्चों का बहरापन दूर करने का रोटरी क्लब *मैसूर वेस्ट का अग्रणी प्रयास पर कवर स्टोरी* बहुत बढ़िया थी और उसने उत्तम दर्जे की तस्वीरों के साथ विस्तृत कवरेज प्रदान किया।

खेद इस बात का है कि हम मैसूर में आपसे मिल नहीं पाये और रोटरी के बारे में चर्चा करते हुये कुछ अच्छा समय नहीं बिता पाये। अगले वर्ष मैं मेरी अध्यक्षता ग्रहण करूंगा और मेरे क्लब की ओर से, मैं आपको हमसे मिलने एवं हमारी कुछ सामुदायिक परियोजनाओं को देखने का निमंत्रण देता हूँ।

ए एन अय्यन्ना, रोटरी क्लब मैसूर मिडटाउन - रो ई मंडल 3181

रोटरी क्लब मैसूर वेस्ट की प्रेरक परियोजना का परिचय रोटरी जगत से कराने के लिए मैं रशीदा भगत को धन्यवाद देता हूँ। रोटरी का सच्चा अर्थ अक्टूबर अंक के कवर पृष्ठ पर देखा गया है - प्रसन्न बच्चे जो सशक्त है। यह इस वर्ष की विषय वस्तु से संबन्धित है: दुनिया को जोड़ना, क्योंकि इन बच्चों को बोलने एवं सुनने का अच्छा प्रशिक्षण मिल रहा है।

रोटरी क्लब ओमेर्गा जल संरक्षण में उत्कृष्ट कार्य कर रहा है, जिससे सूखा प्रभावित मराठवाड़ा में दो लाख लोग लाभान्वित हो रहे है। यह परियोजना जनता एवं किसानों की भागीदारी के साथ रोटेरियनों के कड़े परिश्रम का नतीजा है और इससे क्षेत्र में रोटरी की विश्वसनीयता एवं सार्वजनिक छवि में वृद्धि होगी।

नवीन रमेश गर्ग, रोटरी क्लब सुनाम - रो ई मंडल 3090

यह सच है कि अंधापन लोगों को चीजों से अलग कर देता है और बहरापन लोगों को लोगों से अलग कर देता है। बहरेपन से ग्रस्त बच्चों को रोटरी क्लब मैसूर वेस्ट द्वारा प्रदान की गई सेवा प्रशंसनीय है। यह एक चुनौतीपूर्ण कार्य है क्योंकि जल्द से जल्द ऐसे विशिष्ट बच्चों को प्रशिक्षित

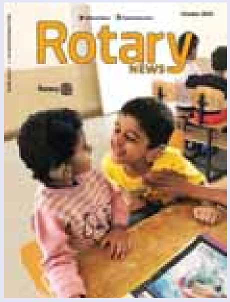

करके उन्हें मुख्यधारा शिक्षा में वापस लाने की सुविधाओं की कमी है। इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए मैं क्लब अध्यक्ष और इसके सदस्यों को सलाम करता हूँ।

चिन्मय महापात्रा, रोटरी क्लब भुवनेश्वर हेरिटेज - रो ई मंडल 3262

बहरेपन से पीड़ित बच्चों के लिए रोटरी क्लब वेस्ट मैसूर द्वारा किए गए अग्रणी कार्य पर लेख सराहनीय एवं पढ़ने योग्य था। रोई अध्यक्ष मार्क मलोनी ने दुनिया से पोलियो को खत्म करने के लिए अनोखे विचार प्रस्तुत किए है जिनका अनुसरण क्लबों द्वारा किया जाना चाहिए। संपादक का संदेश उचित रूप से कम-आय वाले परिवारों के बच्चों की शिक्षा पर ध्यान केन्द्रित करता है। दो रोई निदेशक - भरत पंड्या और कमल संघवी - ने पालन करने योग्य सलाह दी है। उम्मीद है कि इस वर्ष भारतीय डीजीयों के 30 मिलियन डॉलर एकत्रित करने का लक्ष्य पूरा हो जाएगा। अपडेटेड रोटेरियन कोड ऑफ कंडक्ट को प्रकाशित करने के लिए धन्यवाद जो कि एक उपयोगी जानकारी है। लेख *अच्छी किताबें यात्रा को खुशनुमा बनाती है* पाठकों के लिए एक बढ़िया सलाह है। मुझे वाकई में हर महीने पत्रिका को पढ़ने में आनंद आता है क्योंकि यह लोगों की पीड़ा को कम करने हेतु रोटेरियनों द्वारा की गई सेवाओं का विस्तृत कवरेज प्रदान करती है। आपका टीम एक अच्छा काम करती है।

फिलिप मूलप्पोन एम टी रोटरी क्लब त्रिवेन्द्रम सबअर्बन रो ई मंडल 3211

साक्षरता चुनौती

2025 तक भारत को साक्षर बनाने की RIPN शेखर मेहता की अपील के लिए अत्यधिक भागीदारी एवं प्रतिबद्धता की आवश्यकता है। इस विशाल परिकल्पना को साकार बनाने के लिए हमें केंद्र एवं राज्य सरकारों, सामाजिक संगठनों, छात्र समुदाय और पूरे राष्ट्र के समर्थन की आवश्यकता है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, केवल सात राज्यों में ही साक्षरता दर 60 और 70 प्रतिशत के बीच है। बाकी सभी में 70 प्रतिशत से अधिक है। नए आंकड़े जनगणना की तरह ही 100 प्रतिशत सैंपलिंग के आधार पर होना चाहिए।

दस्तावेज़ों को समय से अपडेट होना चाहिए। TEACH के परिणामों को समस्या वाले क्षेत्रों की पहचान के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। केरल के पीडीजीयों के स्वयंसेवकों को देखना लाभकर हो सकता है जो इस संबंध में विशेषज्ञ है।

डॉ NRUK करथा, रोटरी क्लब त्रिवेन्द्रम सबअर्बन - रो ई मंडल 3211

मैं संपादक के विचारों का समर्थन करता हूँ जब वह कहती है, ''लाखों भारतीय ऐसे है जिनके लिए कोई भी शिक्षा, यहाँ तक की साक्षरता भी, एक स्वप्न है जो उनकी पहुँच से बाहर है।'' और यह सब संसाधनों की कमी के कारण है। लेकिन फिर भी गरीब लोग उनके बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने को लेकर बहुत गंभीर है। रोटरी को सलाम जिसने पोलियो को खत्म करने की उसकी प्रतिबद्धता के अलावा, 2025 तक भारत को पूर्णतः साक्षर बनाने की विशालकाय चुनौती अपने हाथों में ली है।

रो ई अध्यक्ष मार्क मलोनी ने स्थिर मन एवं मजबूत इच्छा शक्ति के साथ पोलियो पर विजय हासिल करने पर ज़ोर दिया है। आरआईडी भरत पांड्या और रो ई मंडल कमल संघवी ने भी उनके संदेशों के माध्यम से इस खतरनाक बीमारी पर ध्यान केन्द्रित किया है। सभी रोटेरियनों की

मदद से इस बीमारी को जड़ से खत्म किया जा सकता है।

राज कुमार कपूर, रोटरी क्लब रूपनगर - रो ई मंडल 3080

बढ़िया यात्रा वृत्तान्त

किरण ज़ेहरा ने अंडमान द्वीपों की सूक्ष्म बातों का विवरण दिया है जो दिलचस्प है और उन्हें पढ़कर किसी को भी तुरंत वहाँ जाने की इच्छा हो जाएगी। हेवलॉक, नील और रोज़ द्वीपों का वर्णन इस तरह किया गया है कि मानो हम अभी वहीं पर हो। इस लेख को पढ़ने के बाद, किसी को अंडमान देखने के लिए गाइड की जरूरत नहीं पड़ेगी।

ओ पी खड़िया, रोटरी क्लब जयपुर कोहिनूर - रो ई मंडल 3054

अन्नपूर्णा, एक महान परियोजना

ईमानदारी, जुनून एवं कुशल नियोजन ही रोटरी क्लब सोलापुर की अन्नपूर्णा परियोजना की सफलता के पीछे है। 12 वर्ष पुरानी इस महत्वपूर्ण परियोजना हेतु वर्तमान पदाधिकारियों की गति एवं जोश को देखकर मैं चकित हूँ। ऐसी सुंदर रोटरी सेवा को खोजने के लिए मैं संपादक का धन्यवाद करता हूँ जो अक्सर गुमनामी में कहीं खोई रहती है। पूर्व अध्यक्षों की नीतियों एवं फैसलों को अस्वीकार ना करने के लिए क्लब को बधाइयाँ।

अरुण कुमार दास, रोटरी क्लब बरिपदा - रो ई मंडल 3262

रोटरी क्लब सोलापुर की टिफिन भोजन पहल जैसे अनुकरणीय लेख जरूरतमन्द लोगों के लिए समान प्रकार की परियोजनाएं शुरू करने हेतु रोटेरियनों को प्रेरित करते है। रोटरी टिफिन बक्सो को पकड़े वरिष्ठ जनों की तस्वीरों को देखना प्रेरक है। ऐसी तस्वीरें हमें जरूरतमन्द लोगों को गरम कपड़े, जूते, लेखन सामाग्री, किताबें, स्कूली बस्तें, इत्यादि वस्तुएँ बांटने की परियोजना करने हेतु प्रेरित करती है। इसके अलावा, हाथों की धुलाई के स्टेशनों, शौचालयों का निर्माण, वर्षा जल संरक्षण और कपड़े के थैलों को वितरित करने की परियोजना हमारे ग्रह को हरा-भरा एवं स्वच्छ रखने में मदद करती है।

अशोक जिंदल, रोटरी क्लब नाभा ग्रेटर नोएडा - रो ई मंडल 3090

हाथों में टिफिन बॉक्स पकड़े वरिष्ठ जनों की तस्वीर वाला सितंबर अंक वाकई में आकर्षक है। लेख *ब्रिटिश भारत का छोटा इंग्लैंड* रोचक है। शेखर मेहता के रूप में भारत से चौथे रोई अध्यक्ष (2021-22) को पाकर हम गर्वित है, जो अपने कार्यकाल के दौरान उचित रूप से सदस्यता को एक ध्यानाकर्षण क्षेत्र के रूप में ले रहे है। सदस्यों का अवरोधन महत्वपूर्ण है; सार्वजनिक छवि एवं साक्षरता पर रोई मंडल 3291 के एक कार्यक्रम के दौरान, मेहता ने इस मुद्दे को सटीक रूप से संबोधित किया।

अगस्त अंक में कोलकाता में रोटरी के 100 वर्ष पर लेख को पढ़कर हम प्रसन्न थे। *हैमबर्ग से कुछ यादें* की तस्वीरें बढ़िया है और चेन्नई स्थित बोन बैंक पर लेख रोचक था। पत्रिका को पढ़ने के लिए हम हर माह बेसब्री से इंतज़ार करते है।

सौमित्रा चक्रवर्ती, रोटरी क्लब टोलीगूंगे - रो ई मंडल 3291

कन्याओं की शिक्षा पर उचित ध्यान

दोनों ही रोई निदेशकों ने हमसे लड़कियों की शिक्षा पर ध्यान देने के लिए कहा है, जिसमें डॉक्टर भरत पंड्या ने रोटेरियनों से कन्याओं की शिक्षा पर ध्यान देने के लिए कहा है जिससे पूरा परिवार लाभान्वित होगा। कमल संघवी कहते है कि ''एक बच्चा, एक शिक्षक, एक किताब, एक कलम दुनिया बदल सकते है।''

आइये हम सभी RIPN शेखर मेहता का रो ई अध्यक्ष (2020-22) के रूप में स्वागत करें। उन्होंने सदस्यता में गिरावट को रोकने पर उचित रूप से ज़ोर दिया है। 12 वर्ष पुरानी टिफिन मील परियोजना को इतने जुनून के साथ जारी रखने के लिए रोटरी क्लब सोलापुर की टीम को दिल से बधाइयाँ। हम उम्मीद करते है कि आने वाले वर्षों में भी वे समान प्रकार की परियोजनाएं करेंगे।

कोलार गोल्ड फील्ड्स के साइनाइड के ढेर को हरा-भरा बनाने की रोटरी क्लब बैंगलोर ऑर्चर्ड्स की उन्नत परियोजना की सराहना की जानी चाहिए क्योंकि इसके कार्यान्वियन में उन्हें अनेक बाधाओं को पार करना पड़ा। इन ढेरों ने स्थानीय लोगों के जीवन पर गंभीर दुष्प्रभाव डाले है।

एस मुनियान्दी, रोटरी क्लब डिंडीगुल फोर्ट - रो ई मंडल 3000

एक संगठन की प्रतिष्ठा उसके सदस्यों के आचरण पर निर्भर करती है। वे उसके विचारों एवं मान्यताओं के ध्वज वाहक होते है। जितना ऊंचा पद होता है उतनी ही अधिक जांच की आवश्यकता होती है। कई वर्षों तक, बहुत से रोटरी क्लबों ने संस्थान के बुनियादी सिद्धांतों को नज़रअंदाज किया है, और इसके बहुत से सदस्य चार-मार्ग-परीक्षण के उद्देश्यों से अंजान या बेखबर है। बहुत देर हो जाने से पूर्व ही हमें रोटरी के मानकों में पतन को रोकने पर विचार करने की जरूरत है।

सुभाष बंसल, रोटरी क्लब अंबाला - रो ई मंडल 3080

आत्महत्याओं को रोकने हेतु अभियान शुरू करने के लिए मैं खडचए के रोटरेक्ट क्लब, रोई मंडल 3141, के अध्यक्ष ध्रुव पारिख को बधाई देता हूँ। रोटरेक्टर रोटरी की रीढ़ है और भावी रोटेरियन है। इन प्रेरक सत्रों से, एक व्यक्ति को कठिन परिस्थितियों पर विजय प्राप्त करने की शक्ति मिलती है।

जय मेहता, रोटरी क्लब सुरेन्द्रनगर - रो ई मंडल 3060

अपने विचार संपादक को भेजें: rotarynews@rosaonline.org; rushbhagat@gmail.com **पर ई-मेल करें।**

Click on Rotary News Plus in our website www.rotarynewsonline.org to read about more Rotary projects.

रोटरी और UN का ऐतिहासिक संबंध

प्रिय साथी रोटेरियनों और रोटरी परिवार के सदस्यों,

संयुक्त राष्ट्र में रोटरी दिवस, जिसे हम प्रत्येक नवम्बर में मनाते है, हमारे संगठनों के मध्य ऐतिहासिक संबंध का एक महत्वपूर्ण अनुस्मारक है। लेकिन इस वर्ष का कार्यक्रम हर बार से अधिक महत्वपूर्ण है, क्योंकि जून 2020 में हम यूएन चार्टर पर हस्ताक्षर की 75वीं सालगिरह की तैयारी कर रहे है।

आप पूछ सकते है, इस सालगिरह का उत्सव क्यों मनाएं? रोटरी के लिए, यह पूर्ण रूप से यथोचित है, क्योंकि हमने सैन फ्रांसिस्को सम्मेलन में नेतृत्व की एक अहम भूमिका निभाई थी जिसके परिणामस्वरूप 1945 में संयुक्त राष्ट्र का निर्माण हुआ था। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान, रोटरी ने विश्व शांति को बनाए रखने के लिए इस तरह के संगठन के गठन की महत्ता पर सामग्रियाँ प्रकाशित की थी।

ना केवल रोटरी ने संयुक्त राष्ट्र के गठन को प्रभावित करने में मदद की, बल्कि इस पत्रिका ने उसके आदर्शों को संप्रेषित करने में भी अहम भूमिका निभाई। *द रोटेरियन* में अनेक लेखों एवं *फ्रोम हियर ऑन* नामक एक पुस्तिका के माध्यम से रोटरी ने संयुक्त राष्ट्र के निर्माण की योजनाओं के बारे में सदस्यों को शिक्षित किया! जब संयुक्त राष्ट्र के अधिकारपत्र लिखने का समय आया, तो रोटरी उन 42 संगठनों में से एक था जिसे संयुक्त राज्य अमेरिका ने सैन फ्रांसिस्को सम्मेलन में अपने प्रतिनिधिमंडल के सलाहकार के रूप में सेवा देने के लिए आमंत्रित किया था।

प्रत्येक संगठन के पास तीन प्रतिनिधियों के स्थान थे, इसलिए रोटरी अंतर्राष्ट्रीय के 11 प्रतिनिधियों ने बारी-बारी से सेवाएँ दी। आधिकारिक तौर पर रोटरी का प्रतिनिधित्व करने वाले लोगों में इसके महासचिव, वर्तमान एवं अनेक पूर्व अध्यक्ष, और *द रोटेरियन* के संपादक शामिल थे। इसके अतिरिक्त, अफ्रीका, एशिया, ऑस्ट्रेलिया, यूरोप, और उत्तरी एवं दक्षिणी अमेरिका के रोटेरियनों ने उनके अपने देशों के प्रतिनिधिमंडल में सदस्यों के रूप में या सलाहकार के रूप में सेवाएँ दी।

संयुक्त राष्ट्र के साथ हमारे गहरे एवं स्थायी संबंध है जिसकी प्रशंसा एवं सराहना की जानी चाहिए। इस संबंध को मान्यता देने के लिए, रोटरी अब से लेकर जून तक पाँच विशेष कार्यक्रमों की मेजबानी करेगी: इस महीने की 9वीं तारीख को न्यू यॉर्क स्थित यूएन में रोटरी दिवस; सेंटियागो, चिली, में, पेरिस में और रोम में अगले वर्ष तीन अध्यक्षीय सम्मेलन; और होनोलूलू में होने वाले रोटरी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन से ठीक पहले एक अंतिम जश्न।

आगामी वर्ष में यूएन पर ध्यान केवल अतीत के बारे में ही नहीं होगा, बल्कि यह हमारे भविष्य के मार्ग को भी प्रकाशित करेगा। हमारे ध्यानाकर्षण क्षेत्रों के माध्यम से किए जाने वाले कार्यों और संयुक्त राष्ट्र संवहनीय विकास लक्ष्यों के कार्य में अनेक समानताएँ है। जबकि ये लक्ष्य वास्तव में अविश्वसनीय रूप से महत्वाकांक्षी है, वे प्रेरणा एवं दिशा प्रदान करते है - और बहुत से रोटरी लक्ष्यों के समान है, जो हमारी दुनिया में स्थायी, सकारात्मक बदलाव लाने में कारगर साबित हुये है। लक्ष्यों को हासिल किया जा सकता है, लेकिन केवल तभी जब उन्हें उसी दीर्घकालिक प्रतिबद्धता एवं दृढ़ता के साथ किया जाए जिसे रोटरी इतनी अच्छी तरह समझती है। अकेले, हम सभी को शुद्ध पानी नहीं प्रदान कर सकते, हम भूख को नहीं मिटा सकते, हम पोलियो को नहीं मिटा सकते। लेकिन संयुक्त राष्ट्र जैसे साझेदार के साथ मिलकर बेशक हम ऐसा कर सकते है।

हमारे पाँच यूएन समारोहों में से किसी एक में शामिल होने पर विचार कीजिये। मैं सालभर इन विशेष कार्यक्रमों की खबरों को आपके साथ साझा करने को लेकर उत्सुक हूँ।

मार्क डेनियल मलोनी

अध्यक्ष, रोटरी इंटरनेशनल

उनकी अक्षमता अशक्तता से अविचलित

हालांकि मैं छोटी बच्चियो को रैंप पर चलवाने, या टेलीविज़न प्रतियोगिताओं में गाने और नृत्य करवाने की प्रशंसक नहीं हूँ, पर इस खबर ने बरबस मेरा ध्यान खींच लिया, डेमेट्रे, बर्मिंघम की शारीरिक रूप से दिव्यांग लड़की, 9 वर्षीय डेज़ी-मे, पेरिस फैशन शो में रैंप पर चली। विश्व में फैशन की राजधानी पेरिस में बच्चों के एक फ्रेंच लक्जरी ब्रांड का समर्थन कर रही थी, वह निर्भीकता से अपने दोनों पैरों की जगह लगाए गए प्रोस्थेटिक पैरों को प्रदर्शित कर रही थी। डेजी जन्म से अपाहिज थी, जन्म के समय उसके दोनों पैरों के निचले हिस्से की हड्डी नहीं थी। केवल 18 महीने की उम्र में उसके पैरों को शरीर से अलग करना पड़ा था और इसके उपरान्त उसने कृत्रिम पैरों के साथ चलना सीखा। यह उसकी तीसरी कैट वाक थी, पहली दो न्यूयॉर्क और लंदन फैशन शो में थी।

फैशन की दुनिया में प्रोस्थेटिक अंगों के साथ रैंप वॉक शामिल कर लिया है, दिल खुश हो गया। परन्तु उसी समय अपने ही देश से यह अप्रिय समाचार मिला कि विकलांग अधिकार मंच की कार्यकर्ता और पोलियो से जीवित बची कुहू दास को कोलकाता हवाई अड्डे पर सुरक्षाकर्मियों ने पतलून उतारने के लिए कहा क्योंकि उसका कहना था कि कि वह अपनी पतलून उतारे बिना अपने कैलीपर नहीं हटा सकती। बेशक,कई देशों की यात्रा कर चुकी, संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन में भाग लेने के लिए दिल्ली जा रही इस कार्यकर्ता को, विरोध करने के बाद जाने की अनुमति दे दी गई थी।

इतना ही नहीं इसके बावजूद जले पे नमक छिड़का, एक व्हीलचेयर पर मस्तिष्क के पक्षाघात से त्रस्त उनकी सहकर्मी जीजा घोष, को पहली बार उनकी एयरलाइन ने कहा कि वह सहायक के बिना उड़ान नहीं भर सकती। और विडंबना यह है कि ये दोनों दिव्यांग महिलाएं, महिला अधिकारों की रक्षा के लिए आयोजित एक सम्मेलन में भाग लेने जा रही थीं!

स्वाभाविक रूप से, पारंपरिक और सोशल मीडिया दोनों पर हंगामा हुआ और इस घटना की ज़बर्दस्त निंदा हुई, कोलकाता हवाई अड्डा प्राधिकरण ने दोनों महिलाओं से माफी मांगी है। मीडिया से बात करते हुए, कुहू ने कहा कि भारतीय हवाई अड्डों पर ये कोई नई बात नहीं थी, क्योंकि अक्सर उन्हें अपने कैलीपर हटाने के लिए कहा जाता है, जबकि अन्य देशों में उसके साथ ऐसा व्यवहार नहीं होता। जब एक मित्र ने पहली बार इस घटना को सोशल मीडिया पर पोस्ट किया था तो उस पर मैंने टिप्पणी की थी कि यह कितना संवेदनहीन, अमानवीय और शर्मनाक था ... कि हवाई अड्डों पर हमारे सुरक्षा कर्मी ही हमारी दिव्यांग जनता के अधिकारों और भावनाओं के प्रति इतने निर्मम हैं।

तुरंत इसकी प्रतिक्रया आई कि आतंकी हमलों से बचने के लिए ये आवश्यक है। खैर, सुरक्षा जांच निश्चित ही कड़ी होनी ही चाहिए और सभी हवाई यात्रियों की कुशलता आश्वस्त की जानी चाहिए, अलबत्ता ये सब दिव्यांग लोगों को अपमानित किए बगैर भी किया जा सकता है।

ये महिलाएं कितनी निडर हैं और किस प्रकार उन्होंने अपनी दिव्यांगता से मिली चुनौतियों का सामना किया है, यह इस बात से साबित होता है कि जीजा, जिस ने लीड्स विश्वविद्यालय, यूके से दिव्यांगता में मास्टर्स किया था, संभवतः वे भारत की पहली महिला हैं जिन्होंने सेरेब्रल पाल्सी से ग्रस्त होने के बाद 1 बच्चा गोद लिया है। कुहू, जो तीन साल की उम्र में पोलियो की शिकार हुई थी, वह विकलांग कार्यकर्ता मंच की सचिव हैं। सम्पूर्ण भारत में हजारों महिलाओं की तरह, अपनी अशक्तता और अक्षमता को पीछे छोड़, दोनों महिलाओं ने, दिव्यांग के अधिकारों के लिए लड़ने की चुनौती को स्वीकार किया है ... शिक्षा का अधिकार, रोजगार, समान अवसर और आवास, और सबसे बढ़कर, समाज में गरिमामय जीवन जीने का अधिकार, ये दोनों न केवल अभिवादन के बल्कि हमारे सक्रिय प्रोत्साहन की अधिकारी हैं। पोलियो के दुष्प्रभावों के बारे में रोटेरियनों को बताने की ज़रुरत नहीं है, लेकिन ऐसी घटनाओं के बाद विकलांगों के सम्मान और अधिकारों के लिए और मजबूती से लड़ने का दायित्व हमारा है।

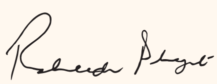

रशीदा भगत

Governors Council

RI Dist 2981	DG N Manimaran
RI Dist 2982	DG Natesan A K
RI Dist 3000	DG Dr A Zameer Pasha
RI Dist 3011	DG Suresh Bhasin
RI Dist 3012	DG Deepak Gupta
RI Dist 3020	DG M Veerabhadra Reddy
RI Dist 3030	DG Rajendra Madhukar Bhamre
RI Dist 3040	DG Dhiran Datta
RI Dist 3053	DG Harish Kumar Gaur
RI Dist 3054	DG Bina Ashish Desai
RI Dist 3060	DG Anish Shah
RI Dist 3070	DG Sunil Nagpal
RI Dist 3080	DG Jitendra Dhingra
RI Dist 3090	DG Rajeev Garg
RI Dist 3100	DG Hari Gupta
RI Dist 3110	DG Kishor Katru
RI Dist 3120	DG Sanjay Agrawal
RI Dist 3131	DG Ravee Dhotre
RI Dist 3132	DG Suhas Laxmanrao Vaidya
RI Dist 3141	DG Harjit Singh Talwar
RI Dist 3142	DG Dr Mohan Chandavarkar
RI Dist 3150	DG Pandi Sivannarayana Rao
RI Dist 3160	DG Nayan S Patil
RI Dist 3170	DG Dr Girish R Masurkar
RI Dist 3181	DG Joseph Mathew
RI Dist 3182	DG Ramesh B N
RI Dist 3190	DG Dr Sameer Hariani
RI Dist 3201	DG R Madhav Chandran
RI Dist 3202	DG A Karthikeyan
RI Dist 3211	DG Shirish Kesavan
RI Dist 3212	DG S Sheik Saleem
RI Dist 3231	DG Sridar Balaraman
RI Dist 3232	DG G Chandramohan
RI Dist 3240	DG Dr Debasish Das
RI Dist 3250	DG Gopal Khemka
RI Dist 3261	DG Ranjeet S Saini
RI Dist 3262	DG Debasish Mishra
RI Dist 3291	DG Ajay Agarwal

Printed by PT Prabhakar at Rasi Graphics Pvt Ltd, 40, Peters Road, Royapettah, Chennai - 600 014, India, and published by PT Prabhakar on behalf of Rotary News Trust from Dugar Towers, 3rd Flr, 34, Marshalls Road, Egmore, Chennai 600 008. Editor: Rasheeda Bhagat.

The views expressed by contributors are not necessarily those of the Editor or Trustees of Rotary News Trust (RNT) or Rotary International (RI). No liability can be accepted for any loss arising from editorial or advertisement content. Contributions – original content – is welcome but the Editor reserves the right to edit for clarity or length. Content can be reproduced, but with permission from RNT.

रो ई निदेशकों

सीधी बात

व्यक्तिगत रूप से हम हमारी दुनिया को बेहतर बनाने के लिए ज्यादा कुछ नहीं कर सकते। लेकिन हमारे रोटरी संस्थान के माध्यम से हम बहुत कुछ कर सकते है। रोटेरियनों के लिए शांति हेतु काम करने का सबसे बड़ा अवसर रोटरी फाउंडेशन के माध्यम से काम करने का है। शांति का अर्थ केवल युद्ध का ना होना ही नहीं होता, बल्कि इसका अर्थ गुणवत्तापूर्ण जीवन भी होता है। मेरा मानना है कि शांति के लिए 3-Bs आवश्यक होते है - Bread (रोटी), Bed (बिस्तर) और Basic Education (प्राथमिक शिक्षा)। हमारा रोटरी संस्थान भूखों एवं प्यासों को खाना और पानी देकर, बेघरों को छत देकर और अशिक्षितों को शिक्षा एवं सीख देकर उस शांति के लिए काम कर रहा है।

नवंबर रोटरी संस्थान का महीना है - फिर से सीखने एवं संस्थान एवं उसके बहुत से सार्थक कार्यक्रमों के प्रति पुनर्समर्पण का समय। उस स्तम्भ पर हमारा ध्यान केन्द्रित करने का समय जो रोटरी - द रोटरी फ़ाउंडेशन को वास्तविक अंतर्राष्ट्रीयता प्रदान करता है। ''दुनिया में अच्छा करने'' हेतु अक्षय निधि बनाने की आर्च क्लंफ के दिलों-दिमाग में आई छोटी सी शुरुआत आज मानवीय सेवा के अग्रणी संस्थानों में से एक के रूप में विकसित हुई है।

वर्षों से हमारे जोनों के मंडलों ने संस्थान के कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लिया है - चाहे वह कुछ सर्वश्रेष्ठ वीटीटी दलों को भेजना हो या मानवीय अनुदानों के माध्यम से हमारे सेवा प्रयासों में वृद्धि करने का हो। और बेशक, हम पोलियो उन्मूलन के प्रति प्रतिबद्ध रहे है। मंडल अनुदानों ने यह सुनिश्चित किया है कि लाभ क्लबों के एक बड़े तबके तक पहुँच सकें। और संस्थान को देने के मामले में हम दूसरे स्थान पर है।

यदि रोटेरियन रोटरी की दिल एवं आत्मा है, तो टीआरएफ़ रोटरी की रीढ़ है। हमारे द्वारा किए जाने वाले बहुत से काम टीआरएफ़ के कारण संभव होते है। टीआरएफ़ के कारण ही हमारे सामने मौजूद अवसर एवं संभावनाएं, बहुत से मामलों में, सफलता की गाथाओं में परिवर्तित हो सकेंगे।

इसलिए टीआरएफ़ की EREY, द एव्री रोटेरियन एव्री इयर पहल के बारे में जानना जरूरी है। हर एक रोटेरियन द्वारा हर साल टीआरएफ़ में योगदान देने से ही टीआरएफ़ की स्थिरता एवं दीर्घकालिक सेहत को सुनिश्चित किया जा सकता है। यही लक्ष्य है, यही चुनौती है।

देने से ही सच्चा आनंद मिलता है। टीआरएफ़ को देकर देने के आनंद का अनुभव लीजिए। इस बात को जानिए कि आपका दान भूख, स्वास्थ्य, साक्षरता, जल एवं पोलियो उन्मूलन जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में परिवर्तन लाएगा। टीआरएफ़ एक शक्ति है जो गई गुना बढ़ती है। टीआरएफ़ में देने की खूबसूरती का स्वाद चखिए, और मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ, आप बारंबार देंगे। याद रखिए ङ्खहम हमारे लिए जो करते है वह हमारे साथ खत्म हो जाता है; जो हम दूसरों के लिए करते है वह यहीं रह जाता है और अमर हो जाता है।फ दुनिया में अच्छा करने के लिए टीआरएफ़ में देते रहिए।

देने की ज्योत जलाइए और पहल कीजिये क्योंकि *रोटरी दुनिया को जोड़ती है*।

डॉ भरत पांड्या

रो ई निदेशक, 2019-21

का संदेश

हमारे संस्थान के माध्यम से अद्भुत कार्यों का निष्पादन

हमारे ज़ोनों के रोटेरियन और पूरा रोटरी जगत इस बात पर गर्व कर सकता है कि रोटरी संस्थान, जो आपके अनुदानों से बना है, दुनिया भर के विभिन्न समुदायों के हजारों लोगों की ज़िंदगियों को बेहतर बनाने में मदद कर रहा है। इसे चैरिटी नेविगेटर द्वारा लगातार शीर्ष रैंक प्राप्त हुई है। यह हमारे ज़ोन के लिए गर्व का विषय है कि पिछले कुछ वर्षों में हम संस्थान को देने के मामले में दूसरे स्थान पर उभर कर आए है। और वर्षों तक प्राप्त करने के बाद, भारत संस्थान को अब एक देने वाला देश बन गया है; पिछले वर्ष, हमने जितना प्राप्त किया उससे अधिक दिया!

यह हमारे लिए हर्ष का विषय होना चाहिए कि भारतीय रोटेरियन दूसरे देशों में वैश्विक अनुदान करने के लिए वहाँ के क्लबों के साथ टीम बनाकर कार्य कर रहे है। एक पल के लिए, स्वास्थ्य एवं पोषण, जल एवं स्वच्छता, आर्थिक गतिविधि में वृद्धि, शांति को बढ़ावा, और सबसे बढ़कर, साक्षरता एवं शिक्षा जैसे रोटरी के ध्यानाकर्षण क्षेत्रों में इतने समुदायों में किए गए अभूतपूर्व कार्यों के बारे में सोचिए जो संस्थान के अनुदानों के माध्यम से रोटेरियनों द्वारा किए जाते है। अपने त्वरित एवं उदार योगदानों द्वारा प्राकृतिक आपदा के पीड़ितों तक आपात सहायता पहुँचाने, या 2001 के विनाशकारी भूकंप के बाद गुजरात में, हाल ही में केरल एवं कर्नाटक में, और अन्य बहुत से स्थानों पर कम लागत वाले घरों का निर्माण करने में रोटेरियनों ने महारत हासिल की है।

रोटरी संस्थान के अस्तित्व के 102 वर्षों के दौरान, ज़रा उन व्यथित एवं परेशान लोगों के बारे में सोचिए जिनके चहरे पर आपने मुस्कुराहट लाई है, उन हजारों लोगों के बारे में सोचिए जिनके आँसू आपने पोछे है... इस चीज़ के विचार से ही आपका दिल और दिमाग प्रसन्न हो उठेगा।

आपकी उदारता और पिछले कई वर्षों में आपके द्वारा लगाए गए हजारों स्वयंसेवी घंटों के कारण, रोटरी का चक्र और हमारा लोगो गर्व से गुजरात, महाराष्ट्र (लातूर भूकंप के बाद), इत्यादि स्थानों पर हमारे द्वारा बनाई गई पूरी बस्तियों में गर्व से लगा हुआ है। हमारी अनगिनत परियोजनाओं के माध्यम से हमने गरीबी एवं बीमारी को कम करने, स्वछता को बेहतर बनाने में उपलब्धि हासिल की है, जो संघर्ष को कम करने एवं स्थायी शांति को स्थापित करने में अहम कारक है, जो हमारे संगठन का एक अन्य प्रमुख ध्यानाकर्षण क्षेत्र है।

आपकी उदारता के लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूँ और आपसे टीआरएफ़ में देते रहने का आग्रह करता हूँ। आखिरकार, भारतीय प्रकृति हमारे पास जो कुछ भी है उसकी देखभाल करने एवं उसे साझा करने की है। हमने हमारे अभिभावकों को ऐसा करते देखा है; आइये उनके महान उदाहरण का अनुसरण करें।

कमल संघवी
रो ई निदेशक, 2019-21

Board of Permanent Trustees & Executive Committee

PRIP Rajendra K Saboo	RI Dist 3080
PRIP Kalyan Banerjee	RI Dist 3060
RIPN Shekhar Mehta	RI Dist 3291
PRID Panduranga Setty	RI Dist 3190
PRID Sushil Gupta	RI Dist 3011
PRID Ashok Mahajan	RI Dist 3141
PRID Yash Pal Das	RI Dist 3080
PRID P T Prabhakar	RI Dist 3232
PRID Dr Manoj D Desai	RI Dist 3060
PRID C Basker	RI Dist 3000
TRF Trustee Gulam A Vahanvaty	RI Dist 3141
RID Dr Bharat Pandya	RI Dist 3141
RID Kamal Sanghvi	RI Dist 3250

Executive Committee Members (2019–20)

DG Deepak Gupta Chair – Governors Council	RI Dist 3012
DG Nayan Patil Secretary – Governors Council	RI Dist 3160
DG Dhiran Datta Secretary – Executive Committee	RI Dist 3040
DG Ajay Agarwal Treasurer – Executive Committee	RI Dist 3291
DG Rajendra Madhukar Bhamre Member – Advisory Committee	RI Dist 3030

ROTARY NEWS / ROTARY SAMACHAR

Editor
Rasheeda Bhagat

Senior Assistant Editor
Jaishree Padmanabhan

ROTARY NEWS / ROTARY SAMACHAR

ROTARY NEWS TRUST
3rd Floor, Dugar Towers,
34 Marshalls Road, Egmore
Chennai 600 008, India.
Phone : 044 42145666
e-mail: rotarynews@rosaonline.org
Website :www.rotarynewsonline.org

Now share articles from *rotarynewsonline.org* on WhatsApp.

District Wise TRF Contributions as on September 2019

(in US Dollars)

District Number	APF	PolioPlus	Other Restricted	Endowment Fund	Total Contributions
India					
2981	7,923	101	0	29	8,054
2982	11,648	4,953	161,362	0	177,963
3000	15,259	0	3,703	0	18,962
3011	9,427	104	21,657	0	31,189
3012	155,397	600	32,000	0	187,997
3020	8,144	9,756	0	12,029	29,928
3030	2,326	0	1,423	0	3,749
3040	4,488	0	5,471	0	9,959
3053	23,903	32	331	0	24,266
3054	1,420	1	35,809	0	37,230
3060	8,032	1,436	5,229	1,014	15,712
3070	12,702	25	6,733	0	19,460
3080	25,907	3,544	12,875	1,013	43,340
3090	3,858	0	0	0	3,858
3100	21,110	0	0	0	21,110
3110	2,379	1,410	0	0	3,789
3120	19,578	0	0	0	19,578
3131	48,244	258	74,317	38,000	160,819
3132	2,062	0	5,355	15,000	22,417
3141	150,788	3,608	154,643	41,392	350,431
3142	43,961	168	0	0	44,130
3150	29,645	5,192	11,667	87,829	134,333
3160	1,578	29	0	0	1,607
3170	16,295	286	4,006	0	12,574
3181	78,133	347	0	0	78,480
3182	7,689	0	1,777	0	9,466
3190	54,899	3,309	3,171	0	61,380
3201	22,178	104	16,998	0	39,280
3202	31,659	7,589	2,035	1,000	42,283
3211	719	42	46,879	290	47,930
3212	11,663	1,720	1,050	0	14,432
3231	898	56	2,170	0	3,124
3232	4,709	14,468	43,309	7,500	69,986
3240	13,423	0	32,511	0	45,933
3250	11,841	0	85	0	11,756
3261	205	0	26,727	0	26,932
3262	8,331	1,514	5,507	0	15,353
3291	23,597	0	22,646	0	46,243
India Total	**896,020**	**60,654**	**733,265**	**205,097**	**1,895,036**
3220 **Sri Lanka**	20,430	3,000	1,150	0	24,580
3271 **Pakistan**	0	0	20	0	20
3272 **Pakistan**	1,392	225	300	0	1,917
3281 **Bangladesh**	17,904	0	32,000	2,000	51,904
3282 **Bangladesh**	16,113	149	0	1,000	17,262
3292 **Nepal**	68,446	12,093	189,280	0	269,819
South Asia Total	**1,020,305**	**76,121**	**956,015**	**208,097**	**2,260,538**
World Total	**22,268,027**	**5,024,932**	**4,094,427**	**6,677,448**	**38,064,834**

Source: RI South Asia Office

WHERE WILL ROTARY GLOBAL REWARDS TAKE YOU?

THE MEMBER BENEFIT PROGRAMME THAT OPENS UP A WORLD OF OPPORTUNITIES.

Rotary

SEE MORE AT ROTARY.ORG/GLOBALREWARDS

NiveshGuru™
SAMPATTI KI UNATTI

GROW YOUR WEALTH

NiveshGuru, a one-stop solution for all your investment needs.

KshetraGuru® PROPERTY

SwarnaGuru® GOLD

FDGuru® FIXED DEPOSIT

VyaparGuru® STOCK BROKING

ShuruGuru™ IPO

YojanaGuru® GOVERNMENT BONDS

NidhiGuru™ MUTUAL FUND

AmulyaGuru™ PRECIOUS STONES

Nivesh Guru Advisors Private Limited
68-B, Nariman Bhavan, Nariman Point, Mumbai - 400021

+91 22 2288 0808 | info@niveshguru.in | www.niveshguru.in

एक अच्छा नेता बनने के लिए, बड़े सपने देखें: RIPN शेखर मेहता

रशीदा भगत

रोटरी में शामिल होने के छह साल के अंदर, रोटरी इंटरनेशनल प्रेसिडेंट नॉमिनी (RIPN), शेखर मेहता 1991-92 में क्लब अध्यक्ष, 1999-2000 में मंडल अध्यक्ष और 2011-12 में रो ई निदेशक बने। केवल 38 वर्ष की उम्र में वे मंडल अध्यक्ष बने और वे निर्विरोध निर्वाचित हुए थे ।

लेकिन नेतृत्व के इन पदों को प्राप्त करना बिल्कुल भी मुश्किल नहीं था। ''मेरा मानना है कि स्वैच्छिक संगठनों में नेतृत्व के पद आपको तभी ग्रहण करने चाहिएं जब अन्य लोग चाहते हों कि आप उनका नेतृत्व करें, न कि जब आप की इच्छा हो। रो इ अध्यक्ष पद के लिए साक्षात्कार के समय भी मैंने यही कहा था, जब मुझसे पूछा गया कि मैं क्यों समझता हूँ कि मैं इस पद के योग्य हूं।''

उनका जवाब था कि जब वे रोटरी में शामिल हुए, उस वक़्त वो क्लब के अध्यक्ष भी नहीं बनना चाहते थे या उत्तरोत्तर में मंडल अध्यक्ष अथवा रो इ निदेशक। ''पर जब लोगों ने ज़ोर दिया कि आप डीजी या निदेशक या रो इ अध्यक्ष के लिए अपना नाम प्रस्तावित क्यों नहीं करते मैंने अपना नाम उसके बाद ही दिया। आपके नज़दीकी लोगों को यह लगना चाहिए कि आप उस पद के काबिल हैं, और यह वास्तविक, नैसर्गिक होना चाहिए। श्रेष्ठ समय वही होता है, जब लोगों में तीव्र उत्कंठा जागृत हो।'' शायद

एक नजर में

फिटनेस: यह वो क्षेत्र है जहां मैं असफल रहा हूं; मैं आलसी नहीं हूँ, लेकिन इस मामले में (व्यायाम), मैं आलसी हूँ! मैं ये छोटे छोटे अंतराल में करता हूं; आजकल मैं व्यायाम कर रहा हूं ... सैर और योग, लेकिन हमेशा नहीं। बहुत ज़्यादा सफर करने की वजह से व्यायाम के लिए समय नहीं मिलता क्योंकि मैं अपने दिन का पूरा पूरा उपयोग करना चाहता हूं। मैं सुबह जल्दी और देर से आने वाली फ्लाइट लेता हूँ, जिसकी वजह से फिटनेस के लिए बहुत कम समय बचता है।

आराम: मैं हमेशा विश्राम में रहता हूँ; आराम करने के लिए मुझे कुछ करने की आवश्यकता नहीं है। मैं अपने काम के प्रति भावुक हूं और मुझे इसी में सुकून मिलता है।

भोजन: शाकाहारी, विशेष रूप से स्ट्रीट फूड जो कोलकाता में सबसे बढ़िया मिलता है। यात्रा के दौरान हमेशा दक्षिण भारतीय नाश्ता होता है। घर पर यह दाल- चावल मुझे बहुत पसंद है।

व्यंजन बनाना: ये लोगों का सौभाग्य है कि अभी तक मैंने खाना पकाने पर अपने हाथ नहीं आजमाए है!

संगीत: मुझे संगीत से बहुत प्यार है; ज्यादातर बॉलीवुड संगीत, पुराने और नए हिंदी गाने दोनों, लेकिन पुराने ज़्यादा पसंद हैं। बचपन में मुझे पश्चिमी संगीत भी बहुत पसंद था।

रीडिंग: मेरे पसंदीदा लेखक जेफरी आर्चर हैं। उनकी लेखनी अद्भुत है; जिस तरह वह एक व्यक्ति के जीवन की एक साधारण कहानी को 400 पृष्ठों की दिलचस्प कहानी में तब्दील कर सकते है, उसका जवाब नहीं, वो मुझे बेहद पसंद है और अलग-अलग लेखकों को पढ़ना भी पसंद है।

धर्म: मैं ईश्वर में विश्वास करता हूं; एक समय था जब नहीं करता था, और बहुत दृढ़ता से तब मैं बहुत छोटा था। लेकिन एक दिन मेरे पिताजी ने कहा 'शेखर अगर तुम भगवान के सामने पांच मिनट भी व्यतीत नहीं करोगे, तो यह प्रथा हमारे परिवार से बाहर चली जाएगी।' मैंने इसे शुरू कर दिया, और जब आप एक अच्छा काम शुरू करते हैं, तो यह निरंतर चलता रहता है! हर सुबह 5 मिनट की प्रार्थना से शुरु होती है। मुझे उन शक्तियों पर भरोसा है। हर पूजा स्थल पर मैं उतना ही सहज हूं, चाहे वह मस्जिद, मंदिर, चर्च हो या गुरुद्वारा हो।

महिला सदस्यता

महिलाओं में मेरा ज़बरदस्त विश्वास है । एक महिला को काम दीजिये और यह पूरी निष्ठा, जल्दी और बेहतर तरीके से संपन्न किया जाएगा। यह उनके काम करने का तरीका है; मैं यहीं इसे अपने घर पर देख सकता हूं। हमारे परिवार में प्रत्येक समझता है ... जब आपने हमारे घर में प्रवेश किया था तो आपकी पहली अभिव्यक्ति थी मवाहफ। हां, घर बनाया मैंने है लेकिन इसकी सार संभाल राशी करती है वही इसे सजा कर रखती है। क्या आप यकीन कर सकती हैं कि यह घर 20 साल पुराना है? महिलाएं जब भी ज़िम्मेदारी लेती हैं, उत्कृष्ट काम करती हैं। और हमसे ज्यादा हैप्पी स्कूल तो इनर व्हील के सदस्य करते हैं! यह एक अप्रयुक्त, अनछुआ क्षेत्र है और मैं भरसक प्रयास करूंगा ।

क्या रो ई अध्यक्ष का पद आपका सपना था?

नहीं, ये सपने मेरे नहीं हैं; और ये मैं आभामंडल की वजह से नहीं कहता। मुझे इसमें पूरा विश्वास है। मैं कभी भी इसका इच्छुक नहीं रहा; यह मेरे दिमाग के पीछे वाले हिस्से में तो था वरना मैं अपना नाम क्यों देता? मेरा सपना है पूर्ण साक्षर भारत, रोटरी इंटरनेशनल को नोबेल शांति पुरस्कार। कि जब भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर

हम सेवा की बात करें, तो हमारे ज़ेहन में रोटरी का नाम उभरे। अफ्रीका में साफ पानी उपलब्ध हो, उनके बच्चों को उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाऐं मिलें और वे नियमित रूप से स्कूल जाएं। ये मेरे सपने हैं।

उनकी यात्रा में राशी की भूमिका

अगर मैं चेहरा हूं, तो वह बैक ऑफिस है, और ये बहुत महत्वपूर्ण है! अगर बैक ऑफिस नहीं हो तो चेहरा लड़खड़ा जाता है। वह आगे आना पसंद नहीं करती; हर कपल को बोलने के लिए एक निश्चित समय आवंटित है। अब क्योंकि इसका 80 प्रतिशत मैं बोल लेता हूं, तो वह बचा हुआ केवल 20 प्रतिशत बोल पाती है! लेकिन मुझे एक स्वैच्छिक संगठन में शामिल होने के लिए इसी ने ज़ोर दिया था।

रोटरी यात्रा:

शानदार, और इसने मुझे पूरी तरह से बदल दिया। जब मुझे 2010-11 में एक रो इ निदेशक के रूप में शामिल किया गया, तो मैंने फैसला किया और राशी ने सहमति दी, कि अगर मैं अपना ज्यादातर समय, ऊर्जा और पैसा अन्य लोगों की सेवा के लिए दे रहा हूं, तो मेरा बाकी जीवन दुनिया में केवल भलाई के लिए समर्पित होगा। मेरा व्यापार अपना ख्याल खुद रख सकता है। मैं जीवन में बेहद आराम से हूँ बल्कि ज़्यादा आराम से हूं। अब मैं अन्य लोगों के लिए जीना चाहूंगा। भविष्य में, अगर मुझसे पूछा जाए, तो मैं देश की सेवा में बड़ी भूमिका निभाना चाहता हूँ, शायद राजनीति में। मेरा दृढ़ विश्वास है कि भारत में हर वरिष्ठ नेता को राजनीति से जुड़ने के लिए सरकार को आमंत्रित करना चाहिए या तो ऑनरेरी पद पर या किसी अन्य प्रकार से, क्योंकि वे बहुत अधिक अनुभव रखते हैं और दूसरों की मदद कर सकते हैं। एक रोटेरियन अपने पूरे जीवनकाल में 1 मिलियन डॉलर तक का प्रोजेक्ट शायद एक बार कर सकता है; पर एक मंत्री के लिए, यह शायद दो दिनों का व्यय है। इस तरह रोटेरियन राष्ट्र के परिवर्तन में बड़ी भूमिका निभा कर महान कार्य कर सकते हैं।

नेतृत्व: किसी भी स्वैच्छिक संगठन में, एक योग्य नेता को बड़े सपने देखने चाहिएं और अपना दृष्टिकोण सकारात्मक रखना चाहिए। एक नेता नहीं कह सकता है कि ये हो नहीं सकता। यदि कोई विचार अच्छा है, तो मुझे ये नहीं कहें कि ये नहीं हो सकता क्योंकि यदि आप मुझे नहीं हो सकने के 10 कारण बताएँगे तो करने के मैं 100 तरीके बता दूंगा कि यह कैसे कर सकते हैं? मुझे दो सुझाव दें कि मुश्किल काम कैसे पूरा किया जा सकता है। हमारी पोलियो की कहानी से मैं बहुत प्रेरणा लेता हूं। अगर किसी ने ये कहा होता कि हम पोलियो का उन्मूलन नहीं कर सकते हैं, और रोटेरियन सहमत हो जाते तो आज हम पोलियो उन्मूलन के कगार पर नहीं होंते। इसलिए बड़े सपने देखें, सकारात्मक दृष्टिकोण रखें, दूसरों के साथ इन चीजों पर चर्चा करें, कड़ी मेहनत करें, पूरी जानकारी लें लेकिन निर्भीक हो कर साहसिक निर्णय लें और असफल होने के लिए तैयार रहें। इससे एक सफल लीडर बनता है।

रोटरी में आपके आदर्श

निःसन्देह, कल्याण बनर्जी। जब उनसे मेरी पहली मुलाक़ात हुई तब वह रो इ निदेशक थे। मैंने उनकी गंभीरता और शांति से काम करने के तरीके, उनकी सादगी को देखा है ... वह अभिमान रहित, मृदुभाषी, विनम्र और बहुत अच्छे वक्ता हैं ... वास्तव में, एक उत्कृष्ट वक्ता। उनका अनुसरण कर, उन्हें समझ कर, मैंने बहुत कुछ सीखा है, लेकिन साथ ही मेरा व्यक्तित्व उनसे भिन्न है, बिलकुल अलग। उनके कुछ गुण और विशेषताएं मुझे बहुत पसंद हैं, सभी को तो मैं आत्मसात नहीं कर पाया, क्योंकि आखिर मैं तो मैं ही हूं। लेकिन वो मेरे रोल मॉडल हैं। उनके काम करने की शैली मुझे पसंद है, वह दखलंदाज़ी बिलकुल नहीं करते, राजनीति से दूर हैं, उनका व्यापक दृष्टिकोण है जो मेरी मानसिकता से मेल खाता है। साथ ही, मेरे लिए उनकी विनम्रता बहुत महत्वपूर्ण है।

रोटरी की सार्वजनिक छवि:

बदलाव लाने के लिए, हमें बड़े काम करने होंगे। जब कोई रोटेरियन किसी सरकारी कार्यालय में जाए, तो सामने वाला व्यक्ति आपका अभिवादन करे और कहे कि आप बहुत बढ़िया काम कर रहे हैं हम उसे पसंद करते हैं। रोटरी की छवि होनी चाहिए, काम करने वाले लोग, ऐसे लोगों की नहीं जो सिर्फ फोटो खिंचवाना चाहते हैं। यदि हमें किसी एक चीज को सुधारने की आवश्यकता है, तो वो है सभी के साथ तस्वीरें लेने की आदत। रोटरी के अंदर तक तो यह ठीक है, लेकिन कृपया ये रोटरी के बाहर न करें।

जब कोई रोटेरियन किसी सरकारी कार्यालय में जाए, तो सामने वाला व्यक्ति आपका अभिवादन करे और कहे कि आप बहुत बढ़िया काम कर रहे हैं हम उसे पसंद करते हैं। रोटरी की छवि एसी होनी चाहिए।

यही कारण है कि जितने भी पदों पर उन्होंने नेतृत्व किया, उनके कार्यकाल बिल्कुल निर्बाध रहे हैं। मेहता उन बिरले व्यक्तियों में से एक हैं जिन्होंने पहले ही प्रयास में RIPN पद प्राप्त किया है।

आप इसका श्रेय किसे देते हैं जिसके कारण ये शीर्ष पद आपको इतनी सहजता से मिल गए, मैं मेहता से पूछती हूं। मैं अपनी लगन और मेहनत से रोटरी में ऊपर आया हूँ, साथ ही वरिष्ठ रोटेरियन की वजह से जिन्होंने मेरे कार्यों का समर्थन किया और सम्भवतः लोगों को सदैव साथ ले कर चलने का सामर्थ्य।

मुझे इसका अनुभव पिछली शाम कोलकाता में *इग्नाइट मीट* के बाद हुआ, वह एक छोटे से हॉल में घंटों तक PRIP कल्याण बनर्जी सहित वरिष्ठ रोटरी नेताओं के साथ थे । मैं भी उस ''थिंक टैंक'' का हिस्सा थी, लंबे समय तक एक छोटी से कुर्सी पर बैठी रही, थोड़ा बहुत योगदान दिया और वहां से एक हफ्ते का पीठ दर्द ले कर उठी। ''इस तरह काम करता है शेखर,'' पीडीजी श्यामा श्री सेन मुस्कुराई, जिन्हें मेहता द्वारा एक *इग्नाइट* सत्र के लिए अचानक बुलाए जाने पर अपनी रसोई में उबलता हुआ बर्तन छोड़ के आना पड़ा था। ''वह दीवानगी की हद तक कई घंटों तक काम करता है, और अपने आसपास के लोगों को भी दीवाना बना देता है,'' वह कहती हैं। इससे पहले सुबह निदेशक कमल संघवी ने बताया था कि मेहता अचानक सुबह 2 बजे होटल में, यह देखने के लिए आए थे कि

किसी रोटरी क्लब में, करीब 100-200 सदस्यों के, विविधता की कल्पना करें; प्रत्येक व्यक्ति का एक अलग दृष्टिकोण होता है, लेकिन उन सब को एक ही लक्ष्य की ओर आकर्षित करना एक चुनौती तो है लेकिन मजेदार भी।

मेहता लाइब्रेरी

मेहता लाइब्रेरी

ऊपर : दक्षिण एशिया साक्षरता शिखर सम्मेलन में, नोबेल पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी के साथ। चित्र में (बाएं से) RID कमल संघवी, राशी मेहता, PDG गण बाबू पेरम, चंदू अग्रवाल, मनप्रीत सिंह गंधोक और सुमेधा सत्यार्थी भी शामिल हैं।

ऊपर से दक्षिणावर्त : PRIP राजेन्द्र साबू; के साथ PRIP के आर रवींद्रन, PRID मनोज दिसाई और रो ई निर्देशक कमल संघवी के साथ वल्लभ कुमारी (माताजी) और राशी; केन्द्रीय मानव संसाधन मंत्री जावड़ेकर और PRIP कल्याण बेनर्जी के साथ।

इस आयोजन की व्यवस्थाएं सुचारु रूप से की गई थी या नहीं।

अगली सुबह कोलकाता के संभ्रांत इलाके में उनके आलीशान अपार्टमेंट में बैठी अपनी दुखती पीठ पर बाम लगाने के बाद, मैं मेहता से सवाल करती हूँ, उनके बड़ी संख्या में लोगों को शामिल करने के सामर्थ्य पर, किसी भी अभियान में; साक्षरता अभियान अभी बिलकुल ताज़ा है, जिसमें कम से कम 100 पीडीजी सम्मिलित हुए थे। ''ठीक है, आपको ये करना है। किसी रोटरी क्लब में, करीब 100-200 सदस्यों के, विविधता की कल्पना करें; प्रत्येक व्यक्ति का एक अलग दृष्टिकोण होता है, लेकिन उन सब को एक ही लक्ष्य की ओर आकर्षित करना एक चुनौती तो है लेकिन मजेदार भी। और आप ऐसा तभी कर सकते हैं जब इसका उद्देश्य अच्छा हो और उसमें दूसरों की सेवा होती हो।'' उनका कहना था।

दूसरों से देर तक काम करवाने और खुद रोजाना 16 घंटे काम करने की आप छवि के बारे में क्या कहेंगे? वह ठहाका लगाते हैं और कहते हैं, ''एक समय था जब मैं ये सब करता था, साक्षरता के लिए जो रोटरी का सिर्फ एक और कार्यक्रम नहीं है, बल्कि यह एक ऐसा मिशन है जिसके तहत हमने भारत को साक्षर बनाने का काम शुरू किया है ... बहुत बड़ी बात है, हर चौथा भारतीय अनपढ़ है। इतनी बड़ी बात, कितने स्वैच्छिक संगठन सोच सकते हैं?''

पेशे से चार्टर्ड अकाउंटेंट, वो एक कॉस्ट अकाउंटेंट और कंपनी सेक्रेटरी भी हैं, जिसमें एम कॉम की डिग्री भी शामिल है। ''कॉमर्स क्षेत्र में उस समय आप अधिकतम इतनी पढ़ाई ही कर सकते थे । मैं समझता हूँ किऐसे लोग बहुत कम होंगे, जिन्होंने चारों कोर्स किये हों!''

परिवार की परंपरा का निर्वाह करते हुए वह एक सीए बन गए - परिवार में हम 30 सीए

भारत का कोहिनूर है रोटरी के ताज में

RIPN शेखर मेहता के लिए, भारत रोटरी के ताज में कोहिनूर है ... ''एक दुर्लभ रत्न। मैं सभी राष्ट्रों का सम्मान करता हूँ पर आपने मुझसे भारत के बारे में पूछा है इसलिए मैं इसका जवाब दे रहा हूं। यदि आप मुझसे अमरिका के बारे में पूछेंगी, तो मैं आपको इसकी अच्छी बातें बताऊंगा,'' उन्होंने कहा।

आज सदस्यता और दान देने में, दोनों में भारत नंबर 2 पर है, ''लेकिन परियोजनाकरने में 1 नंबर पर है। मेरे नज़रिये से भारत में रोटरी की सबसे बड़ी संपत्ति भी यही है। फिर चाहे वह हार्ट सर्जरी हो या पेयजल उपलब्ध करवाना या फिर स्कूलों का निर्माण, भारत ने सभी क्षेत्रों और रोटरी के फोकस क्षेत्रों में कुछ उत्कृष्ट कोटि के कार्य किये हैं।''

इतने वर्षों से ''मैं स्वयं भी बाहर रह कर काम कर रहा हूँ, मुझे मालूम है कि इन में से एक भी परियोजना करने के लिए आपको कितने कष्ट उठाने पड़ते हैं और इसके लाभार्थियों को इससे कितने अधिक आनंद की प्राप्ति होती है कितनी खुशी मिलती है। ये जीवन में परिवर्तन लाने वाली चीजें हैं। मैं ऐसी 20-30 प्रमुख परियोजनाओं के बारे में बता सकता हूँ, जिन्होंने मेरे दिल और दिमाग पर गहरी छाप छोड़ी है। दुनिया में एक भी देश है ऐसा जो सेवा के इतने सारे प्रोजेक्ट्स कर रहा है?''

साथ ही वह कहते हैं, ''चेक लिखना तो बहुत आसान है पर इसकी अपेक्षाकृत महीनों तक लगातार अपने घर से 100 किमी दूर जा कर यह सुनिश्चित करना कि उस गांव के लोगों को पीने का पानी मिला या नहीं या वे खुले में शौच जाने के बजाये उनके घर में शौचालय बनाए गए हैं या नहीं । यह आसान नहीं है।''

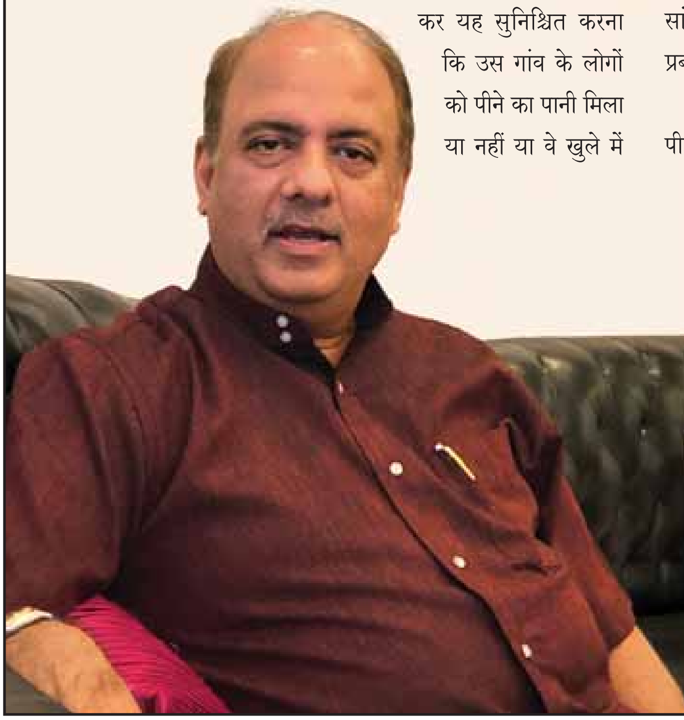

''भारत में रोटरी के अद्भुत, उत्कृष्ट नेतृत्व की प्रशंसा'' करते हुए उन्होंने PRIP के आर रवींद्रन का उदाहरण दिया, ''जो हमेशा ये कहते हैं कि उन्होंने इतने सारे वरिष्ठ नेताओं का समागम दुनिया में कहीं नहीं देखा, जो अपने अपने कार्य में संलग्न हैं। पीआरआईपी राजा साबू को ही लें; वे हर साल अफ्रीका में 2-3 चिकित्सा मिशन पर जाते हैं। ऐसी अद्भुत सेवा कौन करता है? या कल्याण बेनर्जी ... यह उन्हीं का सपना था कि भारत पूरी तरह से साक्षर हो और इस उम्र में भी वह साक्षरता की हर महत्वपूर्ण बैठक में शामिल होते हैं; उन्हें ये सब करने की जरूरत नहीं है।''

वे कहते हैं, ''पानी और स्वच्छता की बात करें और वहां PRID सुशील गुप्ता मौजूद थे। उत्तरांचल में आये भूकंप के बाद, यशपाल दास ने पहाड़ियों में करीब 32 उत्कृष्ट स्कूलों का निर्माण किया है। आप किसी भी परियोजना के लिए पैसा चाहते हैं, अशोक महाजन को बताएं और एक उंगली के इशारे पर, वह पैसे की व्यवस्था कर देंगे क्योंकि वह भारत की वित्तीय राजधानी में बैठे हैं। पी टी प्रभाकर थळपड विन्स) में सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं, मनोज देसाई द्वारा व्यापक रूप से की गई करेक्टिव पोलियो सर्जरी पर नज़र डालें और सुदर्शन अग्रवाल को देखें, आखिरी सांस तक रोटरी के लिए काम कर रहे थे, उन्होंने हिम ज्योति स्कूल का प्रबंधन किया और दिल्ली में एक उच्च कोटि के ब्लड बैंक की स्थापना की।

यही बात ओ पी वैश्य के साथ भी थी; ढेर सारी परियोजनाओं के पीछे उनका ही दिमाग था। पांडुरंग शेट्टी 27 शैक्षणिक संस्थान चलाते हैं और वे स्वयं अपने आप में एक संस्थान हैं। PRID सी भास्कर, जिन्होंने अभी-अभी अपना कार्यकाल पूरा किया, बहुत मेहनत की; कहीं कोई प्राकृतिक आपदा होती है तो कमल संघवी शेल्टर बॉक्स के जरिए सहायता पहुंचाते हैं। भरत पांड्या ने स्वास्थ्य पर एक उत्कृष्ट परियोजना शुरू की है। इन सभी लोगों को हमारा सलाम। भारत एक महान नेतृत्व प्रदान करता है और हमारे पास कई उत्कृष्ट भागीदारीयां है।''

भारत में रोटरी के लिए तकलीफदेह क्या है? ''कुछ भी नहीं ... 7 या 10 लोग संदिग्ध गतिविधियों में लिप्त हैं, संगठन नहीं है। सब कुछ बढ़िया चल रहा है, अगर भारतीय रोटरी में समस्याएं होतीं, तो सेवा परियोजनाओं में, योगदान में और सदस्यता में इतने बड़े बड़े कार्य कैसे हो सकते थे?''

रोटरी क्लब महानगर मंडल के सशक्त और सुदृढ़ क्लबों में से एक है; क्लब में 85 से अधिक सदस्य हैं। हमारे क्लब में सौहार्दऔर मित्रता बहुत अच्छी है और हम किसी भी तरह की चुनौती लेने के लिए तैयार हैं।

हैं - लेकिन अपनी कोई पारिवारिक फर्म नहीं है। ''हम जोधपुर से हैं जहां से दुनिया में सबसे अधिक सीए निकलते हैं।'' कहते हैं ''कि यदि आप जोधपुर में एक पत्थर फेंकेंगे, तो इसकी बहुत संभावना है कि वह एक सीए पर ही गिरे!''

मेहता पहले रोटरी क्लब सेंट्रल कलकत्ता रोई मंडल 3291 में शामिल हुए, जहाँ उन्होंने उम्र भर के लिए दोस्त बनाए । बाद में वह रो क्लब महानगर में चले गए, जिसे उस समय रो क्लब कलकत्ता बड़ा बाजार कहा जाता था। केवल तीन सदस्यों के साथ, ''यह एक शेल क्लब था, जो अपेक्षाकृत एक छोटी सी जगह पर मीटिंग करता था। एक साल के अंदर ही हमने इसकी सदस्य संख्या 40 कर दी और नाम बदल कर महानगर कर दिया क्योंकि 'बड़ा बाज़ार' से एक साफ-सुथरे इलाके की छवि परिलक्षित नहीं होती थी, हमने मीटिंग का स्थान पहले पार्क होटल और फिर ताज बंगाल में स्थानांतरित कर दिया। तब से यह क्लब मंडल के सशक्त और सुदृढ़ क्लबों में से एक है; हमने कुछ उत्कृष्ट परियोजनाएँ की हैं और क्लब में 85 से अधिक सदस्य हैं। हमारे क्लब में सौहार्दऔर मित्रता बहुत अच्छी है और हम किसी भी तरह की चुनौती लेने के लिए तैयार हैं।

जब वह मंडल अध्यक्ष थे, टीआरएफ में 250,000 डॉलर के साथ मंडल में उनका योगदान सर्वाधिक रहा था; हंसते हुए कहते हैं, ''आज के सन्दर्भ में ये बहुत मामूली राशि है इसलिए मैं इस की चर्चा ज्यादा नहीं करता।'' सदस्यता बढ़ी, कई नए क्लब शुरू किए गए और बड़ी परियोजनाओं पर ध्यान केंद्रित किया गया। ''मैं हमेशा बड़ा सपना देखना चाहता हूं और बड़ी चीजें करना चाहता हूं, क्योंकि अगर इतने सारे लोग अपने दिमाग, समय और संसाधनों का प्रयोग एक साथ कर रहे हैं, तो निश्चय ही हमें कुछ बड़ा करना होगा।'' रोटरी व्हील के साथ 500 घरों *(row houses)* का निर्माण, रिकॉर्ड समय में 3H अनुदान प्राप्त करना उनके वर्ष के कुछ मुख्य आकर्षण रहे।

उनकी नई भूमिका में, रोटरी का विकास सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी, ''लेकिन जब मैं विकास की बात करता हूँ, हमारे बुनियादी मूल्य, जैसे विविधता यथावत बनी रहेगी। सौभाग्य से, भारत में सदस्यता विविध है क्योंकि हमारे क्लब के सदस्यों में शामिल बुजुर्ग, मध्यम आयु और युवा वर्ग, महिलाएं और सदस्य सभी धर्मों का प्रतिनिधित्व करते हैं। हम रोटरी में धर्म या क्षेत्र के संदर्भ में भी नहीं सोचते हैं; यह समझना ज़रा मुश्किल होगा कि रशीदा भगत के रूप में आप

राशि कहती हैं

राशी मेहता से उनके पति के रोटरी के साथ भावनात्मक जुड़ाव के बारे में पूछें और वह मुस्कुराते हुए कहती हैं: ''शेखर ने हमारी शादी (1984) होने के तुरंत बाद रोटरी ज्वाइन कर ली थी। मैं रोटेरियन नहीं हूं, लेकिन पहले दिन से शेखर के साथ-साथ सभी क्लब और मंडल परियोजनाओं और गतिविधियों में जाती रही हूं। हमने बहुत छोटी परियोजनाओं से शुरुआत की थी और उसके बाद जो हुआ वो एक विशाल इंद्रधनुष की तरह है।''

रोटरी दोनों के लिए ''एक जीवन जीने का तरीका बन गया और जब बच्चे आए, तो उन्होंने रोटरी के प्रति हमारे रुझान और जुड़ाव को समझा।'' 1991-92 में, जब मेहता क्लब अध्यक्ष बने, तो वह उनके इनर व्हील क्लब की अध्यक्ष बनी थीं और बाद में उनके मंडल में दो साल के लिए कोषाध्यक्ष के रूप में कार्य किया।

कुछ काम जो उन्हें याद हैं, ''वह है हमने बिहार में आई बाढ़ के कारण तबाह हुए लोगों तक राहत सामग्री और आश्रय किट पहुंचाए। फिर 2005 में आये उरी भूकंप के बाद कश्मीर का दौरा; यहीं पर हमें आनंद की अनुभूति भी हुई जब देखा कि भारतीय सेना में रोटरी के लिए कितना अधिक आदर, सम्मान है।''

राशी विशेष रूप से उस ''बहुत बड़े भूस्खलन का ज़िक्र करती हैं; ठीक हमारी जीप के सामने। हम ज़मीन को धंसते हुए देख रहे थे और शेखर ने कहा राशी, संभव है हम इस यात्रा से नहीं लौट पाएं । मलेकिन रोटरी की भावना प्रबल रही, हमने अपना काम पूरा किया और घर लौट आए,'' वह मुस्कुराई।

उनकी मुलाक़ात कैसे हुई, वह कहती है, उन दोनों के माता-पिता लायंस क्लब के सदस्य थे और बहुत करीबी दोस्त बन गए; ऐसे ही बच्चों में भी मेलजोल बढ़ा। ''हम साथ-साथ घूमते थे, लायंस के कई कार्यक्रमों में जाते थे।'' 11 वीं कक्षा में थी जब उनकी मुलाक़ात हुई, कॉलेज के पहले साल में नज़दीक आये और 1984 में शादी कर ली। एक बेटा है, चिराग और बेटी चांदनी, बहू गीता और पोता वीर, एक साल का है। ये सभी दिल्ली में रहते हैं।

शेखर के रोटरी नेतृत्व के शिखर पर पहुंचने के बारे में, राशी मुस्कुराते हुए कहती हैं: ''ये पद प्रथम प्रयास में ही उन्हें मिल गया, यह बहुत दिलचस्प है। उन्होंने अपना नाम बहुत देर से दिया था, कुछ वरिष्ठ नेताओं के सुझाव पर। इसमें काफी उतार चढ़ाव आये; पर साक्षात्कार के लिए इवान्स्टन जाने से पहले जो प्यार और स्नेह हमें मिला, उसने सब कुछ सार्थक कर दिया और साबित कर दिया कि वे जनता के ही प्रतिनिधि हैं, उनके सेवक हैं।''

मुस्लिम हैं, पंजाबी हैं या गुजराती हैं। हाँ,यदि आप एक रोटेरियन हैं, आपका स्वागत है।''

सदस्यता और परियोजनाओं को अगले स्तर पर ले जाने के साथ, एक अन्य प्राथमिकता है सीएसआर फंडों का दोहन। ''टीआरएफ द्वारा की जाने वाली फंडिंग राशि सीमित है, क्योंकि हम उन कार्यक्रमों की बात कर रहे हैं जिनकी लागत 1 बिलियन डॉलर से अधिक हैं। वैश्विक अनुदान (त्र्ळ्ठेलरश्र त्र्रीरपीं) इतना धन इकट्ठा नहीं कर सकते हैं; सीएसआर इसका जवाब है।''

लेकिन प्रभावशाली उच्च फंडिंग पाने के लिए, हमें अपनी संरचना और माप दंड अपने आदर्श के अनुरूप बनाने होंगे। ''इसके लिए जबरदस्त फोकस, समय, ऊर्जा, एक प्रारूप और डेटा मिलान की आवश्यकता है, जिस पर लगातार नजर रखी जा सकती है।''

रोटेरियनों को उनका सीधा संदेश यह है कि क्लब द्वारा व्यक्तिगत स्तर पर कॉरपोरेट्स से फण्ड लेने के बजाय, सीएसआर फंडिंग मंडल या राष्ट्रीय स्तर द्वारा की जानी चाहिए। ''अगर कोई क्लब किसी कॉर्पोरेट को जानता है, तो सिर्फ एक परियोजना के लिए ₹2 या ₹5 लाख मत मांगो। आप खुद को कम आंक रहे हो और वहीं कॉरपोरेट पलट कर कह सकता है कि रोटरी को मैंने पहले ही पैसे दे दिए हैं।'' इसके अलावा स्पष्ट कहें, गलत और अनिश्चित बात कहने से बचें; ''साक्षरता का मतलब कुछ भी हो सकता है, इसलिए स्पष्टतः 50 हैप्पी स्कूलों के लिए मांगें या इतने ही ई-साक्षरता किट के लिए कहें । पेंसिल, इरेज़र या बेंच देने से कोई भी कॉर्पो

हम रोटरी में धर्म या क्षेत्र के संदर्भ में भी नहीं सोचते हैं; आप मुस्लिम हैं, पंजाबी हैं या गुजराती हैं। हाँ,यदि आप एक रोटेरियन हैं, आपका स्वागत है।

RID गण कमल संघवी (बाएं) और भरत पांड्या (दाएं) के साथ।

रेट रोमांचित या उत्साहित नहीं होगा। आपको, हैप्पी स्कूल या ई-लर्निंग जैसे दिखाई देने वाले बड़े कार्यक्रम करने पड़ेंगे जिनसे वास्तव में फर्क नज़र आएगा।''

भारत में, मेहता का कहना है, रोटरी प्रतिभा के ज्वालामुखी पर बैठा है; ''भलाई करने के लिए हमें इस प्रतिभा को ढूंढ निकालना होगा। हमें अपनी जिम्मेदार सदस्यता बढ़ाने की आवश्यकता है ... ऐसे नहीं कि एक वर्ष आये और अगले वर्ष छोड़ गए। यदि आप अपनी ऊर्जा पर ध्यान केंद्रित करते हैं, तो निश्चय ही आपको इसके परिणाम मिलेंगे। इसके अलावा, उचित व सही

अगर कोई क्लब किसी कॉर्पोरेट को जानता है, तो सिर्फ एक परियोजना के लिए ₹2 या ₹5 लाख मत मांगो। आप खुद को कम आंक रहे हो और वहीं कॉरपोरेट पलट कर कह सकता है कि रोटरी को मैंने पहले ही पैसे दे दिए हैं।

प्रशिक्षण भी बहुत महत्वपूर्ण है। इसे हमें पश्चिमी दुनिया से, खासकर अमरिकियों से सीखना चाहिए, जो हमेशा यह जानते हैं कि पैमाना कैसे बढ़ाया जाए। उनके बर्गर को देखें, यह पूरी दुनिया में पहुँच चुका है। लेकिन बर्गर कोई रॉकेट साइंस है क्या? अपनी मुंबई में बनाया गया वडा पाव उतना ही स्वादिष्ट है, लेकिन मुंबई से कोलकाता तक नहीं पहुँच सका, जबकि बर्गर वहां पहुँच चुका है... इसके लिए इस बर्गर के मानकीकरण, प्रशिक्षण और उनके कौशल को धन्यवाद है।''

मेहता की सलाह भारतीय रोटेरियनों को, ''जो पहले से ही बहुत अच्छा कार्य कर रहे हैं, अब हमें अपनी गति बढ़ानी है और संरचित कार्यक्रम करने हैं। साक्षरता कार्यक्रम इसका सर्वश्रेष्ठ उदाहरण है; पांच साल में हमें इसे सुधारने की आवश्यकता नहीं पडी। क्यों न हम इसे स्वास्थ्य और विन्स, पर्यावरण या आपदा प्रबंधन में लागू करें? अगर हमने ऐसा किया, तो हम पूर्णतया अलग ही स्तर पर होंगे, क्योंकि हमारी परियोजनाएं अन्य देशों के लिए मॉडल बन जाएंगी जिन्हें वहां दोहराया जा सकेगा।''

लेकिन, मेहता कहते हैं, अगर उस कार्यक्रम में कोई कमी रही थी, तो शुक्र है कि कम हो रही

अमरिकियों से सीखना चाहिए, जो हमेशा यह जानते हैं कि पैमाना कैसे बढ़ाया जाए। उनके बर्गर को देखें, यह पूरी दुनिया में पहुँच चुका है। लेकिन बर्गर कोई रॉकेट साइंस है क्या? अपनी मुंबई में बनाया गया वडा पाव उतना ही स्वादिष्ट है, लेकिन मुंबई से कोलकाता तक नहीं पहुँच सका।

है, यह आगे बढ़ रहे व्यक्ति की टांग खींचने जैसा था। यह उनके साथ भी हुआ था, लेकिन वह इस से प्रतिकूल रूप से प्रभावित नहीं हुए, ''मेरे द्वारा पूर्व में किये गए कार्यों को धन्यवाद, जिसकी वजह से मुझे कई दोस्त मिले हैं। लेकिन हर व्यक्ति के साथ ये संभव नहीं है।''

चित्र: रशीदा भगत

एस कृष्णप्रतीश द्वारा रूपरेखा

मेहता का सपना, रोटरी को मिले

नोबेल पुरस्कार

जयश्री

PRIP कल्याण बेनर्जी, RIPN शेखर मेहता को पगडी पहनाते हुए। चित्र में राशी (दाएं) और सोनल (बाएं) शामिल हैं।

जैसा कि शेखर मेहता 2021 में रोटरी जगत का नेतृत्व करने की तैयारी कर रहे है, उनका सपना है कि पोलियो उन्मूलन में रोटरी के प्रयासों के लिए उसे नोबेल पुरस्कार से नवाज़ा जायें, और PRIP कल्याण बेनर्जी भी इस विचार का समर्थन करते है। ''रोटरी को नोबेल मिलने के लिए पोलियो का पूरी तरह खत्म होना आवश्यक नहीं है। 99 प्रतिशत दुनिया के पोलियो मुक्त होने के साथ, उस एक प्रतिशत तक पहुँचने में हमें ज्यादा समय नहीं लगेगा और हम ऐसा करके रहेंगे। समय आ गया है कि इस वायरस पर विजय हासिल करने में रोटरी द्वारा निभाई गई असाधारण भूमिका का सम्मान किया जाए। 3-4 वर्षों के लिए एक समिति का गठन कीजिए ताकि आपका कार्यकाल पूरा होने तक इसपर एक निर्णय लिया जा सके,'' RIPN शेखर मेहता के सम्मान में कोलकाता में आयोजित भव्य सम्मान समारोह में PRIP बेनर्जी ने कहा। कोलकाता के रोटेरियनों ने पड़ोसी मंडल के रोटेरियनों के साथ मिलकर 'देश के बेटे' के लिए इस कार्यक्रम को यादगार बनाने हेतु हरसंभव प्रयास किये। प्रतिष्ठित-व्यक्तियों से भरी शाम होने के साथ ही वह एक अतिविशेष शाम थी क्योंकि मेहमानों ने मेहता का जन्मदिवस भी बड़ी धूमधाम के साथ मनाया।

बेनर्जी ने एक और सुझाव दिया कि कई क्षेत्रीय उप-मुख्यालयों की स्थापना पर विचार किया जाना चाहिए ताकि रोटरी को महाद्वीपों के अनुसार एवं देशानुसार चलाया जा सकें। विभिन्न क्षेत्रों के लोग अलग प्रकार से सोचते एवं कार्य करते है। ''पूरी दुनिया के लिए एक ही योजना कोई समाधान नहीं

आमने सामने

आरआईडी संघवी ने मेहता और राशि और उनके परिवार से विभिन्न विषयों पर सवाल पूछकर दर्शकों को गुदगुदाया। दंपति एक दूसरे को स्कूल के दिनों से जानते थे क्योंकि दोनों के परिवार अच्छे दोस्त थे और शादी करने से पूर्व वे सात सालों तक एक-दूसरे से प्यार करते रहे। ''हम सभी शेखर को एक साक्षरता पुरुष, शौचालयों के निर्माण करने वाले आदमी के रूप में जानते है, लेकिन यह शेखर का दूसरा रूप है, आशिक का। यह हमारी कल्पना से परे है, संघवी ने कहा।''

मेहता की टाइमिंग के बारे में बात करते हुये, राशि ने कहा, ''वह मुझे घंटों इंतज़ार कराया करते थे। यदि वह कहते कि वह 11 बजे आएंगे, तो वह 1 बजे से पहले नहीं आते थे और मैं बस उनका इंतज़ार करती थी।'' उनकी दो बहनों के प्रति उनके लगाव के बारे में बात करते हुये, राशि ने याद किया कि कैसे वह उनके हनीमून पर उनकी बहनों को साथ ले जाना चाहते थे।

''एक ऐसी बात जो आपने आपके बेटे चिराग को न कही हो और आप उसे अभी कहना चाहते हो?'' संघवी ने पूछा। जब मेहता सोच रहे थे, तो हॉल के दूसरी तरफ बैठे पीडीजी रवि वाडलमानी ने चट से जवाब दिया: ''रोटरी से जुड़ जाओ।'' मेहता ने कहा, हाँ, बिलकुल ठीक! मैंने उसे यह कभी नहीं कहा। रोटरी से जुड़ जाओ।

उस पल को याद करते हुये जब वह एक सच्चे रोटेरियन बने, मेहता ने एक गतिशील सहायक शिविर के बारे में बात की जिसे उनके क्लब रोटरी क्लब कलकत्ता महानगर ने शारीरिक रूप से अपंग लोगों के लिए आयोजित किया था जहाँ उन्हें कैलिपर, कृत्रिम अंग, बैसाखी या व्हील चेयर दिये गए। उनका काम यह देखना था कि क्या लोगों के हाथ में व्हील चेयर चलाने की ताकत है या नहीं। वह लोगों से उनका हाथ खींचने के लिए कहकर उनकी ताकत की जांच करते थे। ''पहला व्यक्ति घिसटते हुये आया। मैंने देखा कि उसके हाथ मटमैले थे। और मैंने अनिच्छा से अपना हाथ उसकी तरफ बढ़ाया और उसे उसका हाथ अपने हाथ पर रखने दिया। मुझे यह बिल्कुल पसंद नहीं आया, लेकिन मैंने ऐसा किया। अगले व्यक्ति को कोढ़ था। मेरे पास कोई विकल्प नहीं था। लेकिन जैसे-जैसे यह अभ्यास आगे बढ़ा, मैंने समझौता किया और उन सभी के प्रति सहानुभूति रखी कि उनके सामने गतिशीलता की एक बढ़ी चुनौती थी जिसपर वे किसी भी तरीके से विजय प्राप्त करना चाहते थे। उस परियोजना ने मुझे सिर्फ एक क्लब सदस्य से एक रोटेरियन में परिवर्तित कर दिया।''

आपको आपके क्लब की कौन सी बात सबसे ज्यादा पसंद है: ''वे मेरे साथ चट्टान बनकर खड़े रहते है और मेरे सबसे उन्मादी विचारों का भी समर्थन करते है।'' उसी जगह मैंने सब कुछ सीखा।

मेहता एक किताब लिखना चाहते है, और उसमें एक ''सनसनीखेज अध्याय रोटरी की रूढ़ोक्तियों पर होगा। जब वे कहते है 'एक संक्षिप्त परिचय' तो वह एक लंबा परिचय होता है; जब वे कहते है 'अब हम एक छोटी सी निशानी प्रस्तुत करेंगे,' तो उस छोटी निशानी को चार लोग लेकर आएंगे... ये कुछ उदाहरण है।''

संघवी की परीक्षा: रात्रिभोज पर कल्याणदा थे, ''कल्याणदा'' एक प्रेरणास्रोत थे और कल्याणदा एक गुरु थे... अब यदि आप एक द्वीप पर फंसे हुये हो, और यदि आप केवल एक व्यक्ति को बचा सकते है, तो आप आपकी माँ, पत्नी, कैटरीना कैफ और कल्याणदा के बीच किसे बचाओगे?

मेहता का जवाब: ''मैं कल्याणदा को बचाऊंगा, क्योंकि वह बाकी तीनों को बचाने का रास्ता बताएँगे।''

संघवी के रैपिड फायर सवालों के कुछ अन्य मज़ाकिया, फिर भी चतुराईपूर्ण, प्रत्युत्तरों में शामिल थे कमल संघवी या महानगर के बीच का चुनाव, उनका जवाब था ''महानगर में कमल संघवी;'' और राशि या उनकी माँ के बीच में से, ''माँ - मेरी और चिराग दोनों की।''

है। हमें भूमि के अंतरों को अलग तरह से संबोधित करते हुए बढ़ते रहने की जरूरत है। इसी प्रकार हम वर्तमान पीढ़ी को आकर्षित कर सकते है। आप सौभाग्यशाली है। जाइये और दुनिया पर विजय हासिल कीजिये।''

उन्होंने रोटरी के कोलकाता से विशेष संबंध का उसी प्रकार स्मरण कराया ''जिस प्रकार शिकागो रोई के लिए विशिष्ट है। आज रोटरी के संस्थापक पॉल हैरिस के निवास का पुनुरुत्थान करने एवं उसे एक

यह शेखर की पहल थी जिसने निरक्षरता के उन्मूलन को भारत में एक संक्रामक प्रस्ताव के रूप में रखा।

गुलाम वाहनवटी
टीआरएफ ट्रस्टी

RIPN शेखर मेहता और राशी और उनके माताजी वल्लभ कुमारी, सोनल संघवी, बेटे चिराग, बहु गीता, बेटी चांदनी, बहनें मधुलिका और रश्मी और बहनोई और पोता वीर, मेहता की गोद में।

स्मारक के रूप में संरक्षित करने पर काम किया जा रहा है। यह यथोचित होगा यदि भारत में हम एक साथ मिलकर नीतिश लाहरी के निवास को रोटरी की विरासत के रूप में पुनर्जीवित करने की योजना बनाए। और अब जब भारत अपना रोटरी का शताब्दी वर्ष मना रहा है, तो ऐसा करना उपयुक्त होगा। शायद शेखर इसकी अगुवाई करेंगे,'' उन्होंने कहा।

PRIP राजेंद्र साबू ने यूएस से एक वीडियो संदेश भेजकर अपना हर्ष प्रकट किया। उन्होंने आपदा राहत के दौरान जरूरतमंदों तक आश्रय किटें पहुँचाने के मेहता के प्रयासों की सराहना की। ''शेखर में सत्यनिष्ठा, काबिलियत और प्रतिबद्धता है। एक नेतृत्वकर्ता के रूप में उन्हें पाकर रोटरी धन्य होगी। भगवान उनका भला करें,'' उन्होनें कहा।

कार्यक्रम, जिसका समन्वयन रो ई मंडल कमल संघवी ने किया, आनंद, भव्यता एवं सौहार्द का एक रोचक मिश्रण था, और उसमें देश और बांग्लादेश एवं नेपाल के विभिन्न मंडलों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। मेहता को वरिष्ठ नेतृत्वकर्ताओं द्वारा एक पारंपरिक सम्मान दिया

RID कमल संघवी और सोनल, RIPN मेहता और राशी के साथ।

> **रोटरी को नोबेल मिलने के लिए पोलियो का पूरी तरह खत्म होना आवश्यक नहीं है। 99 प्रतिशत दुनिया के पोलियो मुक्त होने के साथ, उस एक प्रतिशत तक पहुँचने में हमें ज्यादा समय नहीं लगेगा और हम ऐसा करके रहेंगे।**
>
> **कल्याण बेनर्जी**
>
> रोई पूर्व अध्यक्ष

गया। पीडीजी अनिरुद्ध रॉय चौधरी ने प्रतिनिधियों का स्वागत किया। टीआरएफ़ न्यासी गुलाम वाहनवटी ने RILM के निर्माण में मेहता की भूमिका की रूपरेखा प्रस्तुत की, दक्षिण एशिया समिट में शांति, विकास एवं सहयोग के लिए कोलंबो डेक्लरेशन को अपनाने के बाद जो श्रीलंका के कोलंबो में आयोजित हुई थी और उस समय मेहता और वाय पी दास आरआईडी और बैनर्जी रोई अध्यक्ष थे। दस्तावेज़ के परिणामस्वरूप रोटरी साउथ एशिया सोसाइटी एवं रोटरी इंडिया लिटेरसी मिशन का निर्माण हुआ। ''यह शेखर की पहल थी जिसने निरक्षरता के उन्मूलन को भारत में एक संक्रामक प्रस्ताव के रूप में रखा,'' उन्होंने कहा।

मेहता ने उन ''दो प्यारे वर्षों'' की सुहानी यादों को साझा किया जब पीआरआईडी वाय पी दास के साथ उन्होंने रो ई निदेशक के रूप में सेवा दी थी। हम चारों रात्रिभोज के लिए जाते थे। राशि, मंजु और मैं शाकाहारी है और जब हम रात्रिभोज के लिए बैठते थे, दास कहा करते थे, ओह... मुझे मांसाहारी भोजन की कितनी याद आ रही है! तुम्हें पता है जब पिछली बार मैं विएतनाम में था, तो वे हमें जीवित घोंघे परोसते थे। और मैं कहा करता था, हे भगवान, यहाँ हम शाकाहारी भोजन खा रहे है और तुम घोंघों की बात कर रहे हो... और जब भी हम रात्रिभोज के लिए बैठते थे वह हर बार ऐसा ही कहते थे। लेकिन मज़ाक-मस्ती के अलावा, हम एक साथ बढ़िया समय गुज़ारते थे।'' दास ने याद किया कि कैसे भारतीय नेतृत्वकर्ताओं - आरआईडी के रूप में वह और मेहता, रोई अध्यक्ष के रूप में बैनर्जी और टीआरएफ़ न्यासी के रूप में अशोक महाजन - को उस समय रोई मुख्यालय में 'भारतीय माफिया' कहा जाता था। ''लेकिन हमने अध्यक्ष-निर्वाचित से लेकर निदेशक बनने तक एक अद्भुत कार्यकारी संबंध का आनंद उठाया। शेखर काम के लती है, रात में देर तक काम करते है। वह बड़े सपने देखते है और उन्हें हासिल करते है। उनके साक्षरता कार्यक्रम से सभी वाकिफ है। राशि वह शांत बल है जो उन्हें उस दिशा में आगे बढ़ाती है,'' उन्होंने कहा।

आरआईडी भरत पण्ड्या ने अर्थपूर्ण ढंग से मेहता की प्रतिभा पर रोशनी डाली - प्रतिबद्धता, उम्मीद, रवैया, अपने लक्ष्यों का परिष्करण, अभिनव प्रयास, दूसरे के प्रति संवेदनशील, प्रेरक नेता एवं कार्य-उन्मुख और ढए-उक के अवयवों को डिज़ाइन करने के लिए उनकी सराहना की जिसके कारण RILM एक बड़ी सफलता बन पाया। कमल, गुलाम और मैं एक साथ मिलकर भारतीय माफिया नहीं बल्कि भारतीय तिकड़ी बनाएँगे, पण्ड्या ने कहा।''

''जब मैंने गूगल किया कि शेखर का मतलब क्या होता है, तो उसने गलती से शिखर समझकर उसका जवाब दिया जिसका अर्थ होता है ङ्घचोटीफ। सच में, वह समर्पण का शिखर है। चाहे वह बच्चों की सर्जरियाँ हो या साक्षरता को

PDG (मंडल 3131) विनय कुलकर्णी य 50,000 का चेक RIPN शेखर मेहता को पोलियो फंड की ओर देते हुए। चित्र में PDG गण महेश कोटबागी, अनिरुधा राय चौधरी, RID कमल संघवी और DGN पंकज शाह शामिल हैं।

PRIP कल्याण बेनर्जी, माधवी और RID भरत पांड्या, सोनल संघवी, राशी मेहता, TRF ट्रस्टी गुलाम वाहनवटी और RID कमल संघवी कोलकाता समारोह में।

प्रोत्साहन, वह अत्यंत निष्ठा के साथ कार्य करते है,'' पीआरआईडी मनोज देसाई ने कहा।

पीआरआईडी पी टी प्रभाकर, जो उस नामांकन समिति का हिस्सा थे जिसने आरआईपीएन के रूप में मेहता का चुनाव किया, ने प्रक्रिया को समझाया। यह एक सख्त प्रक्रिया होती है और यहाँ तक कि रोई अध्यक्ष या महासचिव भी इसमें शामिल नहीं हो सकते। ''एक कायदा है कि जब भी समिति की बैठक हो तो अध्यक्ष शिकागो में ना रहें।'' रो ई मंडल, लिंग, आयु या क्षेत्र की परवाह किए बिना सर्वश्रेष्ठ उम्मीदवार का चुनाव करने की ज़िम्मेदारी समिति को सौंपती है। ''इसलिए हम महिला उम्मीदवार का चुनाव केवल इसलिए नहीं कर सकते कि अब तक किसी महिला का चुनाव नहीं हुआ है।'' उम्मीदवारों से पूछा गया एक सवाल था, 'अगले दस सालों में आप रोटरी को कहाँ देखते है?' जवाब थे 'रोटरी में 1.3 मिलियन सदस्य होंगे'; 'संस्थान को मिलने वाले योगदान दोगुने हो जाएंगे।' ''शेखर ने अपने जवाब से दिल जीत लिया: आज से तीन साल बाद पोलियो उन्मूलन में उसके कार्यों के लिए रोटरी को नोबल पुरस्कार मिलेगा, और उनका जवाब सुनकर समिति आश्चर्यचकित रह गई,'' उन्होंने कहा।

जब कार्यक्रम समापन की ओर पहुँचा, अभिभूत मेहता ने शुभकामनाओं एवं आशीर्वादों के लिए सभी का धन्यवाद किया और विशेषकर सभी वरिष्ठ नेतृत्वकर्ताओं का धन्यवाद किया ''जिन्होनें मुझे आकार दिया। किसी न किसी प्रकार से मैं आप सभी से प्रभावित एवं प्रेरित हूँ।''

भारत को कोसना बहुत हुआ। समय आ गया है कि हम हमारा खुद का डंका बजाए। अंतर्राष्ट्रीय बैठकों में हम क्यों स्वयं को नीचा दिखाये?

शेखर मेहता
रोई अध्यक्ष निर्वाचित

उन्होनें कुछ विचार पेश किए जिसे वह इस वर्ष के दौरान लागू करना चाहते है। ''भारत को कोसना बहुत हुआ। समय आ गया है कि हम हमारा खुद का डंका बजाए। अंतर्राष्ट्रीय बैठकों में हम क्यों स्वयं को नीचा दिखाये? आखिरकार हम सदस्यता एवं योगदान के मामले में काफी ऊपर है और हम यहाँ अनेक वैश्विक अनुदान परियोजनाओं के साथ एक अच्छा काम कर रहे है।'' उन्होनें सदस्यता को 1.3 मिलियन तक ले जाने की उनकी योजना के बारे में बात की और उन्होनें प्रत्येक रोटेरियन से अगले तीन वर्ष में एक सदस्य को शामिल करने का आग्रह किया। ''हम ऐसा कर सकते है। याद कीजिये जब कल्याण दा टीआरएफ़ के अध्यक्ष थे तो हमने उनसे 300,000 डॉलर का योगदान देने का वादा किया था, और हमने ऐसा किया भी था।'' आपदा पीड़ितों के लिए धन जुटाने हेतु विभिन्न न्यासों के बजाय एक सामान्य भारत केंद्रीय आपदा प्रबंधन कोष के एक अन्य विचार को भी उन्होंने साझा किया।

चित्र: जयश्री

अगले अंक में अधिक चित्र।

रोटरी क्लब कोलकाता शताब्दी वर्ष में 20 करोड़ रुपये की परियोजनाऐं करेगा

रशीदा भगत

कोलकाता के एक हॉल में 26 सितंबर की वो शाम, पूरी तरह से अतीत की यादों में डूबी हुई थी जहां रोटरी क्लब ऑफ कलकत्ता अपने 100वें जन्मदिन का जश्न मना रहा था। विभिन्न संस्कृतियों और जीवंत रंगों का अद्भुत संयोजन था ..., बांग्लादेश के प्रतिनिधि ढाका की जामदानी पहने थे, वहीं रोटरी क्लब लखनऊ के सदस्यों ने इससे मैच करती हुई केरल की सुनहरे बॉर्डर वाली खूबसूरत ऑफ-व्हाइट धोतियाँ पहनी हुई थीं; रोटरी क्लब ढाका और लखनऊ दोनों को रो क्लब कलकत्ता ने प्रायोजित किया है!

यह कार्यक्रम क्लब की 4,427 वीं बैठक के रूप में आयोजित किया गया था, शताब्दी वर्ष की बैल बजी और शाम के लिए सूत्रधार थे, पूर्व अध्यक्ष व शताब्दी समिति के चेयरमैन सौमन रे, 100 साल पूरे कर चुके क्लब की मुख्य उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए अतीत की

यादों के झरोखों से दर्शकों को क्लब के 100 साल के सफर पर ले चले ।

26 सितंबर, 1919 को संस्थापित, यह क्लब 1 जनवरी, 1920 को चार्टर्ड हुआ था और एशिया महाद्वीप में लगातार क्रियाशील सबसे पुराना रोटरी क्लब है। इस क्लब ने भारत, पाकिस्तान और बांग्लादेश में 28 क्लब प्रायोजित किए हैं।

श्रोताओं में क्लब के सबसे बुजुर्ग सदस्य सितम्बर 26 (1984-85) सोमेंद्र चंद्र नंदी नज़र आये, उन्होंने मुझे बताया कि वे मई 1964 में क्लब में शामिल हुए थे। क्लब की ओर से उन्हें सबसे बड़ा उपहार क्या मिला, पूछने पर वह मुस्कुराते हैं और कहते हैं: ''मैंने अंग्रेजी लिखना सीखा। कई वर्षों तक, हमारे क्लब बुलेटिन, द चाका का मैं संपादक रहा और मैंने बहुत सी किताबें भी लिखी हैं।'' 55 वर्ष की सदस्यता के दौरान आपको सबसे ज़्यादा आनंद किसमें मिला? ''नए दोस्त बनाने में, और इतने सारे अलग अलग लोगों से मिलने में। यह एक शानदार यात्रा रही है।''

अगले कुछ घंटो तक उस माहौल में सभी लोग पुराने सफर की यादों में डूबते उतरते रहे ,रो क्लब कलकत्ता द्वारा प्रायोजित 28 क्लबों में से 12 ने अपने प्रतिनिधि भेजे थे। बांग्लादेश से एक बड़ा जत्था आया था जिसका नेतृत्व रो इ मण्डल 3281 के पीडीजी सैम शौकत हुसैन (रो क्लब ढाका सेंट्रल) कर रहे थे, उसमें ढाका से कई रोटरी क्लब आये थे और पटना, लखनऊ, दार्जिलिंग, आदि के रोटरी क्लब भी शामिल हुए थे।

बैठक संचालित करते हुए, क्लब के अध्यक्ष पूर्णेंदु रॉय चौधरी ने कहा कि उस दिन वहां क्लब के 20 पूर्व अध्यक्ष मौजूद थे, और आज हम युवा पेशेवरों और व्यापारियों के साथ एक नए क्लब का गठन कर रहे हैं। उनकी बैठकें छोटी, मधुर और उद्देश्यपरक होंगी और इसके बाद नेटवर्किंग सत्र होंगे।''

55 वर्ष की सदस्यता के दौरान आपको सबसे नए दोस्त बनाने में, और इतने सारे अलग अलग लोगों से मिलने में। यह एक शानदार यात्रा रही है।

PDG सेमेन्द्र चन्द्र नंदी

रोटरी क्लब कोलकाता के सबसे वरिष्ठ सदस्य

(बायें से) डीजी अजय अग्रवाल, क्लब अध्यक्ष पूर्णेंदु रॉय चौधरी, RIPN शेखर मेहता, क्लब सचिव अनुसूया दास और RID कमल संघवी की उपस्थिति में रोटरी क्लब कलकत्ता के सबसे युवा और सबसे पुराने सदस्यों ने एक केक काटा।

रो ई मंडल 3291 और उनके द्वारा प्रायोजित कई क्लबों से मिले ''जबरदस्त समर्थन'' के लिए आभार व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा, ''रोटरी में किसी भी तरह की कोई बाधा नहीं हैं। भारत में यह रोटरी का शताब्दी महोत्सव है, आइये मिल कर हम सब इसे मनाएं।'' वह भाग्यशाली हैं कि उन्हें 20 पूर्व अध्यक्षों का भरपूर सहयोग मिला था; ''मेरा सौभाग्य है कि मैं 100 वां अध्यक्ष हूं, हमारे क्लब में सभी 99 अध्यक्ष श्रेष्ठ थे और मैं उन सभी का नाम बता सकता हूं, लेकिन कृपया मुझसे पहेली मत पूछना!''

उन्होंने कहा कि कोलकाता के रोटरी सदन में ''हमारे द्वारा प्रायोजित सभी 28 क्लबों के नाम अंकित हैं ताकि लोग दुनिया के इस भाग में रोटरी से जुड़ने के लिए हमारे सामर्थ्य और विस्तार के बारे में जान सकें।'' उनकी टीम पहले कोलंबो की यात्रा कर के आ चुकी थी और 16 से 21 अक्टूबर को शंघाई जा रही थी, जहाँ रो क्लब शंघाई भी रोटरी के 100 साल का जश्न मना रहा था, हालांकि यह लगातार अस्तित्व में नहीं रहा था, बंद होने के बाद फिर से शुरू हुआ था।

शताब्दी समिति के अध्यक्ष सौमेन रे ने कहा कि रो क्लब कलकत्ता ने पहले क्लब, लाहौर को प्रायोजित किया था। यहां हॉल में कई ऑक्टोजेनेरियन (अस्सी वर्ष पुराने) क्लब थे जैसे कि जमशेदपुर, 1936 में प्रायोजित;

सिटी ऑफ़ जॉय में रोटरी इतिहास

क्लब के अध्यक्ष पूर्णेंदु रॉय चौधरी और सौमेन रे ने PRIP कल्याण बेनर्जी को क्लब बुलेटिन The Chaka पेश किया।

रोटरी क्लब कलकत्ता के शताब्दी समारोह को संबोधित करते हुए, PRIP कल्याण बेनर्जी ने कहा कि क्लब के रोटेरियनों के साथ समारोह की तैयारी करते हुए उन्होंने रोटरी के इतिहास का उल्लेख किया था और ''मैंने पढ़ा था कि 1919 में स्टील का काम करने वाले एक प्रवासी व्यापारी आरजे कूम्बस अमेरिका की व्यावसायिक यात्रा के बाद कलकत्ता लौट आए थे, रोटरी मुख्यालय से कलकत्ता में एक क्लब की स्थापना के अधिकार सहित।'' उन्होंने अपने कुछ यूरोपीय दोस्तों की रूचि जगाई ज़्यादातर फ्रीमेसन्स, और एक लंच बैठक में, लगभग 45 व्यक्तियों के साथ, कलकत्ता में रोटरी क्लब की स्थापना के लिए एक औपचारिक प्रस्ताव पारित किया गया था। डॉ विलियम विलोबी कैनेडी, एक फिजिशियन और सर्जन इसके पहले अध्यक्ष बने।

रो जेम्स डेविडसन की लिखी किताब *मेकिंग न्यू फ्रेंड्स* से उद्धृत करते हुए, स्वेज के पूर्व में नए रोटरी क्लबों की स्थापना के लिए निकले मध्य और सुदूर पूर्व की उनकी रोटरी यात्रा पर, बैनर्जी ने 23 अगस्त, 1928 को कहा था कि, मॉन्ट्रियल से रवाना हुए जहाज डचेज़ ऑफ एथोल पर, रोटरी इंटरनेशनल के मानद जनरल कमिशनर डेविडसन के साथ उनकी पत्नी और बेटी भी मौजूद थी। रोटरी इंटरनेशनल के तीन साल के मिशन के दौरान, लंदन और टोक्यो के बीच उन्होंने स्टीमर से यात्रा की थी, करीब 2,000 व्यापारियों और पेशेवर पुरुषों से मुलाकात करी और उन्हें रोटरी और इसके सिद्धांतों के बारे में बताया।

कलकत्ता में, डेविडसन ''इंग्लिश चैनल और चीन सागर के बीच हमारे युवा अंतरराष्ट्रीय संगठन की एकमात्र संतान'' से बहुत प्रभावित हुए, हजारों, हजारों मील तक कोई अन्य रोटरी संपर्क नहीं था और इसको अस्तित्व में आये नौ साल से ऊपर हो गए थे लेकिन किसी भी रो ई प्रतिनिधि ने यहां का दौरा नहीं किया था। उन्होंने अपनी आधिकारिक रिपोर्ट में रो ई से कहा: ''रोटरी क्लब कलकत्ता को देख कर मुझे आश्चर्य हुआ और मेरे भीतर रोटरी के लिए गर्व की

भावना जाग्रत हुई। कलकत्ता में रहने वाले एकमात्र जीवित चार्टर सदस्य और अभी भी शक्ति के स्तम्भ, रो डब्ल्यू के बैटी ने, क्लब की 10 वीं वर्षगांठ समारोह में बोलते हुए, इसे 'एक बहुत ही छोटा शिशु बताया, जिसका कई बार लगता था कि पोषण की कमी से इसका अंत हो सकता था।' उन्होंने एक यादगार बैठक का ज़िक्र किया जिसमें केवल पाँच लोग मौजूद, उनमें भी दो मेहमान थे!''

लेकिन, शहर में एक प्रमुख चैरिटी कार्यक्रम को ज़ोरदार समर्थन मिला। डेविडसन लंच के उन दो मौकों पर प्रसन्न था, ''खुशनुमा माहौल में वहां यूरोपीय और भारतीय सदस्यों के बीच बढ़िया फेलोशिप थी, अब करीब 80 हैं।'' उन्होंने क्लब द्वारा समाज के लिए की गई ''कई सेवाओं का उल्लेख किया और उनके यहां आ चुके आगंतुकों की लंबी सूची, भारत के प्रतिष्ठित और शक्तिशाली पुरुषों का रोस्टर है, यूरोपीय और भारतीय दोनों, जिनमें कई वायसराय हैं, उन में विशाल ह्रदय व्यक्ति, लार्ड इरविन भी शामिल हैं।''

निश्चित ही, 1928 में, तब तक गांधीजी राष्ट्र के पिता नहीं बने थे और उन्हें 'महात्मा' की उपाधि नहीं मिली थी। लेकिन ये सच है कि सितंबर 1925 में गांधीजी ने रोटरी क्लब कलकत्ता में 'चरखे के आर्थिक और आध्यात्मिक मूल्य' पर एक बैठक को संबोधित किया था!''

डेविडसन की ओर वापस लौटते हुए, उन्होंने कहा कि उन्हें यह जानकर खुशी हुई कि क्लब के सदस्यों में 30 भारतीय थे, अध्यक्ष सहित, ''सुसंस्कृत और शिष्ट व्यक्तित्व के धनी रोटेरियन अब्दुल अली। उनके उत्तराधिकारी *रहे स्टेट्समैन* के संपादक अल्फ्रेड वॉटसन।''

उस डेविडसन की नज़र पैनी थी ये एक व्यक्ति के चयन से साबित होता है ''एक उत्साही, अत्यधिक सुविज्ञ भारतीय सदस्य, एन सी लाहिड़ी, जिन्होंने वर्षों तक कई पदों पर निष्ठापूर्वक क्लब की सेवा की है, जैसे सचिव, कोषाध्यक्ष, उच्च कोटि की क्लब की उत्कृष्ट साप्ताहिक पत्रिका - द चाका के संपादक, और विभिन्न समितियों पर। बनर्जी ने कहा, यह स्पष्ट है कि लाहिड़ी में रोटरी की अलख पहले से ही लग चुकी थी, जिन्होंने कालान्तर में 1961-62 में रोटरी इंटेरनेशनल के पहले भारतीय अध्यक्ष के रूप में अपनी सेवाएं दीं। और आपकी पत्रिका द चाका अभी भी चल रही है।''

तब से, भारत ने रो ई को दो अध्यक्ष और दिए हैं, दोनों का सम्बन्ध कोलकाता से है - राजेंद्र साबू और कल्याण बेनर्जी। ''निदेशक सुशील गुप्ता को 2020-21 में चौथे रो इ अध्यक्ष के रूप में सेवा देने के लिए चुना गया था। दुर्भाग्य से, उनकी अप्रत्याशित बीमारी ने उन्हें इस ज़िम्मेदारी से हटने के लिए मजबूर कर दिया। लेकिन हम प्रार्थना करते हैं कि वह अपनी तंदुरुस्ती फिर से हासिल करें और जल्द ही रोटरी में वापस लौटें। और अब, एक बार फिर 2021 -22 में सेवाएं देने के लिए कोलकाता से अपने शेखर मेहता रोटरी के विश्व अध्यक्ष है। खैर, लगता है कि कोलकाता ने वास्तव में रोटरी नेताओं की एक अद्भुत श्रंखला का निर्माण किया है; शायद इसका सम्बन्ध यहाँ की पवित्र गंगा नदी से हो!''

मजाक करते हुए उन्होंने कहा ''मैंने सुना है कि कुछ रोटेरियन कोलकाता में बसने की योजना बना रहे हैं, कि इस धारणा और विश्वास के साथ कि यदि आप रोटरी की सीढ़ी के शीर्ष पर पहुंचना चाहते हैं, तो चढ़ाई शुरू करने के लिए कोलकाता बिलकुल उपयुक्त शहर है।''

बनर्जी ने कहा कि रो इ अध्यक्ष रहते हुए उन्हें अमेरिका से बाहर कई प्रतिष्ठित क्लबों के शताब्दी समारोह में भाग लेने का अवसर मिला - आयरलैंड में बेलफ़ास्ट, यूरोप का पहला रोटरी क्लब, उसके बाद रोटरी क्लब ऑफ लंदन और रोटरी क्लब ऑफ बर्मिंघम, दोनों ब्रिटेन में। ''लेकिन कहीं भी रोटरियनों को उतना संतुष्ट और शांत कहीं नहीं पाया, जितना यहां कलकत्ता में देखा, जहाँ आप सभी अपने क्लब को ले कर संजीदा हैं, इससे भरपूर लगाव और स्नेह करते है। ये लगाव सदैव बना रहे।''

सितंबर 1925 में गांधीजी ने रोटरी क्लब कलकत्ता में 'चरखे के आर्थिक और आध्यात्मिक मूल्य' पर एक बैठक को संबोधित किया था!

ढाका (1937); और लखनऊ (पूर्व प्रधानमंत्री ए बी वाजपेयी यहां के मानद सदस्य थे)।

अपने क्लब की कुछ महत्वपूर्ण परियोजनाओं के बारे में बताते हुए, चौधरी ने कहा कि इनमें से एक थी एनुअल चिलरेंस ट्रीट, ''जिसे हमने 1925 में शुरू किया था और यह 95 वर्षों से लगातार चल रही है। हमारे पास एक संग्रहालय भी है, जो हमारा खज़ाना है और हमारी पूर्व अध्यक्ष नंदिता सेन क्लब की पहली महिला अध्यक्ष, आज यहां मौजूद हैं, उन्होंने इसमें गहरी दिलचस्पी ली है, और पूर्व अध्यक्ष डॉ दीपक आर सर्बा धिकारी के साथ संग्रहालय की सार-संभाल करती हैं।''

अधिकाँश रोटेरियन यह नहीं जानते होंगे, लेकिन वो रो क्लब कलकत्ता ही है जिसे भारत में ब्रोकोली की खेती लाने का श्रेय जाता है; उसके बाद नीदरलैंड के रोटेरियन की मदद से भारत में दार्जिलिंग की पहाड़ियों पर जाकर शतावरी (एस्पेरेगस) की खेती का विस्तार किया है, जो इसकी खेती के लिए एक बिलकुल उपयुक्त क्षेत्र है। ''इस शहर में शतावरी की भारी मांग है,'' उन्होंने कहा।

चौधरी ने यह भी साझा किया कि 2011 में, पूर्व अध्यक्ष सौमेन रे की सक्रिय भागीदारी के

क्लब के सदस्यों ने एक स्किट का प्रदर्शन किया।

साथ, रोटेरियन्स ने भारतीय रेलवे की स्वच्छता सुविधाओं में बदलाव की वकालत भी की थी। ''परिणामस्वरूप, अधिकांश भारतीय रेलवे कोच, नियंत्रित डिस्चार्ज टॉयलेट सिस्टम और बायो टॉयलेट्स में उन्नत किये गए हैं।''

इन 100 वर्षों में, क्लब ने स्वास्थ्य सेवा, जल और स्वच्छता, साक्षरता और शिक्षा में बहुत बड़े बड़े काम किये और झुग्गियों और गांवों में अपनी परियोजनाओं के माध्यम से व्यापक पहुँच बनाई थी। अपने स्वास्थ्य आउटरीच कार्यक्रमों के माध्यम से सड़क पर रहने वाले कमजोर बच्चों के जीवन को बचाने के बाद, अब क्लब ने योजना बनाई है कि वे कचरा बीनने वाले,, दिहाड़ी मजदूर, निर्माण श्रमिकों, आदि के बच्चों की शिक्षा के लिए छोटे 'प्लेटफॉर्म स्कूल' बनाएंगे जो कालान्तर में नियमित स्कूलों में एकीकृत हो जाएंगे। ''उन बच्चों के चेहरे की चमक और ऊर्जा संक्रामक है; आपको देखना चाहिए जब वे हमसे अंग्रेजी में बात करने की कोशिश करते हैं,! हम ये सुनिश्चित करेंगे कि वे पढ़ाई करते रहें।''

क्लब की कुछेक शताब्दी परियोजनाओं में से एक है हृदय शल्य चिकित्सा परियोजना (1,000 सर्जरी), 200 आदिवासी छात्रों के लिए एक स्कूल छात्रावास, 25 गांवों को खुले शौच से मुक्त करना है ओडीएफ बनाना, एक ''प्लेटफॉर्म स्कूल'' का निर्माण, बच्चों में दृष्टीहीनता की रोकथाम, पानी, स्वच्छता और अन्य स्वास्थ्य परियोजाएं शामिल हैं।

शाम का आकर्षण एक लघु नाटिका की प्रस्तुति रही जो क्लब के गौरवशाली इतिहास का मंचन हुआ दर्शकों ने पूर्व अध्यक्षों - ब्रिटिश और भारतीय दोनों को उस अवधि की वेशभूषा में, टॉप हैट्स पहने हुए, - क्लब के समृद्ध इतिहास के कुछ महत्वपूर्ण क्षणों को फिर से जीवंत होते देखा।

100 वर्षों से की जा रही सेवा और इसके ''शानदार अस्तित्व'' की प्रशंसा करते हुए, और रो क्लब कलकत्ता के अद्भुत, भव्य 100 वें स्थापना दिवस का समारोह, जीवन में केवल एक बार मिलने वाले अवसर के लिए बधाई देते हुए, PRIP कल्याण बेनर्जी ने कहा ''भारत में रोटेरियनों का यह मानना हैं कि पहली बार भारत में रोटरी की शुरुआत 1920 में हुई। जबकि ऐसा नहीं है, रो क्लब कलकत्ता एशिया का दूसरा रोटरी क्लब था और फिलीपींस में रोटरी क्लब मनीला पहला क्लब था। लेकिन मनीला से पहले, 1919 में अपने क्लब के सदस्यों को आपने यहां एकत्रित किया था तो, संभवतः आप एशिया में पहले अस्थायी क्लब थे, चार्टर्ड होने से पहले। लेकिन ऐतिहासिक तथ्य जो भी हों, मेरे जैसे आँख मूँद कर विश्वास करने वाले के लिए, पहला कलकत्ता रहेगा, हमेशा कलकत्ता। इसलिए, जन्मदिन मुबारक!''

वो आश्चर्यचकित थे कि 100 साल पहले अपने संगठन के पहले दिन से ही, क्लब ने अपनी साप्ताहिक बैठकों को बिना नागा किये हर सप्ताह आयोजित किया था, युद्ध, हो, अकाल हो, महामारी या फिर बाढ़। क्या शानदार प्रदर्शन है!

क्लब के समृद्ध इतिहास (बॉक्स देखें) के बारे में और दिलचस्प जानकारी देते हुए, बनर्जी ने इसके सदस्यों को उनकी परियोजनाओं के लिए बधाई दी, ''जैसे आपका विशिष्ट रोटरी सदन, आपकी शानदार लाइब्रेरी; मैं उन नेताओं की बात नहीं कर रहा जो आपके क्लब ने हमें दिए हैं और न ही आपके द्वारा निरंतर प्रदान किया गया उत्कृष्ट नेतृत्व। आपकी परियोजनाएं और आपके लोग, खुद अपने आप बोलते हैं। लेकिन आपके मंडल अध्यक्ष अजय अग्रवाल और अध्यक्ष पूर्णेदु रॉय चौधरी और आपके क्लब के तक़रीबन 80-से अधिक रोटरियनों को आपके सौम्य नेतृत्व, आपकी भावनात्मक सेवा, रोटरी की परंपराओं के प्रति निष्ठावान बने रहने के अद्भुत और स्थायी दृष्टिकोण के लिए मैं धन्यवाद देना चाहता हूं।''

रोटरी इंडिया के आगामी शताब्दी वर्ष के बारे में बिना थके लगातार बात कर रहे RIPN शेखर मेहता ने कहा, दो साल से हम इस शाम का इंतजार कर रहे हैं, नियमित रूप से बैठक कर रहे हैं और मैंने हमेशा आपसे वास्तव में कुछ बड़ा करने की अपील की है और आपने इसे कितने बढ़िया तरीके से किया है। जैसा कि कल्याण दा ने कहा, पूर्णेंदु, न केवल सक्रीय है, बल्कि डायनामाइट भी है; हर जगह उसकी छाप है ... रोटरी क्लब कलकत्ता के 100 वें वर्ष के एक आदर्श राजदूत!''

मेहता ने कहा कि इस उत्सव की तरंगों की प्रतिध्वनी सम्पूर्ण भारत, बांग्लादेश और नेपाल में गूँज रही हैं। बाकी स्थानों पर, एक रोटरी क्लब के 100 साल पूरे होने पर, सिर्फ एक रात्रि भोज का आयोजन किया था, बस। लेकिन यहां, सिर्फ एक ही क्लब एक साल में ₹20 करोड़ की परियोजनाएं करने जा रहा है! यह अद्भुत है।

इन समारोहों को ले कर मंडल बेहद उत्साहित था; ''जब डीजी अजय और मैंने इसे 100 साल,

जब साधारण विवेक से टी आर एफ को 20,000 डॉलर मिले

टीआरएफ में ₹100 करोड़ देने के लिए प्रसिद्ध, रोटरी क्लब बेंगलुरु के पूर्व अध्यक्ष डी रविशंकर ने रोटरी क्लब कलकत्ता के 100 वें स्थापना दिवस पर कुछ सीधी और स्पष्ट बाते कहीं, पीआरआईपी कल्याण बनर्जी, जिनका प्रश्नोत्तर सत्र पीडीजी अनिरुद्ध चौधरी के उपरान्त था, ने टिप्पणी की ''रविशंकर को बोलते हुए सुनकर सदैव प्रसन्नता होती है; वह हमेशा साधारण विवेक की बात करते हैं जो आमतौर पर बाकी जगहों पर सुनाई नहीं देती। इसे जारी रखो रवि, तुम भारत के अंदर रोटरी में परिवर्तन ला रहे हो।''

रोटरी क्लब कलकत्ता के शताब्दी समारोह में आमंत्रित विशिष्ट अतिथि, रविशंकर ने पीडीजी अनिरुद्ध रॉय चौधरी द्वारा पूछे गए सवालों के जवाब में कहा कि उन्होंने ₹100 करोड़ देने का फैसला इसलिए किया था क्योंकि उन्हें अपने शहर (बेंगलुरु) और समाज को वापस लौटाना था, आज वो जो कुछ भी हैं इन्हीं की बदौलत है साथ ही धरती माँ की बदौलत भी। ''और मुझे लगता है कि देने के लिए सर्वश्रेष्ठ मंच रोटरी था और मैं अपने फैसले से बेहद खुश हूं।''

उनके अध्यक्षीय वर्ष में उनके क्लब ने एक सरकारी स्कूल जिसमे में160 बच्चे थे, को गोद लिया और आज उस स्कूल में 800 छात्र रहते और पड़ते है। क्लब ने कोलर में जो शहर से 60 किलोमीटर दूर है, 126 हैप्पी स्कुल की स्तापना की और एक करोड़ पेड़ रोपण करने का वचन दिया है।

जब उनकी दुखती रग के बारे में पूछा गया,शिक्षित लोग कैसे देते हैं या दान करते हैं, इस बारे में उन्होंने कहा, ''मैं शिक्षित नहीं हूं, इसलिए उन पर उंगली नहीं उठा सकता। लेकिन मुझे लगता है कि वे शिक्षित लोग, सोचते हैं कि वे उदार नहीं बन कर और उनके पास जो कुछ भी है उसे साझा नहीं करके वे अक्लमंदी का काम कर रहे हैं।''

फिर पीछे मुड़ कर उन्होंने चौधरी से पूछा ''मुझे आपके मंडल के बारे में जानकारी नहीं है। आपके पास कितने AKS सदस्य हैं?'' जब जवाब एक मिला, तो उन्होंने चुटकी ली: ''मुझे लगता है कि मैं गलत जगह पर हूं और अपना समय व्यर्थ कर रहा हूं।'' जब उन्हें टीआरएफ या प्रोजेक्ट्स के लिए एक क्लब या मंडल को धन जुटाने के लिए टिप्स देने के लिए कहा गया, उन्होंने कहा, ''मैं कोलकाता को अच्छी तरह से जानता हूं, इसने मुझे मेरी पत्नी पाओला के रूप में सबसे प्यारा तोहफा दिया है, वो लोरेटो में पढ़ी-लिखी थी, और उसी ने मुझे अंग्रेजी सिखाई, इसलिए आज मैं आपसे बात कर पा रहा हूं।'' वो जानते थे कि कोलकाता मेंबहुत सारे अमीर लोग रहते थे और श्रोताओं में भी कोलकाता के धनाढ्य वर्ग के कई लोग थे। ''उन सभी को घर जा कर चिंतन करने की ज़रूरत है कि वे समाज से कितना ले चुके हैं और जब उनका समय आएगा, वो अपने साथ क्या और कितना ले जाएंगे। ये उन्हें खुद से पूछना होगा और फैसला करना होगा।''

रविशंकर के यह कहने के तुरंत बाद, क्लब के अध्यक्ष पूर्णेंदु चौधरी ने घोषणा की कि उनके क्लब के सदस्यों में से एक, सौरव खेमानी ने AKS सदस्य बनने का निर्णय ऑन-द-स्पॉट लिया था और इस के बारे में ज़्यादा जानकारी चाहते थे। सौरव ने उसी दिन 20,000 डॉलर दान करने की घोषणा की थी। रविशंकर ने उन्हें बधाई दी और गले लगाते हुए कहा, ''आज इस आदमी ने आपके मंडल की इज़्ज़त रख ली है।''

रोटेरियन डी रविशंकर ने प्रश्नोत्तर सत्र में PDG अनिरुधा रॉय चौधरी को जवाब दिया। क्लब के अध्यक्ष पूर्णेंदु रॉय चौधरी और सौमेन रे भी चित्र में शामिल हैं।

PDG गण (मंडल 3281) सैम शोकेट हुसैन, (मंडल 3291) सोमेंद्र नंदी, PPs एस के शर्मा, नंदिता सेन, सोनल और RID कमल संघवी शताब्दी समारोह के उद्घाटन पर।

₹100 करोड़ का नाम दिया, तो जल्द ही इस आंकड़े को संशोधित कर ₹150 करोड़ करना पड़ा। और डीजी अजय से मेरी बातचीत के 15 दिनों के भीतर, मुझे एक व्यक्ति के बारे में पता चला, जिसने खुद टीआरएफ को ₹100 करोड़ दान किए थे और वो व्यक्ति (डी रविशंकर) यहां मौजूद हैं!''

जब उन्होंने अन्य मंडल अध्यक्षों से बात करना शुरू किया, तो ''तरंगों का ये प्रभाव ₹2,400 करोड़ तक पहुँच गया! हां, यह उन परियोजनाओं का मूल्य है जो इस वर्ष हमारे गवर्नर भारत में करेंगे, रोटरी के 100 साल पूर्ण होने पर।''

मेहता ने कहा कि इतनी बड़ी राशि की बात सुनकर कई लोगों को संदेह भी हुआ। लेकिन ''पिछले हफ्ते मैं एक *इग्नाइट* सत्र में डीजी से फिर से मिली; और उन्होंने दोहराया कि वे ₹2,400 करोड़ की परियोजनाएँ करेंगे। रविशंकर के मंडल अध्यक्ष (समीर हिरानी) ने भी अपने मूल आंकड़े को संशोधित कर ₹800 करोड़ से ₹1,000 करोड़ कर दिया। आप का क्लब जो कर रहा है यह उसी लहर का प्रभाव है। आपके नेतृत्व ने इसका मार्ग प्रशस्त किया है।''

इसके पश्चात मेहता ने आगामी कुछ वर्षों में रोटरी के लिए अपना दृष्टिकोण बताया; पोलियो उन्मूलन में किये अपने काम के लिए नोबेल शांति पुरस्कार के लिए प्रयास करना; रोटरी की सदस्यता को कम से कम 1.3 मिलियन तक बढ़ाना, फाउंडेशन में दान देने में नंबर 1 बनना, और रोटरी का विकास दुनिया में सबसे बड़े सेवा संगठन के रूप में करना। ''जब कल्याण रो ई अध्यक्ष थे, तो भारत को पोलियो से छुटकारा मिला था। कौन जानता है कि जब एक और भारतीय रो इ अध्यक्ष होगा, तो सम्पूर्ण विश्व को पोलियो से निजात मिल सकती है, तालियों की गड़गडाहट के बीच उन्होंने कहा, इंशा अल्लाह!

परिहास का पुट देते हुए रो ई निदेशक कमल संघवी ने कहा कि पीआरआईपी बनर्जी ने कहा था कि कल्कत्ता ने कई रो ई अध्यक्ष दिए हैं। मैं कहनाचाहूंगा ये जीन्समें है, पानी-पूरी, और झाल-मूड़ी!''

उन्होंने रो क्लब कलकत्ता को इसकी सशक्त विरासत, अतुलनीय यात्रा, संस्कृति का शानदार उत्सव मनाने के लिए बधाई दी... आपने भारत में रोटरी का पहला पृष्ठ लिखा है। यह चिंतन और समीक्षा का एक अवसर है; अतीत का जश्न मनाने के साथ, भविष्य के लिए योजना बनाना उतना ही महत्वपूर्ण है।

संघवी ने कहा कि ''आज की दुनिया में जहां जरूरतें कई तरह की हैं और बहुत बड़ी हैं, सेवा एक गंभीर कार्य है; यह वैसा नहीं है जिस तरह आप किसी शाम को फ़्लर्ट करते हैं।'' इसलिए उन्हें बड़े और अधिक सार्थक प्रोजेक्ट करने होंगे।

बैठक को संबोधित करते हुए रो ई मंडल 3291 से डीजी अजय अग्रवाल ने कहा कि उस शाम यादों के सफर में देखा कि जिस प्रकार हमारे जोन और भारत में जिस प्रकार रोटरी का विकास हुआ है, उसके सम्पूर्ण आशय को जब अपने भीतर समाहित कर के देखता हूँ तो रोंगटे खड़े हो जाते हैं। केवल 20 रोटेरियन से शुरुआत कर, हम लगभग 170,000 हो गए हैं, और यह सब 'ओल्ड नंबर वन' की वजह से हुआ है - रोटरी क्लब कलकत्ता को शुरुआती दिनों में इसी नाम से बुलाते थे।''

हम समझ सकते हैं इस क्लब के गठन के पीछे एक शख्स, आर जे कूम्बस ने भारत में रोटरी की स्थापना के लिए कितना काम किया होगा। अग्रवाल ने भारत में रोटेरियनों से अपने लक्ष्य और प्राथमिकताओं पर पुनर्विचार करने का भी आग्रह किया। उन्होंने कहा, ''मुझे यकीन है कि इस शताब्दी वर्ष के बाद हमारे पास महानता के 100 ऐतिहासिक वर्ष और होंगे।''

चित्र : रशीदा भगत

संस्थान का निर्माण

रोटरी फाउंडेशन को चैरिटी नेविगेटर से लगातार फोर-स्टार रेटिंग और चैरिटी-वॉच से --प्लस रेटिंग के साथ दुनिया भर में सबसे प्रभावी और अच्छी तरह से प्रबंधित चैरिटेबल संगठनों में से एक के रूप में मान्यता प्राप्त है। हम जानते हैं कि फाउंडेशन रोटेरियन को दुनिया भर में अच्छे कार्य करने में मदद कर रहा है, लेकिन इसके काम दायरा निर्धारित करना मुश्किल हो सकता है। इसलिए हमने रोटेरियन की उदारता और फाउंडेशन द्वारा समर्थित अच्छे कामों के बारे में बताने हेतु 2018-19 से 2014-15 तक पिछले पांच वर्षों के कुछ आंकड़ों को एक साथ दर्शाया है। नवंबर का महीना 'रोटरी स्थापना माह' है; योगदान करने हेतु *rotary.org/donate* पर जाएं।

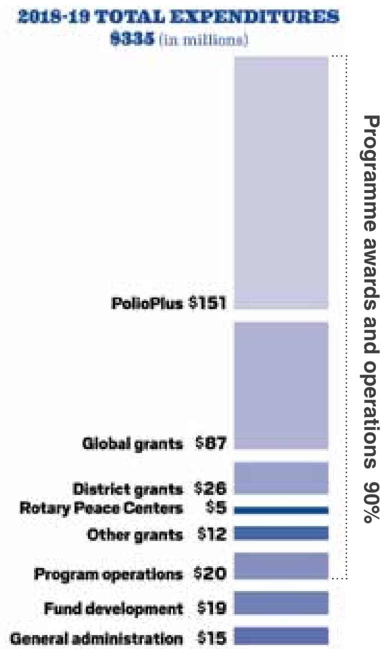

FIVE YEARS OF GLOBAL GRANTS BY AREA OF FOCUS

Area of focus	Total funding
Basic education and literacy	$53,261,360
Community economic development	$54,118,305
Disease prevention and treatment	$151,761,859
Maternal and child health	$35,233,163
Peacebuilding and conflict prevention	$18,659,168
Water, sanitation, and hygiene	$100,657,464

© The Rotarian

शताब्दी समारोह

रोटरी क्लब कोलकाता के पूर्व अध्यक्ष डॉ एस के शर्मा और क्लब की पहली महिला अध्यक्ष नंदिता सेन।

DG अयज अग्रवाल और उनकी पत्नी ममता RID कमल संघवी के साथ।

ऊपर : सोनल संघवी, राशी और RIPN शेखर मेहता।

बाएं : रोटरी क्लब कोलकाता के अध्यक्ष पूर्णेन्दु राय चौधरी (बाएं) और PRIP कल्याण बेनर्जी (बाएं से पांचवे) लखनऊ के रोटेरियनों के साथ।

रोटरी क्लब बेंगलोर आर्चार्डस् के पूर्व अध्यक्ष डी रविशंकर PRIP बेनर्जी से बातचीत करते हुए।

RIPN मेहता के साथ PDG सोमेन्द्र चन्द्र नंदी और रोटरी क्लब कोलकाता के सचिव अनुसौ दास।

ऊपर : रोटेरियन बनी राय चौधरी (पूर्णेन्दु की माताजी) PRIP बेनर्जी के साथ बातचीत करते हुए।

बाएं : रोटेरियन सौमेन रे और रोटरी क्लब कोलकाता की अध्यक्ष पूर्णेन्दु राय चौधरी रोटरी क्लब कोलकाता द्वारा प्रायोजित एक क्लब को सम्मानित करते हुए।

पूर्णेन्दु चौधरी और राशी मेहता डाखा के रोटेरियनों के साथ।

चित्र : रशीदा भगत

न्यासी प्रमुख रो ई मंडल 3201 में सेवा परियोजनाओं का निरीक्षण करते है

रशीदा भगत

राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को वांछित स्तर तक ले जाने एवं सरकारी क्षेत्र में सुविधाओं को उन्नत बनाने के उद्देश्य से परिष्कृत उपकरणों को हासिल करने के हमारे प्रयास में, किसी भी अन्य स्वयंसेवी संगठन के मुकाबले रोटरी हमारी अधिक मदद कर रही है,'' केरल की स्वास्थ्य मंत्री के के शैलजा ने कहा।

एक मलेशियाई क्लब के साथ रोटरी क्लब कोचीन साउथ, रोई मंडल 3201, द्वारा एक वैश्विक अनुदान के माध्यम से ₹3 करोड़ से अधिक की लागत से एर्नाकुलम जनरल हॉस्पिटल में लगाए गए सीटी सिम्युलेटर और डोसिमेट्री इकाई (सीटी स्कैन प्रणाली का एक आधुनिक संस्करण) जैसे कुछ उपकरणों का उद्घाटन करते हुए, उन्होंने कहा कि भारत सरकार द्वारा स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए निश्चित की गई धनराशी, जो कि सकल घरेलु उत्पाद का दो प्रतिशत है, जिसमें से केरल को उसका उचित हिस्सा मिल रहा है, जनसंख्या की स्वास्थ्य जरूरतों की पूर्ती के लिए पर्याप्त नहीं है। और यह बात विशेषरूप से उन वर्गों के लिए सही है जो पूर्ण रूप से सरकारी स्वास्थ्य सुविधाओं पर आश्रित होते है।

''केरल सरकार हमेशा सरकारी अस्पतालों को मरीज़ों के अनुकूल बनाने, उन्हें उच्च तकनीकी केन्द्रों में परिवर्तित करने एवं गरीबों का जेब-खर्च कम करने का प्रयास करती है। बेशक, भारत सरकार नई स्वास्थ्य पहलों की घोषणा कर रही है लेकिन वित्तीय संसाधन पर्याप्त नहीं है।''

रोटरी को, विशेषकर डीजी माधव चंद्रन को धन्यवाद देते हुए जिन्होंने मानसिक स्वास्थ्य, कैंसर की पहचान, आँखों की देखभाल, इत्यादि, जैसे क्षेत्रों में उनके विभाग की मदद की, उन्होंने रोटेरियनों से आग्रह किया कि वे प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों को पारिवारिक स्वास्थ्य केन्द्रों में परिवर्तित करने के उनकी सरकार के विशाल कार्य में उनको सहयोग प्रदान करें। साथ ही उन्होंने रोटेरियन नवास मीरन (ईस्टर्न कांडिमेंट्स के अध्यक्ष) और कोचौसेफ चित्तिलापिल्ली (वी-गार्ड के अध्यक्ष), दोनों एकेएस सदस्य, का धन्यवाद किया जिनके टीआरएफ में

(बाएं से) केरल के स्वास्थ्य मंत्री के के शैलजा, PDG जॉन डैनियल, ट्रस्टी चेयर गैरी हुआंग, पूर्व - MP राजीव, हीबी ईडन - वर्तमान MP, ट्रस्टी गुलाम वाहनवती, कोरिन्ना, DG माधव चंद्रन, AKS सदस्य कोचसॉफ चिट्टिलापिली, नवास मीरान और DRFC आर जयसंकर।

*रोटरी द्वारा निर्मित घर का दौरा करते हुए ट्रस्टी चेयर गैरी, कोरिना, ट्रस्टी वाहनवती, **DG** माधव चंद्रन और **PDG** ए वी पाथी।*

हम कॉर्पोरेट क्षेत्र के साथ साझेदारियाँ करने के लिए तैयार है और हम आपकी मदद के लिए भी आभारी रहेंगे।

के के शैलजा
केरल स्वस्थ्य मंत्री

दिए गए उदार दान के कारण ही यह परियोजना सफल हो पाई। उन्होंने एर्नाकुलम एवं उसके अलावा अन्य स्थानों के सरकारी अस्पतालों में कार्डियक सर्जरी, नेफ्रोलॉजी, इत्यादि जैसी अधिक सुपर स्पेशियलिटी सुविधाओं को शुरू करने के लिए सीएसआर कोष के माध्यम से उनका और अधिक सहयोग माँगा। हम कॉर्पोरेट क्षेत्र के साथ साझेदारियाँ करने के लिए तैयार है और हम आपकी मदद के लिए भी आभारी रहेंगे। जैसा कि आप जानते है, बाढ़ ने केरल के बहुत से प्राथमिक स्वास्थय केन्द्रों को प्रभावित किया है। आइये मिलकर उन्हें पारिवारिक स्वास्थ्य केन्द्रों के रूप में पुनर्निर्मित करें, विशेषकर उत्तरी केरल में क्योंकि वहाँ हमारे पास अधिक मात्रा में बड़ी कंपनियां नहीं है।''

स्वास्थ्य देखभाल पर टीआरएफ का ध्यान

नए उपकरणों का उद्घाटन करते हुए, न्यासी प्रमुख गैरी हांग ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं को उन्नत बनाने हेतु टीआरएफ को केरल सरकार के साथ साझेदारी करके प्रसन्नता हुई क्योंकि यह रोटरी के प्रमुख ध्यानाकर्षण क्षेत्रों में से एक है। ''हमने दुनिया से पोलियो को खत्म करने के लिए कड़ी मेहनत की है और हम इसे 99.9 प्रतिशत तक मिटाने में सफल रहे है।''

उन्होंने आगे कहा कि रोटरी में रोगों की रोकथाम और बीमारियों का उपचार एक ऐसा क्षेत्र है जिसने सबसे ज्यादा निधीयन को आकर्षित किया है और एक बड़ी मात्रा में रोटरी की परियोजनाएं निवारक स्वास्थ्य के साथ-साथ बीमारियों के इलाज पर केन्द्रित है। ''हमारे वैश्विक अनुदान उपकरणों की खरीद, गैर-संक्रामक एवं संक्रामक रोगों का उपचार, जीवन-रक्षक सर्जरियों, डॉक्टरों एवं अन्य चिकित्सीय कर्मचारियों के प्रशिक्षण के साथ-साथ और भी बहुत सी पहलों को सम्मिलित करते है।''

केरल सरकार के साथ एक ऐसी अद्भुत साझेदारी करने के लिए उन्होंने

लाभार्थियों के साथ ट्रस्टी चेयर गैरी, कोरिन, ट्रस्टी वाहनवती और DG माधव चंद्रन।

डीजी चंद्रन एवं कोची के रोटेरियनों को बधाई दी, और उनसे हमारे समुदायों में स्थायी परिवर्तन लाने के लिए कड़ा परिश्रम करते रहने का आग्रह किया।

सभा को संबोधित करते हुए, टीआरएफ न्यासी गुलाम वाहनवटी ने कोची के साथ उनके पुराने संबंध को याद किया और कहा कि स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने एवं लोगों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य देखभाल प्रदान करने के प्रयास में केरल सरकार के साथ जुड़कर टीआरएफ बहुत प्रसन्न है। उन्होंने मंत्री शैलजा को आश्वस्त किया कि यह सहयोग बरकरार रहेगा।

वाहनवटी ने कहा कि वह 4-मार्ग साझेदारी से अत्यंत प्रभावित है जिसके तहत केरल में ये सेवा परियोजनाएं की जा रही है - सांसदों, चित्तिलाप्पिल्ली और मीरन जैसे उद्योगों के चैंपियन, स्थानीय रोटेरियन और टीआरएफ की भागीदारी। समुदाय में परिवर्तन लाने के लिए ये सभी एक साथ आये है। ''मैं आशा करता हूँ कि यह साझेदारी बनी रहे; केरल में आपने जो भी हासिल किया उस पर आपको गर्व होना चाहिए। भारत का कोई भी राज्य केरल के स्वास्थ्य मापदंडों की बराबरी नहीं कर सकता, जहाँ शिशु मृत्यु दर, उदाहरण के लिए, यूएस से भी बेहतर है। इसलिए, आपकी प्राथमिक, माध्यमिक एवं तृतीयक स्वास्थ्य सेवा शेष भारत द्वारा अनुसरण किये जाने हेतु एक बढ़िया उदाहरण है। लेकिन निश्चित तौर पर, हमें हमेशा सुधार करने की आवश्यकता होती है, और उस सुधार में आपकी सहायता करने के लिए हम हमेशा सबसे आगे रहेंगे।''

उन्होंने आगे कहा कि पिछले वर्ष, विनाशकारी बाढ़ के बाद, रोटरी ने घरों का पुनर्निर्माण करने हेतु अनेक संगठनों के साथ साझेदारी की। एस्टर ग्रुप के साथ 75 घरों के पुनर्निर्माण के लिए एक ऐसी ही साझेदारी की गई।

इस वैश्विक अनुदान परियोजना में काम करने के उनके अनुभव को वर्णित करते हुए, डीजी चंद्रन ने कहा, ''इस परियोजना पर काम करने के दौरान, रोटरी के साथ काम करने में इन डॉक्टरों ने जो उत्साह एवं प्रतिबद्धता दिखाई वह उल्लेखनीय थी, और इस बात पर विश्वास करना मुश्किल था कि यह सिर्फ एक सरकारी अस्पताल है।''

उन्होंने घोषणा की कि अगली परियोजना जिस पर रोटेरियन काम कर रहे है वह उसी अस्पताल में एक उपशामक देखभाल केंद्र स्थापित करने की है जिससे कि उपचार के बाद या गंभीर रूप से बीमार उन मरीज़ों की मदद की जा सकेगी जिनकी देखभाल करने वाला कोई नहीं है। इन परियोजनाओं में उनकी भागीदारी के

इस परियोजना पर काम करने के दौरान, रोटरी के साथ काम करने में इन डॉक्टरों ने जो उत्साह एवं प्रतिबद्धता दिखाई वह उल्लेखनीय थी, और इस बात पर विश्वास करना मुश्किल था कि यह सिर्फ एक सरकारी अस्पताल है।

डी जी माधव चन्द्रन

लिए उन्होंने अस्पताल अधीक्षक एवं डॉक्टरों के दल का धन्यवाद किया। एक गैर सरकारी संगठन एवं सरकार के एक साथ काम करने के लिए हमने एक मील का पत्थर स्थापित किया है; चलिए हम और भी बड़ी और बेहतर परियोजनाएं करते है,'' उन्होंने आगे कहा।

अस्पताल परियोजना की उत्पत्ति के बारे में बताते हुए, अल्जीयर्स खालिद ने कहा कि एर्नाकुलम सरकारी अस्पताल से कोई व्यक्ति मीरन, रोटरी क्लब कोचीन साउथ के एक सदस्य, के पास उपकरणों के उन्नतीकरण के लिए आया और उन्होंने अपनी सहमति व्यक्त की। लागत ₹2 करोड़ के आसपास आई। ''हमने उन्हें सलाह दी कि यदि वह टीआरएफ में पैसा दान करते है तो हम एक वैश्विक अनुदान के माध्यम से उसमें वृद्धि कर सकते है।''

रो ई मंडल 3201 के संस्थान प्रमुख आर. जयशंकर ने आगे कहा, ''जब हमने उनसे यह कहा, तो उन्हें राज़ी होने के लिए 15 सेकंड भी नहीं लगे और वह एक एकेएस सदस्य बन गए। आखिरकार, परियोजना की लागत ₹3.5 करोड़ के ऊपर आई, और धनराशी में आई कमी के एक हिस्से की पूर्ती चित्तिलिप्पिळी, मंडल के एक अन्य एकेएस सदस्य, द्वारा दिए गए मियादी दान द्वारा की गई। परियोजना की अंतिम लागत 497,000 डॉलर थी।''

विनाशकारी बाढ़ के बाद, रोटरी ने घरों का पुनर्निर्माण करने हेतु अनेक संगठनों के साथ साझेदारी की।

मंत्री शैलजा द्वारा कॉर्पोरेट से की गई अपील का उत्तर देते हुए, मीरन ने कहा कि वह स्वास्थ्य क्षेत्र में सरकार के साथ भविष्य में साझेदारियाँ करने के लिए तैयार है। ''आपने प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों को पारिवारिक केन्द्रों में तब्दील करने की अपील की है और इस काम को करने के लिए मैं आपको मेरे समर्थन का आश्वासन देता हूँ।''

कम-लागत वाले आश्रय

दिन के बाद में, न्यासी प्रमुख गैरी ने कम-लागत वाले आश्रयों में से एक की आधारशिला रखी जिन्हें मंडल 3201 के कुछ क्लब केरल के बाढ़-पीड़ितों के लिए बना रहे है। एस्टर ग्रुप के अलावा, अटोस इंडिया ने भी बाढ़-पीड़ित केरल में कम-लागत वाले आश्रयों को बनाने के लिए रोई मंडल 3201 के साथ साझेदारी की है।

रोटरी क्लब कोची सेंट्रल के तत्काल पूर्व अध्यक्ष बिजु जॉन द्वारा दिखाई गई अत्यंत रूचि के कारण, यह उन 11 घरों में से एक है जिसे क्लब बाढ़ पीड़ितों के लिए बना रहा है। ''इस कार्यक्रम में आप उन्हें कहीं भी आगे नहीं पाएंगे। लेकिन उन्होंने सबसे बुरी तरह प्रभावित लाभार्थियों की पहचान करने के लिए 10,000 किमी की यात्रा की और उन्होंने एक निधि-संग्रह अभियान की भी अगुवाई की जिसके परिणामस्वरूप 1 करोड़ की राशी इकठ्ठा हो पाई,'' रोटरी क्लब कोचीन सेंट्रल के सदस्यों में से एक ने कहा।

मैंने उनका पता लगाया और एकांत में रहने वाले उस पूर्व अध्यक्ष से बात की, जिन्होंने मुझे बताया कि यह विशेष घर एक ऐसी महिला

रोटरी क्लब कोची सेंट्रल के तत्काल पूर्व अध्यक्ष बिजु जॉन ने एक निधि-संग्रह अभियान की भी अगुवाई की जिसके परिणामस्वरूप 1 करोड़ की राशी इकठ्ठा हो पाई।

के लिए बनाया जा रहा है जिनके पति एक गैस धमाके में गुज़र गए और पीछे दो बच्चों को छोड़ गए। घर का क्षेत्रफल 500 वर्गफीट का होगा और वह छह महीने में तैयार हो जाएगा, उन्होंने कहा।

गैरी, वाहनवटी और चंद्रन ने रोटेरियनों द्वारा बनाये गए एक नए घर का दौरा किया और परिवार द्वारा उनका तहे दिल से स्वागत किया गया।

उन्होंने कोची में दो अन्य वैश्विक अनुदान परियोजनाओं का मुआयना किया - एक नेत्र वैन और एक वैन में फिट किया गया एक मोबाइल मेमोग्राम जांच उपकरण।

एक सीएसआर संगोष्ठी

उस शाम को बाद में एक सीएसआर संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें रोटरी द्वारा की जाने वाली समुदायिक सेवा परियोजनाओं पर एवं सीएसआर कोषों को खर्च करने के लिए कॉर्पोरेट साझेदारियां बनाने की सम्भावना पर जागरूकता फैलाई गई। उन सेवा परियोजनाओं पर एक प्रस्तुतीकरण भी तैयार किया गया जिनमें कॉर्पोरेट साझेदारी कर सकते है।

मैमोग्राफी वैन के अंदर ट्रस्टी वाहनवती, कोरिन, ट्रस्टी चेयर गैरी और DG माधव चंद्रन।

चित्र : रशीदा भगत

आपका पैसा दुनिया को बेहतर बना सकता हैं : गैरी

वी मुत्तुकुमारन

ट्रस्टी के अध्यक्ष गैरी सी के हुआंग ने कहा कि, रोटेरियन में दुनिया को बदलने की एक विशाल क्षमता है क्योंकि वे आग आकर कार्य करने वाले लोग हैं, और उन्होंने फाउंडेशन को रोटरी द्वारा दुनिया भर में किए जा रहे कार्यों के लिए धन्यवाद दिया। ''आपके निवेश की वजह से ही फाउंडेशन का संचालन निरंतर रुप से जारी रखना संभव है। आपका डॉलर सैकड़ों स्थानों पर काम कर रहा है, मानवता की सेवा कर रहा है और दुनिया को रहने की बेहतर जगह बना रहा है।''

रोटरी क्लब मद्रास, रो ई मंडल 3232 के सदस्यों को संबोधित करते हुए, उन्होंने एक उदाहरण का हवाला देते हुए कहा कि, रोटेरियन ज्ञात हुए कि ब्राजील में शिशु मृत्यु दर राष्ट्रीय औसत से अधिक है। उन्होंने डॉक्टरों से बात की और जल्द ही हाल ही में मां बनी महिलाओं के लिए ICU सुविधा और प्रसव पूर्व प्रशिक्षण पाठ्यक्रम शुरु किया, जिसने उस क्षेत्र में शिशु मृत्यु दर आधा हो गया। लेबनान में, रोटरी ने 19 स्कूलों में पानी की टंकियां, फ़िल्टर यूनिट्स और नल लगाए जहां के बच्चे दूषित पानी पी रहे थे। उन्होंने कहा कि, ''अब हर दिन 6,700 से अधिक बच्चों को पीने का साफ पानी उपलब्ध है। उनकी उस खुशी के बारे में सोचें कि वे अब साफ व स्वच्छ पानी पी सकते हैं।'' WASH इन स्कूल्स (WinS) परियोजना भारतीय विद्यालयों में शुरु किया गया एक मॉडल है जिसे दुनिया के बाकी हिस्सों में भी शुरु किया जा सकता है।

ट्रस्टी गुलाम वाहनवती ने कहा कि रोटरी क्लबों को अधिक महिला सदस्यों को शामिल करके अपने लिंग संतुलन को संतुलित बनाने हेतु सक्रिय होना चाहिए और क्लब की रूपरेखा उन समुदायों के अनुरुप होनी चाहिए, जिसमें यह स्थित हो। उन्होंने कहा, ''रोटरी क्लब मद्रास और बॉम्बे, जिनसे मैं संबंधित हूं, दोनों एक मजबूत साझेदारी साझा करते हैं क्योंकि दोनों ही अपनी स्थापना के 90वें वर्ष का जश्न मना रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि, ''जहां मद्रास क्लब ने टीआरएफ को 260,000 डॉलर दिए हैं और पिछले वर्ष वैश्विक अनुदान परियोजनाओं के लिए 248,000 डॉलर प्राप्त किए, वहीं बॉम्बे क्लब ने टीआरएफ को 870,000 डॉलर दिए हैं और इसी अवधि (2018-19) में GG परियोजनाओं के लिए 1.2 मिलियन डॉलर प्राप्त किए हैं। टीआरएफ को दान के अलावा, यह आवश्यक है कि रोटेरियन समुदाय की परियोजनाओं को अनुदान देने हेतु फाउंडेशन के पोलियो फंड और वार्षिक कोष में योगदान करें।

ट्रस्टी चेयर गैरी हुआंग और कोरिन End Polio Now Flame का लॉंच करते हुए। चित्र में (बाएं से) एन के गोपीनाथ, एस एन श्रीकान्त, PRID पी टी प्रभाकर, TRF ट्रस्टी गुलाम वाहनवटी, रोटरी क्लब मद्रास अध्यक्ष आर विजया भारती, DRFC एम अम्बलवानन, शेश साई के सचिव और राजेश सोमसुन्दरम भी शामिल हैं।

बाएं से : जॉर्ज बी चेरियन, ट्रस्टी गुलाम वाहनवटी, PDG जे बी कामदार, रंजीत प्रताप, ट्रस्टी चेयर गैरी हुआंग, रोटरी क्लब मद्रास अध्यक्ष आर विजया भारती और सचिव शेश साई।

तकनीकी प्रशिक्षण केंद्र

वैश्विक अनुदान और रो ई मंडल 7570, यूएस और इसके चार क्लबों के समर्थन के माध्यम से गुम्मीडिपुंडी में बॉयज़ टाउन में तकनीकी प्रशिक्षण केंद्र (टीटीसी) स्थापित किया जाएगा। आईपीपी रंजीत प्रताप ने कहा कि ''हमने ग्रामीण परिवारों के निःशक्तजन बच्चों को शिक्षित, प्रशिक्षित, रोजगार और सशक्त बनाने हेतु वैश्विक गैर सरकारी संगठन, वर्थ ट्रस्ट के साथ समझौता किया है। दो साल की आवासीय टीटीसी टर्नर और मशीनिस्ट ट्रेड में बच्चों (16-30 वर्ष) को प्रशिक्षण देगी जिससे उन्हें सुरक्षित नौकरी मिलने में मदद होगी।''

टीटीसी परियोजना में 78,690 डॉलर के टीआरएफ योगदान सहित 327,260 डॉलर का खर्च आया। उन्होंने कहा कि, ''हमें PDG जे बी कामदार द्वारा 50,000 डॉलर की सीड फंडिंग और क्लब के अध्यक्ष डॉ विजया भारती द्वारा महत्वपूर्ण दान के साथ परियोजना को संचालन करने में मदद मिल रही है।''

गैरी ने अब तक टीआरएफ को 500,000 डॉलर से अधिक का दान देते हुए एकेएस-लेवल 2 में शामिल होने के लिए कामदार और एम श्रीनिवासन को क्लब में 25 वर्ष पूरे करने पर अभिनंदन किया। इससे पहले डॉ विजया ने आरसीएम की कुछ प्रतिष्ठित परियोजनाओं जैसे कि मिड-डे मील योजना (1971); रोटरी नगर (1943-45); और 3-एच परियोजनाओं का उल्लेख किया, जो पानी, स्वच्छता और सफाई; शिक्षा और सशक्तिकरण हेतु व्यावसायिक प्रशिक्षण पर केंद्रित थीं। चेन्नई में उपनगर, शोलिंगनल्लूर के पास ₹50 लाख की लागत से 105 एकड़ में फैली सूखा झील का पुनर्जीवित किया गया, जिससे आसपास के 5,000 परिवारों को फायदा हुआ; जबकि बाहरी इलाके में तांबरम के पास एक अन्य सूखी झील (60 एकड़) को ₹40 लाख की लागत से पुनर्जीवित किया जा रहा है। ''जुलाई 2020 तक पूरा हो जाने के बाद, झील 50,000 से अधिक लोगों को लाभान्वित करेगी।''

> **रोटरी क्लबों को अधिक महिला सदस्यों को शामिल करके अपने लिंग संतुलन को संतुलित बनाने हेतु सक्रिय होना चाहिए और क्लब की रूपरेखा उन समुदायों के अनुरूप होनी चाहिए, जिसमें यह स्थित हो।**
>
> **ट्रस्टी गुलाम वाहनवटी**

उन्होंने कहा कि 104 अनाथ छात्रों के साथ गुम्मीडिपुंडी में स्थित बॉयज टाउन पिछले 35 वर्षों से उन्हें सुरक्षित निवास, भोजन और व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान करता आ रहा है। प्रशिक्षित महिलाओं द्वारा संचालित पिंक कैब कॉल टैक्सी सेवाओं की पेशकश करेगी, जो महिलाओं को सशक्त बनाने हेतु आरसीएम की एक और पहल होगी।

2014-15 में अपने सफल संचालन के बाद रोटरी पोलियो मुक्तिकरण की ज्योति को फिर से पुनर्जीवित किया जा रहा है, जब 35 देशों से गुजरते हुए पोलियो मुक्त भारत का निर्माण किया गया था, तब गैरी रो ई मंडल के अध्यक्ष थे। पूर्व अध्यक्ष गोपीनाथ ने कहा कि, ''इस बार कन्याकुमारी से पूरे भारत में रैली के लिए दो ज्योति निकाली जाएंगी, जो मई-अंत तक कश्मीर तक पहुंच जाएगी।''

''हमने के-टू-के प्रोजेक्ट को लागू करने में प्रमुख क्लब के रूप में रो ई मंडल 3232 को दो ज्योती सौंप दी है।'' के-टू-के रैली 24 अक्टूबर - विश्व पोलियो दिवस के अवसर पर कन्याकुमारी से शुरु होगी। डॉ विजया भारती, आईपीपी रंजीत प्रताप और कामदार प्रत्येक ने टीआरएफ को क्लब में गैरी की यात्रा के विशेष अवसर को चिह्नित करते हुए 15,000 डॉलर दिए। ■

पारिवारिक मौज

हैंक सार्टिन

6-10 जून को होनोलूलू में आयोजित रोटरी इंटरनेशनल कन्वेंशन में भाग लेने की योजना बनाते समय अपने बच्चों को साथ लाना न भूलें। होनोलूलू जीवन की अनमोल यादों के सृजन का एक आदर्श स्थान है जो जीवन भर आपके साथ रहेगी - और अपने बच्चों को दुनिया भर में फैले रोटरी परिवार से मिलने का अवसर देगा।

खाने और मनोरंजन पर आधारित लूआ नामक एक बड़ी पार्टी का आयोजन हवाई के लोगों की परंपरा है जो राजा काममेहा खख के समय से चली आ रही है। अधिकांश लुउस पार्टियों में, आप हुला नृत्य देखेंगे, जो पॉलिनेशियन कल्चर का हिस्सा है, जिसमें संहिताबद्ध गतिविधियों के एक निर्धारित सेट के माध्यम से कहानियां सुनाई जाती हैं। हवाई में लुउस किसी भी आगंतुक के अनुभव का हिस्सा बन गया है, और आपको होनोलूलू के आसपास काफी आकर्षक चीजें होती हुई दिखाई देंगी।

हवाई की प्राकृतिक सुंदरता पौराणिक है, और आपके परिवार को पानी का लुफ्त उठाने का अनुभव कराने का एक आदर्श तरीका है। यदि आपके परिवार को एडवेंचर पसंद है, तो आप यहां सर्फिंग का आनंद ले सकते हैं। होनोलूलू में प्रशिक्षण हेतु कई स्थान हैं। यदि आप अधिक आराम से पानी का अनुभव करना चाहते हैं, तो का-नीहो बे के प्राचीन पैच रीफ सिस्टम में कयाकिंग या स्नॉर्कलिंग कर सकते हैं।

और अगर आप और आपके बच्चे सिर्फ साथ मिलकर रेत के महल बनाना चाहते हैं, तो होनोलूलू में स्थित ओहू के समुद्र तट इसके लिए काफी प्रसिद्ध हैं। केवल, अपने साथ सनस्क्रीन पैक ले जाना न भूलें।

HONOLULU HAWAII 2020

2020 होनोलुलु कन्वेंशन में भाग लेने के लिए 15 दिसम्बर से पहल ***riconvention.org*** **पर पंजीकरण करें।**

ताइवान में एक सफल अनुदान संचय समारोह

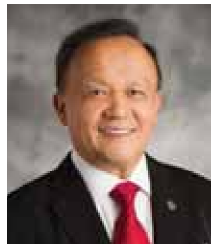

नी हाओ, रोटेरियनों!

रोटरी संस्थान के लिए हमारा पहला अनुदान संचयन कार्यक्रम हाल ही में ताइवान में हुआ और वह एक बहुत बड़ी सफलता साबित हुआ।

ताइवान एकेएस मेम्बर्स असोशिएशन ने अगस्त में ताइपे में कार्यक्रम का आयोजन किया था। हमें रोटरी क्लब बैंगलोर ऑर्चर्ड्स, भारत, मंडल 3190, के रविशंकर डकोजू के एक प्रेरक भाषण को सुनने का अवसर मिला। उन्होंने साझा किया कि क्यों वह उनके समय एवं धन का योगदान देते है - और क्यों वह एक अंगदानकर्ता है। उनकी उदारता अपूर्व है, और वह दुनिया की हर संभव तरीके से मदद करना चाहते है। उनके भाषण ने कार्यक्रम में आए सभी प्रतिभागियों के दिलों को छुआ।

यह बताते हुये हम प्रसन्न एवं सम्मानित महसूस कर रहे है कि अनुदान संचयन से कुल 5.5 मिलियन डॉलर एकत्रित हुए है। हमारे पास चेयर्स सर्कल लेवल (500,000 डॉलर से लेकर 999,999 डॉलर तक) में योगदान देने वाले 11 और ट्रस्टीस सर्कल लेवल (250,000 डॉलर से लेकर 499,999 डॉलर तक) में योगदान देने वाले 14 नए आर्च क्लंफ सोसाइटी सदस्य है। ताइवान में हमारे उदार दानकर्ताओं को धन्यवाद!

इस प्रकार के शानदार आयोजनों में, मुझे यह स्मरण कराया जाता है कि कैसे रोटरी हमें कुछ अच्छा देती है जिसे हम सभी एक साथ मिलकर कर सकते है। हमारी सेवा हमें दुनिया भर के अनेक दिलचस्प लोगों के संपर्क में रखती है। जब हम मिलते है, तो हम हर प्रकार की परियोजनाओं के बारे में सुनते है, और यह हमेशा प्रेरणात्मक होता है। और हम कभी भी एक दूसरे से सीखना बंद नहीं करते है।

इससे हमारे बच्चों को कितनी अद्भुत शिक्षा मिलती है। हम उनके साथ सदस्यता एवं अन्य लोगों के साथ नए सम्बन्धों को बनाने की महत्ता को साझा करते है। हम उन्हें यह भी बताते है कि जीवन में वास्तव में क्या महत्वपूर्ण है: सम्बन्धों को बनाना, जरूरतमन्द लोगों की ज़िंदगियाँ बेहतर बनाना, और दूसरे के लिए जो कुछ भी कर सको उसे करना। रोटरी एक परिवार के लिए सबसे अच्छी शिक्षा है।

मैं उत्सुक हूँ कि रोटरी अध्यक्ष मार्क डेनियल मलोनी ने रोटरी परिवार को प्रसारित करने को प्राथमिकता दी है। हमें अपने परिवार के सदस्यों को रोटरी कार्यक्रमों में लाना चाहिए और उन्हें इस अद्भुत संगठन का हिस्सा बनने हेतु प्रोत्साहित करने के लिए हर संभव कार्य करने चाहिए। और रोटरी संस्थान के माध्यम से, हम इन पारिवारिक सम्बन्धों को हमारी विरासत का हिस्सा बना सकते है। रोटरी के लिए आप कभी भी बहुत छोटे या बहुत बूढ़े नहीं होते है।

इसलिए रोटरी को अपना सर्वश्रेष्ठ दीजिये और और अपने परिवार को रोटरी में शामिल करने के तरीके खोजिए। यह सबसे शानदार उपहार है जिसे आप उन लोगों के साथ साझा कर सकते है जिनसे आप प्यार करते है।

गेरी सी के हुआंग

फाउंडेशन ट्रस्टी अध्यक्ष

पोलियो कोष में योगदान के लिए विशेष सम्मान

टीम रोटरी न्यूज़

धरती से 99 प्रतिशत पोलियो वायरस के खत्म होने के साथ, पाकिस्तान एवं अफ़ग़ानिस्तान में बचे हुए 1 प्रतिशत को खत्म करना अधिक कठोर साबित हो रहा है। रोटरी को निगरानी, पक्ष समर्थन और टीकाकरण में उसके प्रयासों को बढ़ाने की जरूरत है। और इन सबमें और पैसे लगेंगे।

रो ई मंडलों से उनके अप्रयुक्त डीडीएफ में से 20 प्रतिशत को पोलियो कोष हेतु दान करने के लिए कह रहा है और टीआरएफ उसका 1:1 के अनुपात में मिलान करेगा। भारतीय मंडलों में ज्यादा अप्रयुक्त डीडीएफ नहीं है। इसलिए पोलियो कोष में नकद योगदान को बढ़ाने के लिए एंड पोलियो नाउ कोऑर्डिनेटर (EPCN) सगदेवन द्वारा एक नई योजना तैयार की गई है। 1,500 डॉलर या ₹1 लाख दान करने वाले रोटेरियनों को एंड पोलियो फेलो (EPF) पिन एवं आरआईडी, टीआरएफ न्यासी, EPNC और डीजी द्वारा हस्ताक्षरित प्रमाणपत्र प्रदान किया जाएगा। सभी आरआईडी, EPNC, पीडीजी केशव कुंवर और टीआरएफ न्यासी गुलाम वाहनवटी ने इस विचार का स्वागत किया। इसे रो ई एवं टीआरएफ द्वारा स्वीकृत किया गया है। इसका हाल ही में दिल्ली में आयोजित नेशनल पोलियो मीट में रो ई मंडल भरत पांड्या और आरआईडी कमल संघवी, RIPN शेखर मेहता, PRIP राजेंद्र साबू और INPPC अध्यक्ष दीपक कपूर की मौजदगी में लोकार्पण किया गया था।

बिल और मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन 1:2 के अनुपात में योगदान का मिलान करेगा और 3,000 डॉलर या ₹2 लाख का योगदान देगा। इसलिए कुल 4,500 डॉलर या ₹3 लाख पोलियो कोष में जाएंगे। दानकर्ता *www.endpolio.org* पर या *www.rotaryfoundationindia.org* पर या *www.rotary.org* पर ऑनलाइन या रोटरी फाउंडेशन (इंडिया) के नाम पर चेक या डीडी ज़ारी करके योगदान दे सकते है। उनके योगदान की रसीद प्राप्त करने पर, दानकर्ता को कूरियर द्वारा डिस्ट्रिक्ट स्पेशल रिकग्निशन प्राप्त करने के लिए रोटरी ईपीएफ अकाउंट (खाता संख्या - 919020065960568, एक्सिस बैंक, गांधीजी रोड, इरोड। IFSC कोड - UTIB0002146) में 1,000 ट्रान्सफर करने होंगे।

मंडल गवर्नर उनके मंडलों से कम से कम 100 'एंड पोलियो फेलोस' को प्रेरित कर सकते है और PHF/MPHF में योगदान देने के लिए रोटेरियनों को या एंड पोलियो फेलो योजना में दान करने के लिए प्रमुख दानकर्ता को प्रोत्साहित कर सकते है। योगदान इस रोटरी वर्ष में एकल भुगतान या विभिन्न भुगतानों द्वारा किया जा सकता है। उनका पूरा भुगतान हो जाने पर दानकर्ताओं को सम्मान प्राप्त होगा।

जानकारी के लिए एंड पोलियो नाउ समन्वयक केशव कुंवर से: *977-9851020711/ dgkeshav1516gmail.com* और डॉक्टर सागा से: *9994477725/ pdgdrsagagmail.com* पर संपर्क कीजिये।■

बाएं से : DG गण अनीश शाह, शिवनारायणा राव, AK नटेसन, PDG सगादेवन, RID भरत पांड्या, RIPN शेखर मेहता, PRIP राजेन्द्र साबू, PDG केशव कंवर, INPPC चेयर दीपक कपूर, DG गण शिरीष केशवन, राजेन्द्र बाम्रे और सुहास वैद्या चित्र में शालि हैं।

क्लबों के बीच प्रोजेक्ट पॉजिटिव हेल्थ के लाभ का विस्तार

वी मुत्तुकुमारन

हेल्थकेयर के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन करते हुए रोटरी क्लब ने 29 सितंबर को विश्व हृदय दिवस के अवसर पर आयोजित स्वास्थ्य एवं जागरूकता शिविरों में प्रोजेक्ट पॉजिटिव हेल्थ (PPH) : स्टॉप NCD की शुरुआत की है। इस जुलाई में PPH अभियान की शुरुआत जिले के राज्यपालों द्वारा की गई, ताकि स्वास्थ्य सेवा की इस पहल को उनके क्लबों के साथ बड़े पैमाने पर शुरू किया जा सके। PDG डॉ अशोक सिंह, राष्ट्रीय समिति के सदस्य, पीपीएच ने कहा कि, ''पहले हम पुरानी बीमारियों के इलाज के लिए स्वास्थ्य और स्क्रीनिंग शिविर का आयोजन कर रहे थे। लेकिन अब PPH की शुरुआत विश्व हृदय दिवस से कर रहे हैं। अगले साल से, क्लबों में स्टॉप NCD शिविर और जागरूकता वार्ता आयोजित करने की एक संरचित प्रक्रिया होगी।

यहां स्टॉप NCD अभियानों की कुछ झलकियाँ दी गई हैं जिन्हें इस अखिल भारतीय पहल में अपनी उपस्थिति पर मुहर लगाने हेतु महानिदेशकों और क्लब अध्यक्षों के सहयोग में आयोजित किया गया था। संबलपुर, रो ई मंडल 3261 के सभी छह क्लब ब्लड प्रेशर (उच्च रक्तचाप), ब्लड शुगर (मधुमेह) और वेट-कम-हाइट इंडेक्स (मोटापा) के लिए लोगों का परीक्षण करने हेतु संस्थानों के साथ स्वतंत्र रूप से स्कूलों में पहुंचे। सिंह ने कहा कि, ''चार क्लब उच्च रक्तचाप और मधुमेह के लिए रोटेरियन डॉक्टरों, अन्य कर्मचारियों तथा अन्य कर्मचारियों के साथ संस्थानों (स्कूलों और फार्मेसी कॉलेज) में गए।'' संबलपुर में एक दिन में 300 लोगों की स्क्रीनिंग की गई।

रो ई मंडल 3030 में महाराष्ट्र को कवर करते हुए, 50 प्रतिशत से अधिक क्लब इस गतिविधि में

नीचे : RIPN शेखर मेहता और RID भरत पांड्या के साथ NCMs (बाएं से खड़े हुए) आर भरत, गिरीश गुणे, सर्बजीत सिंह, डॉ जी वी मोहन प्रसाद, जयप्रकाश व्यास, अजय नायर, सयन्तन गुप्ता, ज़मीन हुसेन और अशोक सिंह (बाएं ओर से बैठें हुए) के विजयकुमार, रवि अप्पाजी, ई के सगादेवन और इन्दुमती गोपीनाथन।

शामिल हुए, जबकि रो ई मंडल 3261 और 3262 में, 30-40 प्रतिशत क्लबों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

डी जी गोपाल खेमका, रो ई मंडल 3250 ने कहा, पटना में आई बड़े पैमाने पर बाढ़ ने एन.सी.डी. शिविरों के आयोजन में बाधा डाली, लेकिन छह क्लबों ने बाद में स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया। उन्होंने कहा, ''पटना के रोटेरियन बाढ़ राहत में सहायता करने में व्यस्त थे, लेकिन झारखंड में 40 क्लबों में से 20 क्लबों ने समुदाय की अच्छी प्रतिक्रिया के साथ NCD डिटेक्शन शिविर का आयोजन किया।''

नुक्कड़ नाटक, व्याख्यान

जमशेदपुर के सभी छह क्लबों ने इस्पात शहर में चार अलग-अलग स्थानों पर चार नैदानिक शिविरों का आयोजन किया। रोटरी क्लब जमशेदपुर, रो ई मंडल 3250 की अध्यक्ष, संगीता झा ने कहा ''हमने नुक्कड़ नाटक (नुक्कड़ नाटक) के माध्यम से रोगियों का मनोरंजन किया, जहां रोटरेक्टरों और इंटरेक्टरों ने जागरूकता नाटकों का प्रदर्शन किया; जिसमें 300 लोगों की जांच की गई।'' शहर में स्थित एक सुविधाजनक स्थान पर 'कीप योर हार्ट हेल्दी' लिखी हुई एक बड़ी होर्डिंग लगाई गयी, जिसमें ''लोगों को एक चम्मच नमक, तेल और चीनी और हम से कम चार कदम चलने की सलाह दी गई।'' डॉ विजया भारत और डॉ. मंदार शाह ने शिविरों में और बाद में रेडियो पर NCD पर जागरूकता वार्ता की।

डीजी खेमका ने कहा कि रो ई मंडल 3250 जल्द ही पटना में रोटेरियन के लिए पूरे जिले में हार्ट चेक-अप शिविर का आयोजन करेगा।

> राष्ट्रीय समिति के सदस्यों ने अपने जिलों में जनता तक पहुंचने हेतु अपने नेतृत्व कौशल और सरलता का इस्तेमाल किया था।
>
> **RID भरत पांड्या**

मल्टी-जोनल सेमिनार

आरसी श्रीविल्लिपुत्तुर ग्रीन सिटी, रो ई मंडल 3212, ने बहु-क्षेत्रीय संगोष्ठी की मेजबानी की जिसका उद्घाटन PDG के विजया कुमार ने किया। अन्य क्लब सूट का पालन करेंगे। क्लब के अध्यक्ष एस शनमुगनाथन ने कहा, PACR रोटरी ब्लड बैंक की पांच सदस्यीय टीम, राजापलायम ने प्रतिनिधियों पर बीपी, ब्लड शुगर, शरीर के वजन और लंबाई पर परीक्षण किए।''

कन्याकुमारी में, 20 क्लबों ने बड़े हार्ट अवेयरनेस रैली का मंचन किया। श्रीदेवी प्रिंस, अध्यक्ष, आरसी नागरकोइल ब्लॉसम, रो ई मंडल 3212, ने कहा, ''रोटरेक्टरों और इंटरेक्टरों और स्वयंसेवक छात्रों ने इस रैली को अपनी क्षमता दिखाने का शो बना दिया है।''

मुंबई के रोटेरियन (रो ई मंडल 3141, 3142) ने 54 शिविरों का आयोजन किया जिसमें लगभग 4,000 लोगों की स्क्रीनिंग की गई; लगभग 900 व्यक्तियों में उच्च ब्लड शुगर और बी पी की शिकायत पाई गयी। रो ई मंडल 3020 में, क्लबों ने 10,380 लोगों का परीक्षण किया, जिनमें से 4,070 में उच्च रक्तचाप, 2,340 में उच्च ब्लड शुगर और 3,010 मोटापे की शिकायत पाई गयी।

रो ई मंडल 3070, 3080 और 3090 के रोटेरियन ने मंडलों में एक बड़ी PPH पहल के हिस्से के रूप में *एक चम्मच कम* अभियान में शामिल होने का संकल्प लिया।

आइये अभियान को जारी रहने दें

पहले पैन-इंडिया ड्राइव की सफलता पर अपनी खुशी व्यक्त करते हुए रो ई मंडल भारत पंड्या ने कहा कि ''राष्ट्रीय समिति के सदस्यों ने अपने जिलों में जनता तक पहुंचने हेतु अपने नेतृत्व कौशल और सरलता का इस्तेमाल किया था। उन्होंने कहा, इस कार्यक्रम के लिए उन्होंने जो उत्साह और जुनून दिखाया, वह प्रत्यक्ष था।''

लेकिन, उन्होंने कहा कि लोगों की अस्वास्थ्यकर जीवनशैली को बदलने और उन्हें *एक चम्मच कम और चार कदम आगे* के मंत्र को अपनाने हेतु निरंतर प्रयासों की आवश्यकता है। गतिविधियों का अगला चरण 14 नवंबर को विश्व मधुमेह दिवस पर आयोजित करने की योजना है।

(डॉ विजया भारती,
रो ई मंडल 3250
से प्राप्त इनपुट्स के आधार पर)

'प्लॉगिंग' रन पर निकले

जयश्री

चेन्नई में ममल्लापुरम के तट पर प्रधानमंत्री मोदी के 'प्लॉगिंग' करने की तस्वीरें सामने आने के बाद से सोशल मीडिया पर इसका काफी सकारात्मक असर देखने को मिला और इसी को बढ़ावा देने के लिए रो ई मंडल 3232 के एनेट्स ने चेन्नई में स्वच्छता एवं प्लास्टिक विरोधी अभियान को बढ़ावा देने हेतु 'प्लॉगिंग' रन में भाग लिया। प्लॉगिंग एक स्वीडिश अवधारणा है जिसे 2016 में प्लास्टिक प्रदूषण पर बढ़ती चिंता के बाद पेश किया गया था और यह तब से यह विश्व स्तर पर फैल गई है। इसका मतलब जॉगिंग करते या दौड़ते वक्त रास्ते में पड़े प्लास्टिक के कूड़ा-कचरा को उठाना है।

महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य पर डिस्ट्रिक्ट एननेट्स काउंसिल (डीएसी) ने

एनेट्स

शहर के एनजीओ आरसी मद्रास सेंट्रल और भूमी के साथ मिलकर 2 अक्टूबर को एक कार्यक्रम आयोजित किया। लगभग 80 प्रतिभागियों या जिन्हें प्लॉगर्स के नाम से भी जाना जाता है, को एक टोपी, मास्क, दस्ताने, एक एप्रन और

एनेट्स् प्लॉगिंग के लिए तैयार।

कचरा बैग शामिल किट दिए गए। उन्हें रास्ते पर किनारे पड़े कचरे को इकट्ठा करके समुद्र तट से 3 किलोमीटर की दूरी तय करना था। एनेट्स, रोटेरियन और एन्स इस कार्यक्रम का हिस्सा थे, जिसे प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर एनेट गौरी रविकुमार ने डिस्ट्रिक्ट एनेट काउंसिल के चेयरमैन रोटेरियन आशा मरीना के समर्थन से शुरू किया था।

यह आयोजन आरसी मद्रास साउथ, चेन्नई उत्सव, पुनर्जागरण, बे वॉचर्स, आदित्य और अदम्बक्कम द्वारा सह-प्रायोजित था। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों को जलपान के अलावा प्रमाण पत्र और गुडी बैग वितरित किए गए।

आशा ने कहा कि ''यह शहर को स्वच्छ और प्लास्टिक मुक्त रखने हेतु युवाओं और जनता को जागरूक करने का जागरूकता अभ्यास है। परिषद हर महीने एनेट्स के लिए दो कार्यशालाओं का आयोजन करती है।'' उन्होंने आगे कहा कि, ''दिवाली के आसपास, हम पटाखा फोड़ने का जानवरों पर पड़ने वाले प्रभाव के बारे में लोगों को जागरूक करने हेतु एक कार्यक्रम का आयोजन करने की योजना बना रहे हैं। यह हमारी अगली परियोजना है। परिषद के कार्यक्रमों के अलावा, रोटरी क्लबों द्वारा प्रायोजित एनेट क्लब व्यक्तिगत परियोजनाओं पर भी काम करते हैं और हम उन्हें सुझावों के साथ मदद करते हैं।'' डीएसी में 40 एनेट-सदस्य हैं और इस वर्ष का नेतृत्व प्रगिष्ठा जोसेफ कर रही हैं।

आशा ने कहा कि, ''जब वे युवा हैं तो उन्हें इसमें शामिल करना आसान होता है। एनेट्स किसी भी परियोजना में शामिल होने के लिए हमेशा उत्साहित रहते हैं। उदाहरण के लिए, पिछले महीने बेकिंग वर्कशॉप एक बहुत बड़ी सफलता थी।'' उन्होंने आगे कहा, इस तरह की बातचीत युवाओं के साथ रोटरी के जुड़ाव को जीवित रखती है और जब रोटेरियन-माता-पिता किसी रोटरी गतिविधि में लगे होते हैं, तो वे खुद को बाहरी नहीं समझते हैं। ■

यह शहर को स्वच्छ और प्लास्टिक मुक्त रखने हेतु युवाओं और जनता को जागरूक करने का जागरूकता अभ्यास है।

आशा मरिना
एनेट कांउसिल चेयर

पुरुषों से मासिक धर्म की बात

किरण ज़ेहरा

दमन में एंकर पैनासोनिक इंडिया लिमिटेड के 250 पुरुषों को संबोधित करते हुए रोटरी क्लब वापी रिवरसाइड, रो ई मंडल 3060, की सदस्य डॉक्टर अमीषा मेहता ने पूछा, क्या आपको पता है आपकी पत्नी कौन सा सेनेटरी नैपकिन इस्तेमाल करती है और वो किस चीज़ से बना होता है। उन्होंने प्रोजेक्ट रेड रेवलूशन की शुरुआत की है ताकि पुरुष एवं महिलाओं दोनों को मासिक धर्म स्वछता के प्रति जागरूक किया जा सके। वह कहती है, पुरुषों से बात करना जरूरी है और इसे कम उम्र में ही शुरू किया जाना चाहिए। ''एक जानकार लड़का ही एक परवाह करने वाला बेटा, भाई और पति बनता है। कल्पना कीजिये कि वह कितना बढ़िया पिता बनेगा!''

वह कहती है कि एक औसत महिला अपने जीवन के दस साल मासिक धर्म में बिताती है। सम्मान के साथ आवश्यक ज्ञान एवं सुविधाओं तक महिलाओं एवं लड़कियों की पहुँच को हमें प्राथमिकता देनी होगी और मासिक धर्म के प्रबंध के लिए एक स्वस्थ सामाजिक परिवेश का निर्माण करना होगा।'' उनके मंडल के 100 क्लबों के सदस्यों के साथ मिलकर, उन्होंने ''इस क्रांति की शुरुआत की है ताकि पुरुष एवं महिलाओं की मानसिकता को खोलकर इस बारे में बात करने में उनकी मदद की जा सके और एक पर्यावरण अनुकूल समाधान खोजा जा सके, और इस प्रक्रिया में मासिक धर्म वाली महिलाओं को अन्धविश्वास के चंगुल से छुड़ाकर एक स्वस्थ, खुशहाल जीवन जीने में उनकी मदद की जा सके।''

एक स्कूल में, किशोरियों के साथ हुए एक संवादात्मक सत्र के दौरान, वह मासिक धर्म पर ऐसे जवाबों को सुनकर हैरान थी: 'मम्मी ने कहा कि यह सब जानने की मेरी उम्र नहीं है। जब मैं बड़ी हो जाउंगी तो जान जाउंगी।' शिक्षक भी इस बारे में बात करने के लिए इच्छुक नहीं थे। अधिकांश देशों में, मासिक धर्म में एक सांस्कृतिक वर्जना होती है जो मासिक धर्म स्वच्छता के अपर्याप्त प्रबंधन में तब्दील हो जाती है। ''लड़कियों से इस बारे में कब बात की जानी चाहिए? जवाब है अभी!''

कम और मध्यम आय वाले परिवारों की महिलाओं एवं लड़कियों के पास उनके मासिक धर्म का प्रबंध करने हेतु मार्गदर्शन, सुविधाओं और सामग्री की कमी होती है। ''इसलिए हमने ऐसी महिलाओं से बात करने और मासिक धर्म के पीछे के विज्ञान को समझने एवं उनका पैड खुद बनाने में उनकी मदद करने का निश्चय किया।'' चूंकि किफायती, स्वच्छ सेनेटरी उत्पादों तक पहुँच सीमित है, इसलिए यह लड़कियों/महिलाओं के लिए इस प्रक्रिया का प्रबंध करना असुविधाजनक एवं अस्वास्थ्यकर बनाता है।

स्कूली बच्चियाँ सेनेटरी पैड बनाना सीखते हुए।

एंकर पैनासोनिक इंडिया के कर्मचारियों के साथ डॉ अमीषा मेहता।

रो ई मंडल 3060 की प्रथम महिला, स्वाति शाह, की मदद से बड़ी मात्रा में दुबारा इस्तेमाल किये जा सकने वाले कॉटन पैड्स को यूनिपैड्स इंडिया, अहमदाबाद के एक पुनः प्रयोज्य सेनेटरी पैड निर्माता, से बुलाया गया। स्कूली लड़कियों एवं कामकाजी महिलाओं को 1,000 से अधिक पैकेट वितरित किये गए। स्वाति कहती है, दुबारा इस्तेमाल किये जा सकने वाले सेनेटरी पैड लोकप्रिय हो रहे है। ''वे स्वास्थ्यकर, किफ़ायती एवं वहनीय होते है।''

अमीषा कहती है चूंकि सेनेटरी पैड 'चिकित्सीय उत्पाद' के रूप में सूचीबद्ध है, इसलिए गुणवत्ता को बरकरार रखना भारत में एक समस्या है। विषाक्त वस्तुओं और कृत्रिम रंगों, पालिएस्टर, गोंद, पॉलिथीन, इत्यादि का इस्तेमाल किया जाता है जिससे हार्मोनों में व्यवधान, कर्क रोग, जन्म विकार, सूखापन, और

छात्रियाँ अपने द्वारा बनाए गए सैनिटरी पैड का प्रदर्शन करते हुए।

बांझपन जैसी चिकित्सीय समस्याएं हो सकती है। वह मानती है कि पारंपरिक डिस्पोजेबल नैपकिन के बजाय दुबारा इस्तेमाल किये जा सकने वाले कपड़े के सेनेटरी पैड का विचार चुनौतीपूर्ण लग सकता है, ''लेकिन आपके शरीर एवं ग्रह के हित में शायद यही सबसे अच्छा निर्णय साबित होगा।''

चार वर्ष पूर्व उनके सामने स्त्री स्वच्छता उत्पादों की वास्तविकता तब सामने आई जब उनकी बेटी जो एक आवासीय विद्यालय में पढ़ रही थी ने, मुझे उसकी रूममैट के बारे में बताया जो स्वयं उसके लिए कपड़े के पैड बनाती थी। ''एक ऐसे युग और समय में जब आपके पास उपयोग करके फेंकने वाले पैड उपलब्ध है तो फिर कोई क्यों कपड़े के पैड बनाने में मेहनत एवं समय खर्च करेगा, वह चकित थी, और उन्होंने उस लड़की की माँ से जाना कि सहजता से मिलने वाले पैड उनकी बच्ची के स्वास्थ्य पर असर डाल रहे थे।''

अमीषा के चार साल के अनुसंधान ने *रेड रेवलूशन* को साकार करने में मदद की और अब पुरुष एवं महिलाओं से मासिक धर्म के बारे में बात करने एवं स्कूली छात्राओं को उपलब्ध सामग्री की सहायता से स्वयं के कम-लागत वाले सेनेटरी नैपकिन बनाना सिखाने से लेकर दुबारा इस्तेमाल किये जाने वाले पैड मुफ्त में बांटने तक, रोई मंडल 3060 के रोटेरियनों ने 195 कार्यशालाएं संपन्न की है और 65,060 व्यक्तियों को जागरूक किया है। ■

रो ई दक्षिण एशिया कार्यालय से संदेश

अपने इंटरैक्ट क्लब के सलाहकार को अपडेट कीजिये: यह अनिवार्य है कि इंटरैक्ट क्लब 30 जून तक एक सलाहकार की नियुक्ति करें। सलाहकार प्रायोजक रोटरी क्लब का सदस्य, एक स्कूल प्रबन्धक या संकाय सदस्य, या सामुदायिक स्वयंसेवक हो सकता है जिसे इंटरैक्ट क्लब के वयस्क संपर्क के रूप में सेवा देनी होगी। जानकारी को ऑनलाइन अपडेट किया जा सकता है। कृपया ध्यान दें जिन इंटरैक्ट क्लबों ने पिछले दो वर्षों से इंटरैक्ट सलाहकार की रिपोर्टिंग नहीं की है उन्हें दिसंबर 2019 से पूर्व आवश्यक रूप से एक इंटरैक्ट क्लब सलाहकार की जानकारी देनी होगी, जिसके ना दिए जाने पर 1 जनवरी, 2020 से स्वत: ही वह क्लब निलंबित हो जाएगा।

इंटेरैक्ट वीडियो अवार्ड्स: इंटरैक्ट क्लब इंटरैक्ट वीडियो अवार्ड्स में भाग ले सकते है। एक छोटे वीडियो के माध्यम से अपने क्लब की सबसे अच्छी परियोजना हमें दिखाइये। विजेता क्लब को उसकी अगली परियोजना के लिए 1000 डॉलर का इनाम मिलेगा! अधिक जानकारी के लिए: *https://xd.wayin.com/display/container/dc/310c6437-c69d-4d1d-a73c-746a944ab1ec/details*

My Rotary पर ग्रांट रिपोर्ट्स का उपयोग: अनुदान गतिविधियों का प्रबंध करने में मंडल नेतृत्वकर्ताओं की मदद करने के लिए रिपोर्टें *My Rotary* पर उपलब्ध है। नीचे दी गई तालिका विभिन्न प्रकार की जानकारी को प्राप्त करने के लिए उपयोग की जाने वाली रिपोर्टों को दिखाती है।

Report	Use it to...
Grant Detail	get comprehensive details about one grant
Grant Location	show all approved global grants taking place in a selected country
Grant Participation	measure club, district, and zone participation in global grants and district grants
Grant Productivity	see global grants and district grants in all statuses for a selected club, district or zone
Grants by Sponsor	see grants by a selected club or district and their current status (closed and cancelled grants are not included)
Cadre Member Information	find cadre members

अनुदान केंद्र अनुस्मारक: अपनी वैश्विक अनुदान परियोजना को पेश करने से पूर्व, सुनिश्चित कर लीजिये कि आवेदन में अनुदान प्रायोजकों को सही ढंग से सूचीबद्ध किया गया है कि नहीं। यह ध्यान रखना आवश्यक है कि अनुदान क्लब प्रायोजित है या मंडल प्रायोजित। गलत जानकारी का अर्थ है अनुदान प्रक्रमण में देरी होना, विशेष रूप से अगर आवेदन के स्वीकृत होने के बाद इसमें बदलाव किये जाएँ। अधिक जानकारी *https://my.rotary.org/en/take-action/apply-grants/global-grants* पर 'अ गाइड टू ग्लोबल ग्रांट' के माध्यम से उपलब्ध है।■

एक विशेष व्यावसायिक केंद्र

टीम रोटरी न्यूज़

रोटरी क्लब रेवाड़ी मैन, रो ई मंडल 3011, और नवप्रभात सोसायटीने ने संयुक्त रूप से प्रखरबु द्धि बच्चों के लिए एक व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किया है। बच्चे यहाँ दीया, मिठाई के बक्से, मोमबत्तियाँ और उपहार लिफाफे बनाना सीखते हैं। ''इस केंद्र का उद्देश्य है की इन बच्चों को नयी चीज़ें बना कर, उन चीज़ों को बेचकर आत्मनिर्भर बनाने का है,'' प्रोजेक्ट चेयरमैन हरीश मलिक कहते हैं। सितंबर 2019 में इसके उद्घाटन के बाद केंद्र 20 छात्रों का नामांकन कराया गया है।■

SERVICE ABOVE SELF

2020 B2B MEET

ROTARY CONNECTS THE WORLD

First of its Kind...First time in Pune....Soon in other Metros

Indias Biggest Rotary Business to Business Meet

This meet is for facilitating selling to or purchasing from a Rotarian. Assured integrity in business deals within Rotarian Brotherhood as per the 4 Way Test

Inaugural & Closing Session will have a nationally famous speaker on Business.

3794 clubs of Rotary in 38 districts
More than 150,000 members
more than 90%
professionals or Industrialists

Selling through Exhibitions / Advertising / Sundry marketing efforts incurs significant costs

Only Companies owned by Rotarians participating
For participating in this meet
Send only one sales officer + one purchase officer
Meet : 10 am to 5 pm. Networking : 7 to 10 pm

Ideal opportunity to launch / trade / learn about products within the Rotarian Businessmen Community thereby saving huge costs incurred on advertising / marketing / aquiring know-how

Cost includes stay for 3 nights (twin sharing) at a 5 star venue + 3 breakfasts + 2 lunches + 2 dinners for the 2 people representing your organisation
**Travel Costs to be borne by participants*

Meet & interact with 1000+ Rotarians from all over India

Organised by

Rotary
Club of Pune Far East
Dist. 3131 Club No. 30952

In Association with :

THE TIMES OF INDIA

2 days / 3 nights

Feb 2020

For details and modus operandi Call us on +91 72494 16788 or email us at rotaryb2bpune@gmail.com

Theta : +91 98230 111145

एक अलग व विशिष्ट स्कूल

जी सिंह

जमीर सरदार एक मेधावी छात्र होने साथ-साथ अच्छे नर्तक तथा चित्रकार भी हैं। उनके शिक्षक उनके प्रति स्नेहशील हैं और उनकी प्रतिभा को स्वीकार करते हैं। सोलह वर्ष के जमीर ने सांस्कृतिक आदान-प्रदान के कार्यक्रम में पिछले साल डेनमार्क में अपने दोस्तों के साथ नृत्य प्रदर्शन किया था। नृत्य में अच्छे कौशल के बावजूद, वो अपना करियर चित्रकार के तौर पर बनाना चाहते हैं।

लेकिन, जमीर की पृष्ठभूमि उनकी उपलब्धि को वास्तव में और आकर्षक बनाती है। कक्षा खद के छात्र जमीर पश्चिम बंगाल के सुंदरवन में रहते हैं, जो राज्य के सबसे सुदुर स्थित स्थानों में से एक है। जब जमीर जब कक्षा 2 में थे तभी उनके पिता की कैंसर की वजह से मृत्यु हो गई थी। उसकी मां ने अपने चार बच्चों की परवरिश करने के लिए काफी मुश्किल काम किए।

वह इतनी कमाई नहीं कर सकती थीं कि अपने बच्चों को उचित शिक्षा दे सकें। जमीर भाग्यशाली थे, कि एक नेक आदमी उन्हें विवेकानंद शिक्षा निकेतन में ले लाया, जो दक्षिण 24 परगना के जयगोपालपुर गांव में गैर-लाभकारी संस्था द्वारा संचालित स्कूल है। यह स्कूल आर्थिक रूप से कमजोर पृष्ठभूमि के छात्रों को रियायत प्रदान करता है। जमीर की प्रतिभा को डेनमार्क के एक दंपति ने समझा, जो स्कूल में बच्चों की शिक्षा का वित्तपोषण कर रहे थे। उन्होंने उनकी शिक्षा का वित्तपोषण करने का निर्णय लिया।

जमीर का कहना है कि वह स्कूल के अधिकारियों और शिक्षकों के समर्थन के बिना यहां तक पहुंचने का सपना तक नहीं देख सकते थे। अपने द्वारा बनाई एक पेंटिंग को दिखाते हुए उन्होंने कहा, इस स्कूल ने मेरे जीवन में क्रांतिकारी बदलाव लाया है। मैं अब बड़े सपने देख सकता हूं और अपने सपनों को हासिल करने का विश्वास कर सकता हूं।

वो अकेले ऐसे छात्र नहीं है। स्कूल ने उन्हें प्रोत्साहित करने हेतु अपने 500 छात्रों की 20 प्रतिशत की फीस माफ कर दी है, ताकि वे अपनी शिक्षा जारी रख सकें। अधिशिक्षक मधुसूदन मंडल ने कहा कि हम छात्रों से अधिकतम ₹250 की बहुत मामूली फीस लेते हैं। हम उनके लिए निःशुल्क छात्रावास की सुविधा भी प्रदान करते हैं जो इसका भुगतान करने में सक्षम नहीं हैं। इसका उद्देश्य ड्रॉपआउट को कम करना है।

छात्रों की संख्या में मबाघ विधवाफ यानी मटाइगर विडोजफ के बच्चे शामिल हैं जिनके पति बाघों द्वारा मार दिए गए थे, जब वे मछली पकड़ने या जलाऊ लकड़ी इकट्ठा करने हेतु जंगल में गए थे। सुंदरवन में 3,000 से अधिक मटाइगर विडोजफ रहती हैं। बाघ और मगरमच्छ जंगल के करीब रहने वाले कई गांवों के लिए खतरा हैं।

बबिता और लतिका मंडल, सुंदरवन के झारकली में रहने वाली दो बहनों ने इस साल अपनी दसवीं कक्षा की परीक्षा पास कर ली है। उनके दो चाचा मगरमच्छ द्वारा मार दिए गए थे और उनके दादा को बाघ ने मार दिया था। इस परिदृश्य में, उनके पिता, जो केकड़े पकड़ने के लिए जंगल में जाते थे, उन्होंने अपनी शिक्षा रोक दी क्योंकि वह फीस नहीं दे सकते थे। स्कूल के अधिकारियों ने स्कूल में

मानक तख में बच्चों को प्रवेश दिया। बबीता मंडल ने कहा स्कूल के शिक्षकों और गैर-लाभकारी संगठनों द्वारा मदद के बिना हम कभी भी शिक्षा प्राप्त करने के बारे में नहीं सोच सकते थे। ''शिक्षक हमारे साथ खड़े रहे और परीक्षा से पहले अतिरिक्त कक्षाएं प्रदान कीं। हम अच्छी आजीविका अर्जित करना चाहते हैं ताकि हमारे पिता को जंगल में जाकर अपना जीवन जोखिम में न डालना पड़े। दोनों बहनें अपने पैरों पर खड़े होने और वैकल्पिक आजीविका अर्जित करने में मदद करने हेतु स्कूल में सिलाई का प्रशिक्षण ले रही हैं।''

स्कूल में शिक्षा प्रणाली अलग है। ऐसे समय में जब अकादमिक प्रदर्शन में सुधार पर बहुत अधिक बल दिया जाता है, स्कूल छात्रों को मछली पकड़ने, खेती और अन्य गतिविधियों में प्रशिक्षित करता है। मधुसूदन मंडल ने कहा कि छात्रों पर बहुत ''अधिक बोझ डालना सही नहीं है, जो अक्सर उन्हें अत्यधिक कड़े कदम उठाने के लिए मजबूर करता है। हम उन्हें मछली पकड़ने, खेती या नृत्य सीखने हेतु प्रोत्साहित करते हैं ताकि वे संबंधित क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकें।'' छात्रों को विशेष अनुशासन में उनकी रुचि के आधार पर प्रशिक्षित किया जाता है।

ऊपर से : ज़मीर सरदार अपनी कलाकृति के साथ; स्कूल के छात्र।
बाएं : बच्चे 24 परगना में विवेकानन्द शिक्षा निकेतन में खेती सीखते हुए।

स्कूल छात्रों को शिक्षा प्रदान करने के दौरान स्वामी विवेकानंद और रवींद्र नाथ टैगोर के सिद्धांतों का पालन करते हैं और छात्रों के लिए पारंपरिक भारतीय पोशाक - भगवा कुर्ता और सफेद पायजामा ते है। छात्रों और अन्य कर्मचारियों सहित स्कूल के लगभग 17 सदस्यों ने सांस्कृतिक एक्सचेंज कार्यक्रम के तहत पिछले साल पंद्रह दिनों के लिए डेनमार्क का दौरा किया। उन्होंने वहां के दर्शकों को अपने नृत्य कौशल से मंत्रमुग्ध कर दिया।

स्कूल चलाने वाले गैर-लाभकारी गोपालपुर ग्राम विकास केंद्र के सचिव बिस्वजीत महाकौर ने कहा कि, ''सुंदरबन क्षेत्र में विशेष रूप से माध्यमिक स्तर की शिक्षा पूरा करने के बाद समाज पर बोझ बनने की अनुभूति के कारण बहुत अधिक मात्रा में छात्रों के ड्रॉपआउट के नतीजे देखे गए। हमने छात्रों के लिए उनके माध्यमिक स्तर पास करने के बाद शिक्षा का बीमा करने हेतु विशेष प्रकार का बीमा कार्यक्रम अपनाया है। छात्र अपना पैसा बचाना शुरू कर सकते हैं और एक निश्चित समय के बाद, वे इसे स्कूल से 50 प्रतिशत योगदान के साथ वापस प्राप्त करते हैं। यह छात्रों को कार्यक्रम में शामिल करके विभिन्न कार्यक्रमों तथा गतिविधियों के माध्यम से पर्यावरण की सुरक्षा सुनिश्चित करता है।'' ■

GG प्रोजेक्ट्स पर काम करने वाली

आंतरिक तकनीकी टीम को जानें

डॉ इंदुमती गोपीनाथन

रोटरी स्वयंसेवकों का एक बड़ा दल टीआरएफ कर्मचारियों और ट्रस्टियों को उचित अनुदान नियोजन, निगरानी व मूल्यांकन में सहायता करने हेतु अपना समय और विशेषज्ञता प्रदान करता है। ये रोटेरियन कैडर ऑफ टेक्निकल एडवाइजर्स नामक समूह से हैं।

रोटरी फाउंडेशन के कैडर ऑफ टेक्निकल एडवाइजर्स दुनिया भर में वैश्विक अनुदान परियोजनाओं को पूरा करने हेतु विभिन्न क्षेत्रों में अपनी उम्दा विशेषज्ञताओं का विस्तार कर रहे हैं। उन्हें दो समूहों में बाँटा गया है:

वैश्विक अनुदान आवेदकों को मार्गदर्शन और सलाह देने एवं समुदाय की जरूरतों के मूल्यांकन हेतु रिसोर्स पीपुल, जो किसी भी वैश्विक अनुदान परियोजना के लिए जुलाई 2019 से अनिवार्य है।

टेक्निकल एक्सपर्ट जो क्लबों को दुनिया भर में जीजी परियोजनाओं को प्रभावी, टिकाऊ और जवाबदेह ढंग से पूरा करने में मदद करते हैं।

इंदुमती गोपीनाथन, अन्य कैडर सदस्यों के साथ एक चर्चा में।

कैडर सदस्यों की रुपरेखा

वे विभिन्न व्यवसायों में शामिल रोटेरियन हैं जो रोटरी के छह क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करते हैं। इसके अलावा, कैडर के सदस्यों में परियोजना के वित्त एवं अनुदान प्रबंधन की समीक्षा करने हेतु लेखा परीक्षकों की एक टीम भी है। कैडर के सदस्यों में वकील, राजनयिक से लेकर मध्यस्थ, इंजीनियर, शिक्षक, शहर नियोजक, वित्तीय सलाहकार और यहां तक कि सामाजिक कार्यकर्ताओं जैसे विविध पेशेवर शामिल हैं।

कैडर के सदस्यों की विशिष्ट भूमिका

वे परियोजनाओं की समीक्षा, निगरानी और मूल्यांकन करते हैं और अनुदान की राशि का उचित उपयोग करना सुनिश्चित करते हैं। उनके कार्य ऑनलाइन तकनीकी समीक्षा, साइट विज़िट और अन्य प्रमुख कार्यों के अलावा ऑडिट करना हो सकता है।

कोई भी रोटेरियन अपनी परियोजना के प्रकार से परिचित कैडर सदस्य से परियोजना की प्लानिंग या कार्यान्वयन के बारे में मार्गदर्शन प्राप्त करना चाहता है, तो *cadrerotary.org* पर या टेक्निकल कोऑर्डिनेटर्स से संपर्क कर सकता है।

आप रोटरी चर्चा समूह के विशेषज्ञों से सीधे सवाल पूछ सकते हैं। फोकस के प्रत्येक क्षेत्र में रोटरी की दुनिया के तीन टेक्निकल कोऑर्डिनेटर्स हैं और वे कैडर सदस्यों की भर्ती में मदद करते हैं और प्रत्येक तकनीकी क्षेत्रों में अग्रणी के रूप में काम करते हैं।

टीआरएफ कैडर में कैसे शामिल हों

संबंधित क्षेत्र को चुनकर यह जानें कि आपके लिए कैडर में किन कौशलों की जरूरत है। रोटरी सभी तकनीकी क्षेत्रों में रोटेरियन की तलाश कर रहा है। आवश्यक पात्रताओं में शामिल हैं:

- किसी कार्यशील रोटरी क्लब के वर्तमान, सक्रिय सदस्य
- द रोटरी फाउंडेशन और रोटरी इंटरनेशनल के साथ अच्छा संबंध
- कम से कम किसी एक तकनीकी क्षेत्र में व्यावसायिक अनुभव।

कैडर के सदस्य रोटरी फ़ाउंडेशन के परिप्रेक्ष्य को दर्शाने हेतु महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और इस तथ्य पर भी ध्यान देते हैं कि वे यहाँ समुदाय को बेहतर सेवा देने में मदद करने के लिए मार्गदर्शक बल तथा सलाहकार के कार्य के लिए हैं। रोटेरियन, दानदाता और प्रायोजक सभी दान इस विश्वास के साथ करते हैं कि दुनिया भर के समुदायों को लाभ पहुंचे और इसका प्रभावी ढंग से उपयोग किया जाए। अंत में, यह क्लब रोटेरियन, टीआरएफ स्टॉफ, ट्रस्टी और कैडर की रोटरी टीम है जो दुनिया भर में काम कर रही है जिसके द्वारा सार्थक रूप से कार्य अच्छा होता है।

लेखक रोटरी क्लब बॉम्बे चेंबूर वेस्ट, रो ई मंडल 3141 की सदस्य और 2014 से कैडर सदस्य हैं।

ADVT.

Congratulations

to

Shekhar Mehta

Selected 2021-2022
Rotary International President

With Best Compliments From

Sangeeta - Kishor Katru
District Governor, 2019-2020
RID 3110

ईरान से लेकर इरोड तक नेकी की दीवार बढ़ रही है

किरण ज़ेहरा

"सही नाप के जूते आ जाने पर उस छोटे बच्चे के चेहरे पर आई मुस्कान को मैं कभी नहीं भूल सकती,'' रोटरी क्लब इरोड कॉसमॉस, रो ई मंडल 3202, की अध्यक्ष गायत्री देवी कहती है। उन्होंने *Wall of Kindness* (नेकी की दीवार) की शुरुआत की, एक ऐसी परियोजना जहाँ इरोड के लोग उपयोग की हुई और अतिरिक्त वस्तुओं को दान कर सकते है जिन्हें जरूरतमंद लोग ले जाते है। कलाईमगल स्कूल रोड के कोने पर, एक छोटी सी दुकान में कपड़े, घरेलु सामान से लेकर किताबें और खिलौने संचित किये जाते है जिन्हें जरूरतमंद लोग उठाकर ले जाते है। ''यह इस बात को सुनिश्चित करने का बढ़िया तरीका है कि किसी को जिस चीज़ की जरूरत नहीं है वह दूसरों के काम आ जाती है,'' वह आगे कहती है।

उन्होंने समझाया कि नेकी की दीवार का विचार एक चैरिटी परियोजना है जो ईरान से भारत आई है। ''सर्दियों के दिनों में, मशहद में, किसी ने इस सन्देश के साथ दीवार पर हैंगर में गर्म कपड़े लटका दिए: 'यदि आपको इसकी जरूरत नहीं है, तो कोई बात नहीं। यदि आपको इसकी आवश्यकता है तो इसे ले लीजिए।' जल्द ही पड़ोसियों से दान मिलने लगे और सामाजिक मीडिया द्वारा यह विचार तेज़ी से दूसरे शहरों में फैलना शुरू हो गया।''

इस दीवार का लक्ष्य समुदाय के जरूरतमंद लोगों तक पहुँचना है। इरोड में, यह दो सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों और एक अस्पताल में स्थित है। बहुत लोगों ने वस्तुओं को दान किया परन्तु वे किसी के द्वारा उठाई नहीं गई। गायत्री कहती है, ''बहुत ही कम लोग नेकी की दीवार के बारे में जानते है, इसलिए हमें इसे किसी भी अन्य व्यवसाय की तरह ही बढ़ावा देना पड़ा।'' सामाजिक मीडिया पर दीवार को बढ़ावा देने और पोस्टरों और इश्तहारों के माध्यम से विज्ञापन

क्लब के अध्यक्ष गायत्री देवी की मौजूदगी में परियोजना का उद्घाटन करते हुए PDG ई के सगादेवन (बाएं से चौथे)। चित्र में PDG एम शिवशंकरन (पीछे) भी शामिल हैं।

बच्चें Wall of Kindness के बाहर पडे जुते पहनने की कोशिश करते हुए।

करने के कुछ माह बाद लोगों का आना बढ़ गया। उसी प्रकार दानकर्ताओं का आना भी बढ़ गया।

गायत्री को यह विचार बेंगलुरु में इसी तरह की परियोजना को देखकर आया। ''मैंने सोचा कि हम इसे इरोड में क्यों नहीं दोहरा सकते?'' सरकार की अनुमति लेने, स्थानीय सहायता और दीवार को स्थापित करने सहित बहुत सारे काम किये जाने थे। भंडारण रैक, लोहे के होल्डर और हैंगरों और उचित प्रकाश व्यवस्था स्थापित करने हेतु ₹70,000 का निवेश करके उन्होंने अपने स्वामित्व की तीन दुकानों में से एक को नेकी की दीवार में परिवर्तित कर दिया।

एक बार जब इस परियोजना को गति मिली तो क्लब को एक अग्रणी खेल सामग्री की दुकान से 250 जोड़ी नए जूते मिले थे। ''प्रतिदिन हम 10 जोड़ी जूते रखते है और यह बात क्लब में हम सबको चकित करती है कि जूते उठाने के लिए कोई भी बच्चा दो बार नहीं आया। हमारे पास दस जोड़ी जूते और है और हमें यकीन है कि यह जरूरतमंद विद्यार्थियों द्वारा उठा लिए जाएँगे,'' और आगे कहती है कि ''अगर वयस्क उनकी जरूरतों के लिए रैक से तीन या पांच से अधिक वस्तुएं उठा रहे थे, तो हमने हस्तक्षेप नहीं किया। अब उनमें से बहुत से लोग समझते है और रैक से केवल एक ही वस्तु उठाते है।''

इस परियोजना का उद्घाटन पीडीजी डॉ सागदेवन और पीएम शिव शंकरन द्वारा किया गया। ■

मांडवी में छात्रों के लिए शैक्षिक कार्यशाला

टीम रोटरी न्यूज़

रोटरी क्लब मांडवी, रो ई मंडल 3054 ने कक्षा 10 वीं और 12 वीं के छात्रों के लिए एक शैक्षिक कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला में लगभग 120 छात्रों ने भाग लिया जिसका उद्देश्य शिक्षण और शिक्षा के प्रति स्वस्थ दृष्टिकोण को प्रोत्साहित करना था। शिक्षाविद् गिजु भराद, जिनके पास बोर्ड परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्रों को प्रशिक्षित करने का 40 वर्षों से अधिक का अनुभव है, ने छात्रों को विभिन्न विषयों पर सुझाव दिया।

रोटरी हॉल, मांडवी में साढे तीन घंटे का संवादात्मक सत्र आयोजित किया गया। इसमे संज्ञानात्मक तकनीकों के बारे में बताया गया जो छात्रों को उनके सीखने और स्मृति कौशल को बढ़ाने में मदद करेगा और उन्हें अपनी परीक्षा के लिए बेहतर तरीके से तैयारी करने में सक्षम बनाएगा। सटीकता और शुद्धता बनाए रखते हुए तेज गति से लिखने का सुझाव भी छात्रों को दिया गया। कार्यशाला में आयोजित गतिविधियों में मस्तिष्क मानचित्रण जैसी शिक्षण तकनीकों का उपयोग करके परीक्षा को तनाव-मुक्त बनाने पर ध्यान केंद्रित किया गया था। क्लब के अध्यक्ष भाविन गनात्रा ने कहा, ''हमारा क्लब परीक्षा के दौरान बच्चों पर कम दबाव डालने और अपने बच्चों की मदद करने के बारे में माता-पिता को समझा कर छात्रों के तनाव को कम करने और उन्हें अपनी परीक्षा की बेहतर तैयारी कर सशक्त बनाने में मदद करना चाहता था।'' ■

आपके गवर्नरों से मिलें

जयश्री

बचपन से एक रोटेरियन

सुनील नागपाल

सूचना प्रौद्योगिकी, रोटरी क्लब पालमपुर, रो ई मंडल 3070

मैं 41 वर्षों से एक रोटेरियन हूँ जब से मेरे पिता वाय पी नागपाल इसी क्लब के एक सदस्य बने थे,'' सुनील नागपाल कहते है। अपने पिता के साथ क्लब बैठकों, सम्मेलनों एवं परियोजना स्थलों में साथ जाकर वह बचपन से रोटरी का हिस्सा रहे है। आखिरकार 1997 में वह रोटरी से जुड़े।

क्लब के चार्टर अध्यक्ष डॉ शिव कुमार एक अन्य परामर्शदाता है। ''जब मैं छोटा था, मुझे याद है कि कैसे वह क्लब की लाटरी बेचकर कमाए गए 20,000 का इस्तेमाल पालमपुर में रोटरी भवन बनवाने के लिए किया करते थे। आज वह 7,500 वर्ग फीट में बनी तीन मंजिला ईमारत है और स्वयं में एक संवहनीय परियोजना है।'' अन्य स्थायी परियोजनाओं में शामिल है रोटरी आई हॉस्पिटल जिसमें उनके पिता वरिष्ठ उपाध्यक्ष है; एक मातृ एवं शिशु अस्पताल; रोटरी हेल्पेज फाउंडेशन जो एक अनाथालय चलाता है; एक फ़िज़ीओथेरेपी क्लीनिक; और अपंग लोगों के लिए एक स्कूल। ''इन परियोजनाओं के लिए ज़मीन समुदाय ने दी। एक परोपकारी व्यक्ति पिछले 35 वर्षों से हमारी कुछ नेत्र सर्जरियों का निधीयन कर रहे है। हमारे क्षेत्र में लोगों को इस कदर रोटरी पर भरोसा है,'' वह कहते है।

शहीदों की विधवाओं एवं उनके बच्चों को कौशल विकास पाठ्यक्रमों को सिखाने के लिए नागपाल उत्सुक है। वह वैश्विक अनुदान की सहायता से फरवरी 2020 में लुधियाना में आयोजित होने वाले एक विशाल चिकित्सीय शिविर पर काम कर रहे है। हाल ही में उद्घाटन किये गए जालंधर के रोटरी हॉस्पिटल को पाकर वह गर्वित है। ईमारत एक कॉर्पोरेट द्वारा दान की गई थी और वैश्विक अनुदान के माध्यम से एक जर्मन क्लब की सहायता से हमने उसे कार्यात्मक बनाया। वह स्कूलों को ई-शिक्षण सुविधाओं से सुसज्जित करने की भी योजना बना रहे है।

इस वर्ष मंडल में 140 सदस्य और एक नया रोटरी क्लब शामिल हुआ। अवरोधन को नियंत्रित एवं पाँच नए क्लबों की स्थापना करके उनका विचार 10 प्रतिशत की शुद्ध वृद्धि करने का है। वह चाहते है कि नए सदस्य पहले कम से कम तीन रोटरी परियोजनाओं में उपस्थित हो और फिर निर्णय लें। ''इस प्रकार वे क्लब में मूल्यों को जोड़ सकते है।''

टीआरएफ के लिए उन्हें 150,000 डॉलर इकठ्ठा करने की उम्मीद है, जिसमें से 10,000 डॉलर उन्हें हाल ही में संपन्न हुए टीआरएफ सेमीनार से पहले ही मिल चुके है। इस मंडल के अंतर्गत तीन राज्य - पंजाब, हिमाचल प्रदेश और जम्मू और कश्मीर आते है, और यहाँ पर अधिक दान हासिल करने की बहुत गुंजाइश है, गवर्नर कहते है।

उनकी पत्नी अर्चना भी उसी क्लब की सदस्य है।

परियोजनाओं की बहुतायत

हरी गुप्ता

लोजिस्टिक्स, रोटरी क्लब मेरठ स्टार्स, रो ई मंडल 3100

उनके मंडल के लिए उनके पास अनेक योजनाएं है जिनमें एक नेत्र बैंक, अस्पताल, रक्त बैंक, सौर ऊर्जा पैनल्स और हृदय विशेषता वाली एम्बुलेंस शामिल है। ''साक्षरता को बढ़ावा देना उनकी सूची में सबसे ऊपर है,'' हरी गुप्ता कहते है, आगे कहते हुए कि, जब लोग पढ़ एवं लिख पाते है, और उनके नाम के हस्ताक्षर कर पाते है, तो उनके चेहरे पर आने वाला अपार हर्ष देखने योग्य होता है। स्कूलों में ई-अध्ययन सुविधाओं की स्थापना एवं वयस्क साक्षरता उनकी सूची में सर्वोप्परी है।

गुप्ता 1989-96 के दौरान एक रोटरेक्टर थे और 2007 में एक रोटेरियन बने। वह रोटरेक्ट क्लबों की वर्तमान संख्या को 13 से बढ़ाकर 40 करना चाहते है और वह आगामी ठधङ- को लेकर उत्साहित है जिसके आयोजन की योजना उन्होंने जनवरी 2020 में बनाई है। ''मंडल में यह कार्यक्रम 20 वर्षों की लंबी अवधि के बाद हो रहा है।'' रोटरी सदस्यता को दोगुना करके 3,000 करने की उनकी महत्वाकांक्षी योजनाएं है। यह संभव है। ''सोलह नए क्लबों को अधिकृत किया गया है और हमारे पास चार क्लब और होंगे। यदि हर क्लब में औसत 30 सदस्य होंगे, तो इस लक्ष्य को हासिल करना बहुत आसान होगा,'' वह विश्वास के साथ कहते है।

मंडल छह वैश्विक अनुदान परियोजनाओं की योजना बना रहा है और गवर्नर ने मंडल से टीआरएफ के लिए 200,000 डॉलर का योगदान देने का लक्ष्य रखा है।

उनकी पत्नी निधि भी उसी क्लब की एक सदस्य है।

साक्षरता उनकी प्राथमिकता है

किशोर कतरू

ऑटोमोबाइल फाइनेंसर, रोटरी क्लब बरेली सेंट्रल, रो ई मंडल 3110

1986-89 के दौरान रोटरेकटर रहने के बाद, 1991 से वह एक रोटेरियन है। रोटरी में उनका सबसे अभिलषित कार्य वह था जब उनके क्लब ने ज़िला प्रशासन द्वारा चलाये जाने वाले एक मुर्दाघर का नवीनीकरण किया था। उसकी हालत वाकई बहुत खराब थी। ''व्यक्तिगत रूप से मुझे लगा कि इस परियोजना के माध्यम से हम मृतकों को सम्मान दे रहे थे,'' किशोर कतरू कहते है। बरेली, आगरा और अलीगढ़ में डायलिसिस केन्द्रों को स्थापित करने की उनकी योजना है। साक्षरता को बढ़ावा देना भी उनकी प्राथमिकता है। ''उत्तर प्रदेश के अधिकांश क्षेत्रों में अनपढ़ आबादी रहती है। क्लब गाँवों में शौचालय और हाथों की धुलाई के स्टेशनों की स्थापना करेगा और लोगों को बुनियादी शिक्षा प्रदान करेगा।''

सदस्यता के लिए उनका लक्ष्य 1,000 नए सदस्यों को शामिल करने का है जिसमें अच्छी संख्या में महिला सदस्य शामिल है।

टीआरएफ के लिए उनका 400,000 डॉलर इकठ्ठा करने का लक्ष्य है। DRFC देवेन्द्र अग्रवाल के समर्पण के कारण अब तक 20 प्रमुख दानकर्ता शामिल हुए है, वह कहते है।

कतरू की पत्नी संगीता इनर व्हील की एक सक्रिय सदस्य है।

बुज़ुर्गों की देखभाल

जोसफ मैथ्यू

शिक्षाविद, रोटरी क्लब मैसूर वेस्ट, रो ई मंडल 3181

मेरा रोटरी पल तब था जब अब्दुल कलाम ने एक विज्ञान प्रदर्शनी का दौरा किया था जिसे मेरे क्लब ने स्कूली विद्यार्थियों के लिए आयोजित किया था, जोसफ मैथ्यू भावुकतापूर्वक कहते है। वह 2001 में रोटरी से जुड़े, और जिस कॉलेज में वह काम करते थे उसके रोटरेक्ट क्लब के स्टाफ समन्वयक थे।

उनके मंडल के लिए मैथ्यू के पास दो परियोजनाएं कतारबद्ध है। पहली है *जीवन संध्या,* वरिष्ठ नागरिकों की देखभाल करने वाला एक कार्यक्रम। यहाँ पर रोटेरियनों के पास वृद्धाश्रमों का दौरा करने, और उनमें से कुछ की मरम्मत करने की योजनाएं तैयार है। उनमें से एक क्लब यहाँ पर वरिष्ठ नागरिकों के लिए एक घर का निर्माण कर रहा है।'' दूसरी परियोजना है *सेव अ लाइफ,* जिसमें क्लब कॉलेजों, स्कूलों और कार्यालयों में प्राथमिक-चिकित्सा की कार्यशालाएं आयोजित करेंगे। कैंसर जांच शिविर भी इसी कार्यक्रम का हिस्सा है।

मैथ्यू मंडल सदस्यता को 1,000 नए सदस्यों, जिसमें महिला सदस्य शामिल है, के साथ बढ़ाना चाहते है और दस नए क्लबों की स्थापना करना चाहते है। उन्हें इस बात की ख़ुशी है कि 300 नए सदस्यों में से, ''30 महिलाएं है और वे सभी रोटेरियनों की पत्नियां है।'' रोटरेक्ट क्लब के बारे में बात करते हुए, वह कहते है कि ग्रामीण लोगों को शिक्षा प्रदान करने में समुदाय-आधारित क्लब अत्यंत प्रभावी रहे है। संस्थान-आधारित क्लबों की बात की जाए तो, चूंकि उनके परीक्षा स्वरूप में परिवर्तन आया है, इसलिए छात्र अब शिक्षण कार्यों में व्यस्त है।

एक गतिशील कैंसर परीक्षण इकाई को खरीदने के लिए उनकी एक वैश्विक अनुदान करने की योजना है। टीआरएफ के लिए उनका 500,000 डॉलर योगदान देने का लक्ष्य है, और धन द्वारा सहायता करने के लिए उनके पास 20-25 प्रमुख दानकर्ता है।

रोटरी-सीएसआर उपक्रमों को प्रोत्साहन

हरीश गौर

मानव संसाधन सलाहकार, रोटरी क्लब भिवंडी, रो ई मंडल 3053

वह 2005 में साहचर्य एवं सामाजिक कार्य हेतु रोटरी से जुड़े। भिवंडी एक औद्योगिक नगरी है जिसकी जनसंख्या अस्थायी है। जिंदगियों को बेहतर बनाने की बहुत सी संभावनाएं है और मैंने मेरे रोटेरियन बनने से पूर्व भी रोटरी को यहाँ काम करते देखा है, हरीश गौर कहते है।

जल संरक्षण और साक्षरता उनकी प्राथमिकता वाली परियोजनाओं का अहम हिस्सा है। वह सीएसआर की सहभागिता से वैश्विक अनुदानों को करने पर ध्यान दे रहे है और बुनियादी साक्षरता एवं ई-अध्ययन को सुधारने हेतु परियोजनाओं पर काम करने के लिए उन्हें ऐसी पाँच स्वीकृतियां मिल चुकी है। ''सीएसआर साझेदारी की मदद से हम शीघ्र ही चलित डिजिटल पुस्तकालय की शुरुआत करेंगे।'' एक चलित टीबी जांच इकाई और प्लास्टिक-विरोधी कठोर अभियान भी उनकी कार्यसूची में शामिल है।

रोटरी की सार्वजनिक छवि को बढ़ाने के मामले में, गौर खुश है कि मंडल के तीन क्लब अपने प्रयासों के कारण इंडिया बुक ऑफ़ रिकार्ड्स और लिम्का बुक ऑफ़ रिकार्ड्स में जगह बना चुके है।

अवरोधन पर पैनी नज़र रखते हुए उनका लक्ष्य सदस्यता को 10 प्रतिशत से बढ़ाने का है। अधिक महिला सदस्यों को शामिल करना भी उनकी कार्यसूची में है।

टीआरएफ के लिए 325,000 डॉलर का योगदान देने के उनके लक्ष्य को हासिल करने को लेकर गवर्नर को थोड़ा संशय है। ''मंडल के लिए यह बहुत बड़ी राशी है, लेकिन हमसे जितना हो सकेगा उतना हम इस लक्ष्य के करीब पहुँचने का प्रयास करेंगे,'' वह कहते है।

एन कृष्णमूर्ति द्वारा रूपरेखा

खुले में शौच को खत्म करने के लिए
रोटरी-कॉरपोरेट का संयुक्त प्रयास

जयश्री

रोटरी क्लब बरेली साउथ, रो ई मंडल 3110 और कॉर्पोरेट बी एल एग्रो ऑयल्स लिमिटेड की संयुक्त परियोजना की बदौलत बरेली के लगभग 955 लोग अब शौचालय का उपयोग कर रहे हैं। बरेली के आसपास के गाँवों में रहने वाले कई परिवार शौचालय न होने के कारण आसपास के खेतों में शौच करते हैं, और भारत सरकार द्वारा राज्य को स्वच्छता एवं स्वच्छता सुविधाओं की कमी वाले राज्य के रुप में चिन्हित किया गया है।

एक गांव में उद्घाटन समारोह में PDG अरुण जैन (बाएं से तीसरे) चित्र में बी एल एग्रो ऑयल्स के MD घनश्याम खंडेलवाल (बाएं से दूसरे) के साथ PDG आई एस तोमर (दाएं से तीसरे) भी शामिल हैं।

जब आरसी बरेली साउथ के रोटेरियन ने आसपास के गाँवों में खुले में शौच की समस्या को हल करने का फैसला किया, तो क्लब के सदस्य घनश्याम खंडेलवाल, जो बी. एल. एग्रो ऑयल्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक हैं, ने कॉर्पोरेट की सीएसआर प्रतिबद्धताओं के तहत इस परियोजना को निधि देने हेतु आगे आए। संपूर्ण सामुदायिक मूल्यांकन और ग्राम प्रधानों तथा ग्रामीणों के साथ प्रत्यक्ष बातचीत के बाद, तीन गाँवों - पारसाखेड़ा गौटिया, गोकिलपुर और नन्दौसी में 191 घरों की पहचान की गई। हर घर में शौचालय बनाने हेतु सीएसआर द्वारा वित्त पोषित जिला वैश्विक अनुदान परियोजना प्रायोजित है और इसे परियोजना समन्वयक PDG आई एस तोमर के मार्गदर्शन में तैयार किया गया था। आरसी कॉर्निंग, रो ई मंडल 7120, अंतर्राष्ट्रीय साझेदार के रूप में इसमें शामिल हुआ। शौचालयों के निर्माण के लिए ₹ 35.24 लाख खर्च हुए जिस में से ₹ 21.76 लाख कार्पोरेट द्वारा योगदान दिया गया।

ग्रामीणों को हाथ धोने के अभ्यास में प्रशिक्षित किया जा रहा हैं।

प्रशिक्षण सत्रों के संचालन हेतु यूनिसेफ, इंडियन मेडिकल एसोसिएशन और रोटरी जिला 3110 के परियोजना भागीदारों के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। ग्रामीणों ने शौचालय को अनुरक्षित रखने और उन्हें बताये गए स्वच्छता के कार्यों का अभ्यास करने की कसम खाई।

PDG अरुण जैन की अध्यक्षता में आयोजित हुए एक कार्यक्रम में लाभार्थियों को सुविधाएं सौंपी गईं। ■

रोटरी के मित्रता वृक्ष

इस्केरिया जोस

20वीं सदी की शुरुआत से ही रोटेरियनों ने साहचर्य, मित्रता एवं सामुदायिक सेवा के नाम पर वृक्षारोपण किया। दुनिया भर में रौपे गए ये पेड़ रोटरी के आदर्शों के स्थायी स्मारक बन चुके है।

अध्यक्ष रहते हुए, पॉल हेरिस ने अक्सर अपनी पत्नी जीन के साथ 1920 और 1930 के दशक के दौरान बड़े पैमाने पर यात्राएं की। इन यात्राओं के दौरान, उन्होंने सद्भावना एवं मित्रता के प्रतीक के रूप में वृक्षारोपण किया। 1932 के अंत में, हैरिस ने यूरोपीय रोटरी क्लबों के पांच-हफ़्तों के दौरे की शुरुआत की और रास्ते में वृक्षारोपण किया। मेरे मंडल, रोई मंडल 3211, में ङ्गरोटरी मित्रता वृक्ष, जैसा कि हम उन्हें कहते है, एक लम्बे समय से चलन में है।

1994 में, रो ई मंडल 3211 ने दी रोटरी जयपुर लिंब, यूके, की मदद से 1,000 अपंग लोगों के लिए उनके पहले कृत्रिम अंग फिटमेंट शिविर की शुरुआत की। 27 वर्षीय युवा रोटेरियन होने के नाते जिसने रोटरी में बस तीन साल सेवा दी थी, मेरे लिए वह एक जीवन परिवर्तक घटना थी। उस दिन मैंने रोटरी की ताकत और दुनियाभर के रोटेरियनों के प्यार को महसूस किया क्योंकि मैंने प्राप्तकर्ताओं को मुस्कुराते हुए घर लौटते देखा था। मैंने मेरे प्राथमिक संपर्क रोटरी क्लब ईस्टबोर्न साव्रिन, रोई मंडल

मर्गोट लासाने, टूलूस, फ्रांस, की एक विनिमय छात्रा, पौधा लगाते हुए। उनके दादा फिलिप गुलियन ने 2004 में एक अंग शिविर का निधीयन किया था।

1120, के रोटेरियन जॉन विल्टन को पत्र लिखकर उनके दल को बधाई दी और उन्हें भारत आने के लिए आमंत्रित किया। ईमेल या फेसबुक के अभाव में, पत्र को इंग्लैंड पहुँचने में 30 दिन का समय लगा। दो महीने बाद, मुझे जवाब मिला: मैं आप सभी से मिलने आ रहा हूँ। विल्टन का दौरा हमारे मंडल में एक त्यौहार के समान था और वह ओणम, केरल के महोत्सव, के दौरान हुआ।

मेरे मन में यह धारणा थी कि पैसा अमीर रोटेरियनों ने एकत्रित किया था। परन्तु विल्टन ने मुझे यह कहकर चकित कर दिया कि शिविर हेतु पैसा इकठ्ठा करने के लिए स्कूली छात्रों ने गर्मियों में नीम्बू पानी बेचा और एक अन्य स्कूल ने प्रायोजक दौड़ का आयोजन किया। जब उनके जाने का समय आया, तो मैंने विल्टन और उनकी पत्नी लिज़ से मंडल में उनके दौरे की याद में एक पौधा लगाने का अनुरोध किया।

उन्होंने घर में एक कटहल का पौधा रौपा जिसका नाम मैंने

ङ्गजॉनफ रखा। आज उस विशाल 25 वर्षीय कटहल के पेड़ में बहुत फल आते है। परियोजना को ज़ारी रखते हुए, हमने उसी चैरिटी के माध्यम से 14,000 से अधिक अंग प्रदान किये।

16 देशों के रोटेरियनों द्वारा विभिन्न फलदार पेड़ों के चौबीस पौधे रोंपे गए। बाद में विल्टन और लिज़ हमारे मंडल में ठखझठ के रूप में लौटे। उस समय केरल में कटहल का सीजन था और वे पेड़ ङ्गजॉनफ से फलों को चख सकते थे।

फ्री व्हीलचेयर मिशन, कैलिफ़ोर्निया, के सहयोग से हमने रोई मंडल 5240 के साथ काम किया जिसके माध्यम से हमने मेरे मंडल के लोगों को 9,000 व्हीलचेयर प्रदान की।

सुनामी के बाद श्रीलंका में स्वयंसेवा देने के बाद, मैं एक फूलदार पौधा लाया जो अभी भी मेरे बगीचे में है, और साथ ही हौलीहॉक भी है जिसे मैं यूके की शिक्षा प्रणाली का अध्ययन करने हेतु किये गए मेरे दौरे के दौरान लाया था।

डीजीई रहते हुए, हमारी पहली मिलान अनुदान व्हीलचेयर परियोजना पर काम करते हुए मेरी रोटरी क्लब सांता बारबरा सनराइज, रोई मंडल 5240, के ई. रसेल स्मिथ के साथ एक अर्थपूर्ण बातचीत हुई। इसके परिणामस्वरुप मेरे मंडल में 550 व्हीलचेयरों का वितरण हुआ। मेरे बगीचे में पांच मित्रता पेड़ लगाए गए, और तब से लेकर अब तक स्मिथ और मैंने भारत, बांग्लादेश, श्रीलंका, इराक और पाकिस्तान के लिए व्हीलचेयरों के अनेक नौवहनों पर एक साथ काम किया।

रो ई मंडल 3211 ने दी रोटरी जयपुर लिंब, यूके, की मदद से 1,000 अपंग लोगों के लिए उनके पहले कृत्रिम अंग फिटमेंट शिविर की शुरुआत की।

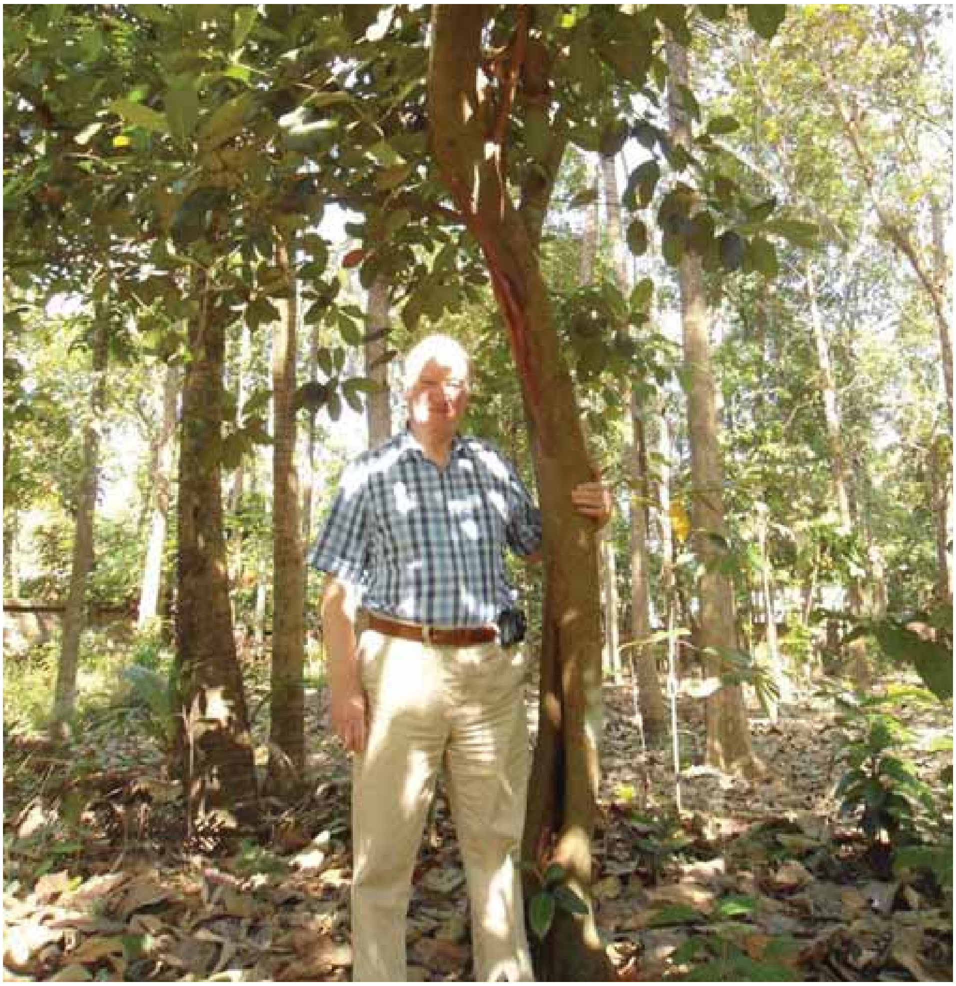

पीडीजी जॉन विल्टन उनके द्वारा लगाए गए कटहल के पेड़ के नीचे।

जून 2009 में इंग्लैंड के बर्मिंघम में आयोजित हुए रोई सम्मेलन के दौरान मैंने स्मिथ और डीजी मारिया का परिचय तत्कालीन डीजीई शेहजाद अहमद (रोई मंडल 3272, रोटरी क्लब लाहौर गैरिसन, पाकिस्तान) से कराया। और वहाँ एक और रोटरी मित्रता की शुरुआत के साथ ही पाकिस्तान और अफ़ग़ानिस्तान स्थित रोटरी के नवीनतम मंडल के हज़ारों जरूरतमंद लोगों के लिए समुदायों के निर्माण एवं महाद्वीपों को जोड़ने के अवसर की भी शुरुआत हुई।

आज जब मैं मेरे बगीचे में टहलता हूँ, तो मैं मेरे उन मित्रों को देखता हूँ जो जूनून के साथ मानवता की सेवा करते है। हर एक मित्रता वृक्ष की अपनी कहानी है जो रोटेरियनों द्वारा मानवता के लिए किये गए मूल्यवान परिवर्तन पर आधारित है।

इस वर्ष हम रोई मंडल 3211 में पांच कृत्रिम अंग शिविरों एवं कोचीन (रोई मंडल 3201) में एक शिविर का संचालन कर रहे है जिससे 650 लोग लाभान्वित होंगे। ऐसा दी रोटरी जयपुर लिंब यूके के साथ हमारी साझेदारी के 25 वर्षों के उपलक्ष में किया जा रहा है।

लेखक रो ई मंडल 3211 के पूर्व गवर्नर है।

Wordsworld

किताबें जीवंत हो उठती है...

संध्या राव

जब लोग और स्थान यादगार पलों का सृजन करने के लिए एकसाथ आते हैं

मथम्मा मद्रास लिटरेरी सोसाइटी (एमएलएस) में काम करती है जो लोक निर्देश निदेशालय, ऊँची छत और शीशम की लकड़ी की सुन्दर अलंकृतियों से सुसज्जित 19वीं सदी की शुरुआत में निर्मित बलुआ पत्थर की ईमारत, के परिसर में स्थित है। अब कुछ वर्षों से, एमएलएस के प्रशंसक और समर्थक इसके पुराने गौरव को पुनर्जीवित करने और इसमें नई जान फूंकने का प्रयास कर रहे है। शायद पुनर्जीवन की भावना के परिणामस्वरूप हाल ही में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जो महात्मा गाँधी पर बच्चों की एक किताब को पांच अरुणाचली भाषाओं (नोक्ट, आदि, अपातनी, मिजू मिश्मी और नायशी, और बोडो, असम की एक भाषा) में अनुवाद करने के बारे में था।

बच्चों और वयस्कों का एक छोटा समूह फर्श पर एक गोला बनाकर बैठा था और किताब एवं अन्य स्त्रोतों से कहानियों को साझा कर रहा था, तभी बीच में एक अवाज़ आई: क्या मैं गाँधी के बारे में एक गीत गा सकती हूँ? यह अनुरोध मथम्मा नामक एक बुजुर्ग महिला ने किया था जो एमएलएस में काम करती है। बेशक वह गा सकी और हम सब मंत्रमुग्ध होकर बैठे थे, जिसमें एक ढाई साल का बच्चा भी शामिल था, क्योंकि वह बहुत ही मधुरता एवं उत्साह के साथ गा रही थी। जब उन्होंने अपना गाना खत्म किया, तो इसमें कोई शक नहीं था कि वह आयोजन एक अविस्मर्णीय अनुभव बन चुका था। और यह सब बच्चों की एक किताब के साथ शुरू हुआ था।

बाद में मथम्मा ने कहा कि वह गाना गाकर बहुत खुश थी क्योंकि इससे वह वापस स्वतंत्रता संग्राम के दौर में चली गई थी जब वह एक छोटी बच्ची थी। उन्होंने याद किया, ''जब भी और जहाँ कहीं भी हो सकता था हम देशभक्ति के गीत गाते थे। और यहाँ तक की आज भी, जब मैं उन्हें गाती हूँ मेरा मन प्रफुल्लित हो उठता है।''

आकस्मिक ख़ुशी। यहीं वे शब्द है जो खुशियों के उन मौकों को बयां करते है जिससे अद्भुत चीज़ें हो पाती है। कुछ दिनों पहले ही, बेंगलुरु के एक दौरे पर, एक करीबी मित्र ने बहुत ही अच्छे से अपने बुक क्लब और उसकी सबसे पुरानी सदस्य के बारे में बात की, जो एक उल्लेखनीय महिला थी और यहूदियों के नरसंहार से गुजरी थी। उन्होंने उस सिहरन को याद किया जो उन दयालु, पारिवारिक समूहों के खून में दौड़ गई जब उन्होंने उन्हें अपना 'स्टार ऑफ़ डेविड' का बिल्ला दिखाया। वह एक दुखद पल था, लेकिन साथ ही विस्मित कर देने वाला भी।

मेरे दोस्त के समूह की तरह ही बुक क्लब छोटे और निजी होते है। बहुत विश्वास के साथ, उन्होंने मुझे टोनी मोरिसन की *बिलव्ड* पर चर्चा का हिस्सा बनने हेतु सम्मिलित किया। 1987 में प्रकाशित *बिलव्ड* मार्गरेट गार्नर की सच्ची कहानी से प्रेरित है जो 1856 में गुलाम केंटकी राज्य से आज़ाद ओहियो राज्य में भागकर गुलामी से बच गई

टोनी मॉरिसन

थी। आकस्मिक खुशी से जुड़ी एक अन्य घटना में, टोनी मोरिसन ने *द ब्लैक बुक,* काले इतिहास और संस्कृति का संग्रहण, का संपादन तब किया था जब वह रैंडम हाउस, न्यूयॉर्क, में एक संपादक के रूप में कार्य कर रही थी। उसमें, उन्होंने *अमेरिकन बैप्टिस्ट* अख़बार द्वारा प्रकाशित एक लेख पढ़ा जिसका शीर्षक था 'ए विजिट टू द स्लेव मदर हु किल्ड हर चाइल्ड।' वह 1856 में लिखा गया था। जैसा कि शीर्षक से पता चलता है, मार्गरिट गार्नर ने अपनी बेटी को गुलामी में धकेलने के बजाए उसे जान से मार देने का चुनाव किया। यह एकमात्र तरीका था जिससे वह उसे आजाद रख सकती थी और यह *बिलव्ड,* एक कहानी जिसे बस सुनाया जाना था, के लिए प्रेरणा बनी।

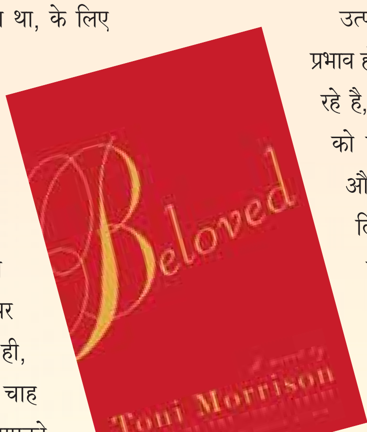

इसे पढ़कर ही आप जान सकते है कि यह किस बारे में है। लेकिन सावधान रहें: यह आसान नहीं है। यह सुन्दर लेखन टोनी मोरिसन की स्वाभाविक शैली, आमतौर पर उनके सभी लेखन की तरह ही, मंत्रमुग्ध कर देने वाला और चाह जगाने वाला है। लेकिन आपको इसपर ध्यान देना होगा। आपको स्वयं को कहानी को सौंपना होगा और प्रत्येक शब्द को पढ़ना होगा क्योंकि वहाँ ह र एक शब्द अत्यंत सम्मोहक है क्योंकि जिस शब्द को जहां होना चाहिए वह ठीक वहीं है। वहाँ भय, त्रास और दु:ख है, फिर भी वह गद्य सुन्दर और मनमोहक है। और आप काले लोगों की आवाज़ के अलाप को सुनते है। यह टोनी मोरिसन का विशिष्ट गुण है।

संयोग से, *बिलव्ड* अभी भी कुछ स्कूलों में प्रतिबंधित है क्योंकि वे इसे पाशविकता, शिशु हत्या, कामुकता और हिंसा का चित्रण कहते है। इसने 1988 में कल्पित कथा के लिए पुलितज़र जीता और कुछ ऐसे लोग भी है जिन्होंने इसे सर्वश्रेष्ठ अमेरीकी कल्पित कथाओं में से एक माना। टोनी मोरिसन पहली अफ्रीकी-अमेरीकी महिला थी जिन्होंने 1993 में साहित्य के लिए नोबेल जीता था। इस साल की शुरुआत में उनकी मृत्यु होने पर उनपर *न्यू यॉर्क टाइम्स* में लेख लिखते हुए, मार्गलिट फॉक्स ने कहा, उन्हें नोबेल दिए जाने पर, स्वीडिश अकादमी ने उद्धृत किया कि उनके 'उपन्यास कल्पित प्रभाव और काव्यात्मक आशय से अभिलक्षित होते है,' जिनके माध्यम से वह अमेरीकी वास्तविकता के अत्यावश्यक पहलू में जान डालती है। मोरिसन ने उस वास्तविकता को गद्य के रूप में अनुप्राणित किया है जो काले लोगों की मौखिक परंपरा के अलाप के साथ गूंजता है। उनके कथानक स्वप्न जैसे और विषम होते है, जो समय के साथ आगे-पीछे ऐसे फिरकी लगाते है मानो उनके पात्र अपने प्रत्येक कृत्य में इतिहास का पूरा भार उठा लेते हो।''

उत्पीड़न के कृत्यों के दूरगामी प्रभाव होते है, जो पीढ़ियों से चले आ रहे है, जैसा कि अक्सर हमें देखने को मिलता है। निरंकुश शासकों और उत्पीड़कों से स्वतंत्रता के लिए संघर्ष, नज़रबंदी शिविरों में रहने का भयानक अनुभव, बंधुआ मजदूरी और गुलामी की क्रूरता, बाल सैनिक बनने को मजबूर करने का अत्याचार... मानवों की क्रूरता अंतहीन है। गुलामी की बुराई द्वारा लोगों की यादों में छोड़े गए मनोवैज्ञानिक निशानों ने अन्य चीज़ों के साथ-साथ उनकी पहचान और उनके आत्म-मूल्य को नुकसान पहुँचाया। टोनी मोरिसन शानदार ढंग से स्तरित एवं लिखित *बिलव्ड* में गुलामी के प्रभाव के विभिन्न पहलुओं की खोज करती है जो स्वप्न और

आपको स्वयं को कहानी को सौंपना होगा और प्रत्येक शब्द को पढ़ना होगा क्योंकि वहाँ हर एक शब्द अत्यंत सम्मोहक है क्योंकि जिस शब्द को जहां होना चाहिए वह ठीक वहीं है।

वास्तविकता के मध्य कहीं मंडराते रहते है, और साथ ही असहनीय ढंग से दर्दनाक है।

बिलव्ड ने अपना शीर्षक पात्र बिलव्ड से लिया है, जिसे उसकी माँ द्वारा मार दिया गया था और जो बाद में एक युवा महिला के रूप में अपने घर लौटती है। आज तक, पाठक बहस करते है कि क्या वह असली है या एक भूत है; इस उपन्यास ने बहुत लोगों को उलझन में डाल रखा है। साथ ही, यह गीतात्मकता एवं शक्ति के साथ यादों को उत्तेजित करता है। वास्तव में, उपन्यास का एक पात्र इसे 'रिमेमोरी' कहता है।

मार्गलिट फॉक्स *बिलव्ड* की कुछ पंक्तियाँ याद करती है जो उल्लेखनीय रूप से सार्वभौमिक है। उस उपन्यास की दुनिया, वह लिखती है, ऐसी है जिसमें ''कोई भी गोरा मन में आई किसी भी चीज़ के लिए आपके व्यक्तित्व को गलत समझ सकता है। काम, आपको केवल मारता या अपंग नहीं बनाता, बल्कि आपको गन्दा करता है। आपको इतना अधिक गन्दा करता है कि आप फिर स्वयं को पसंद नहीं कर सकते। आपको इतना अधिक गंदा करता है कि आप भूल जाते है कि आप कौन है और उसके बारे में सोच भी नहीं पाते।'' तुरंत ही आपका दिमाग बलात्कारों, अपहननों, गौरव रक्षा हेतु हत्याओं, आकस्मिक हत्याओं को विरूपित करने के अन्य तरीकों को देखने लगता है...

वह जो लिखती है वह इतिहास नहीं है या किसी दूरस्थ व्यक्ति की कहानी नहीं है, यह हर किसी की कहानी है। यह जितनी आपकी या उसकी कहानी है उतनी ही मेरी भी है। टोनी मोरिसन एक ऐसी लेखिका है जिनके कार्य तब तक जीवित रहेंगे जब तक पढ़ने के लिए किताबें और उनको पढ़ने वाले पाठक रहेंगे।

स्तंभकार बच्चों की लेखिका और वरिष्ठ पत्रकार हैं।

एस कृष्णप्रतीश द्वारा रूपरेखा

Light up a life this festive season
Rotary
India Literacy Mission
Celebrate by sending a child back to school @Rs. 2,500/-
Donate Now
For program related query mail to childdevelopment@rotaryteach.org
For donation related query mail to admin@rotaryteach.org
www.rotaryteach.org | 033-2486 3434/ 70031 48401

RILM ने आशा किरण का हरियाणा में प्रोत्साहन किया

टीम रोटरी न्यूज़

रोटरी इंडिया साक्षरता मिशन, अपने आशा किरण कार्यक्रम के माध्यम से, 32 पार्टनर एनजीओ के सहयोग से संपूर्ण भारत के 13 राज्यों के 37,436 स्कूल से बाहर के बच्चों तक सफलतापूर्वक पहुंचा है। इसमें से 93.7 प्रतिशत बच्चों को कार्यक्रम के पहले चरण के अंतर्गत मुख्यधारा की शिक्षा में शामिल किया गया है।

RILM ने दूसरे चरण की शुरुआत में हरियाणा के 3,000 स्कूल से बाहर के बच्चों के साथ काम करने के लिए ह्यूमाना पीपल टू पीपल इंडिया (एचपीपीआई) के साथ गठबंधन किया है। एचपीपीआई का हरियाणा सरकार के हरियाणा स्कूल शिक्षा परिषद के साथ एक करार है, जो स्कूल से बाहर के बच्चों की एक सूची उपलब्ध कराते हुए परियोजना के कार्यान्वयन में सहयोग करेगा और कार्यक्रम में भाग लेने वाले स्कूलों और शिक्षकों की पहचान भी करेगा। एचपीपीआई 'कदम' नामक एक शैक्षणिक टूलकिट की मदद से स्कूल से बाहर के सभी वंचित बच्चों को गुणवत्तापूर्ण ब्रिज कोर्स शिक्षा तक पहुंच सुनिश्चित करेगा।

RILM की कार्यसमिति के सदस्य PDG अनिरुद्ध रॉय चौधरी और एचपीपीआई के निदेशक कैलाश खंडेलवाल ने कोलकाता में RILM कार्यालय में आशा किरण-कदम के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर PDG (मंडल 3011) विनोद बंसाल, RID कमल संघवी, RIPN शेखर मेहता और PDG (मंडल 3020) किशोर कुमार उपस्थित थे।

किट संज्ञानात्मक और विषयगत शिक्षण का एक मिश्रण है, जिसे एक चरण-वार प्रणाली के रूप में डिजाइन किया गया है, जिससे प्रत्येक बच्चा उम्र की परवाह किए बिना अपने वर्तमान सीखने के स्तर के अनुसार सीख सकता है। जब बच्चा उपयुक्त उम्र के स्तर तक पहुंच जाता है, तो यह परियोजना उन्हें स्कूली मुख्यधारा में जोड़ने में मदद करती है, जो प्रतिधारण सुनिश्चित करने के लिए छह महीने तक चलती है।■

विशेष बच्चों के दाँतों की जाँच

रोटरी क्लब इंदौर मेघदूत, रो ई मंडल 3040, ने सरकारी दन्त महाविद्यालय के सहयोग से, विकलांग बच्चों की देखभाल करने वाले अनुभूति विजन सेवा संस्थान में नि:शुल्क दंत चिकित्सा जाँच शिविर का आयोजन किया गया। क्लब के अध्यक्ष घनश्याम सिंह ने कहा कि आठ डॉक्टरों की एक टीम ने लगभग 70 विशेष बच्चों में विभिन्न दंत रोगों की जाँच की और उनमें से 30 का इलाज करने की सिफारिश की गई। दंत समस्या से ग्रस्त पाये गए सभी बच्चों का उपचार एक निजी अस्पताल में करवाया जायेगा।

एक चिकित्सकीय जांच।

दंत चिकित्सक की टीम के प्रमुख डॉ. वृंदा सक्सेना ने बताया कि 'अधिकांश छात्र दांतों की उचित देखभाल नहीं कर रहे थे। छात्रों में एक प्रमुख समस्या आवश्यक विटामिन की कमी थी जो उनके दांतों पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रहा था।' क्लब के सदस्यों ने डॉक्टरों को मौखिक स्वच्छता के बारे में बच्चों और उनके माता-पिता को सिखाने में मदद की। यह सुनिश्चित करने के लिए कि छात्र स्वस्थ मौखिक आदतों का अभ्यास करें, क्लब ने उन्हें दंत किट उपलब्ध कराएं।■

डिनर इन द डार्क

टीम रोटरी न्यूज़

डिनर इन द डार्क में अन्य प्रतिभागियों के साथ DG जितेन्द्र ढगरा (बाएं से चौथे)

क्या आपने कभी अपनी दिनचर्या के कामों को करते हुए कुछ पल के लिए अपनी आँखें बंद करने के बारे में सोचा है? कोशिश करें, और इससे आप इससे अच्छी तरह से समझ पाएंगे कि दृष्टिहीन लोग अपने देखने की क्षमता खो देने के बाद भी कैसे उत्साह और हंसते हुए और दूसरों की मदद के बिना कैसे अपना जीवन कैसे जीते हैं। दृष्टिहीन लोगों की जरूरतों और दैनिक परेशानियों के बारे में रोटेरियनों को जागरूक करने के उद्देश्य से, आरसी चंडीगढ़ शिवालिक, रो ई मंडल 3080, ने *रोटरी डिनर इन द डार्क* (आरडीआईडी) नामक एक उपन्यास फंड-राइज़र का आयोजन किया, जिसका उद्घाटन डी जी जितेंद्र ढींगरा ने किया और इसमें डिस्ट्रिक्ट ऑफ गैलेक्सी और क्लब के पदाधिकारियों ने भाग लिया।

''दृष्टिबाधित युवाओं की चार सदस्यीय टीम ने कार्यक्रम में स्वेच्छा से भाग लिया और रोटेरियनों द्वारा उन्हें समर्थित किया गया। सीधे शब्दों में कहें तो दृष्टिहीन लोगों को गहरे-अंधेरे कमरे में रखी गई सीटों पर बैठने के लिए आमंत्रित किया और उन्हें अंधेरे माहौल में डिनर परोसा गया,'' अनीश भनोट, क्लब अध्यक्ष ने कहा, गहरे अंधेरे में भोजन, नेत्रहीनों द्वारा मेजबानी और सेवा किया जाना, एक नए प्रकार का संवेदी अनुभव था क्योंकि हमें अपने भोजन, पेय और स्पर्श के द्वारा नेविगेट करना और अपने सहयोगियों के साथ बातचीत करना था। दृष्टिहीन लोगों की विशेष आवश्यकताओं और उनके 'दैनिक संघर्ष' पर जागरूकता पैदा करने के अलावा, आरडीआईडी ने उच्च अध्ययन हेतु दृष्टिहीन, मेधावी छात्रों के लिए वार्षिक छात्रवृत्ति के लिए धन जुटाया।

दृष्टि का उपहार

भनोट ने कहा कि, उपन्यास 'डाइनिंग इन द डार्क' ने रोटेरियनों को एहसास दिलाया कि ''वे दुनिया के रंगों का आनंद लेने के लिए देखने की क्षमता के साथ कितने भाग्यशाली हैं। साथ ही, इस आयोजन ने हममें उन लोगों के प्रति गहरा सम्मान पैदा किया, जो अपनी दृष्टि खो चुके हैं।''

इस आयोजन से एक और सबक यह निकला कि ''लोगों को जीवन में सरल चीजों को महत्व देना चाहिए जैसे दृष्टि और जीवन में अनमोल क्षणों को न केवल दूर रखना और भौतिक चीजों के पीछे ही पड़े रहना।''

डीजी ढींगरा ने आरसी चंडीगढ़ शिवालिक के मानद सदस्य के रूप में दृष्टिहीनजन शिव कुमार शर्मा को शामिल किया। तीन सदस्यों - डॉ वी डी सिंह (और पत्नी मोनिका), अशोक लौरिया (और इंदु), और अध्यक्ष अनीश भनोट (और शांति भनोट) को महानिदेशक द्वारा छात्रवृत्ति कोष में दान करने के लिए सम्मानित किया गया।

ढींगरा ने खुद चालू वर्ष के लिए ₹21,000 की छात्रवृत्ति प्रदान की। उन्होंने कहा कि, ''अब तक ₹3.8 लाख की छात्रवृत्ति पिछले दो वर्षों में गरीब परिवारों के नेत्रहीन छात्रों को दी गई थी।''

जिला सचिव अजय मदान, एजी ब्रिगेड दलजीत ढिल्लों, डिस्ट्रिक्ट पब्लिक इमेज चेयर डॉ. रीता कालरा और पीडीजीएस योगिंदर दीवान, जेपीएस सिबिया और शजू पीटर के अलावा क्लब के अध्यक्षों और सचिवों के लिए डिनर इन द डार्क का यह असामान्य अनुभव था। ■

रोटरी क्लब गणदेवी में कैंसर स्क्रीनिंग कैंप का आयोजन

टीम रोटरी न्यूज़

रोटरी क्लब चिखली रिवर फ्रंट के संयुक्त सहयोगसे आरसी गणदेवी, रो ई मंडल 3060 द्वारा सात गांवों में आयोजित एक सप्ताह के स्तन कैंसर जागरूकता एवं स्क्रीनिंग कैंप में 800 से अधिक ग्रामीण तथा आदिवासी महिलाओं की जांच की गई। DGE प्रशांत जानी ने जिला स्वास्थ्य कार्यालय, नवसारी से डॉ मेहसूल देलीवाला की उपस्थिति में इन शिविरों का उद्घाटन किया।

रोटेरियनों और ग्रामीण कैंसर स्क्रीनिंग कैंप में।

आरसी अमरावती, रो ई मंडल 3030 को उनके द्वारा प्रदान की गई मैमोग्राफी बसों के लिए धन्यवाद, जिनकी बसों ने ग्रामीण महिलाओं की जांच के लिए गांव-गांव जाने का कार्य किया। स्थानीय स्वास्थ्य विभाग, विशेष रूप से आशा कार्यकर्ताओं के अच्छे सहयोगसे सभी सात शिविरों में आसपास के गांवों की महिलाओं की बड़ी संख्या नेइसमें भाल लिया। परिमल नाइक, अनुदान समन्वयक एवं चार्टर सदस्य ने कहा ''लाभार्थियों के 175 से अधिक मैमोग्राम और 385 से अधिक पैप स्मीयर परीक्षण मुफ्त किए गए। सभी खर्च हमारे द्वारा दान के माध्यम से किए थे।''

क्लब ने इससे पहले 2010 और 2014 में गुजरात कैंसर अनुसंधान संस्थान द्वारा दी गई मैमोग्राफी बस द्वारा दो कैंसर स्क्रीनिंग शिविर आयोजित किए थे।उन्होंने कहा - ''जनवरी 2000 में चार्टर्डके माध्यमसे क्लब वंचित लोगों के बीच अपनी सेवा परियोजनाओं के लिए 40 से अधिक गांवों में काफी लोकप्रिय हो गया है।''

उन्होंने कहा ''क्लब अगले साल तक ₹1 करोड़ की कैंसर स्क्रीनिंग वैन के लिए वैश्विक अनुदान प्राप्त करने की योजना बना रहा है। ''हम मेडिकल वैन का इस्तेमाल मैमोग्राम सेवाओं के अलावा सर्वाइकल, ओरल, प्रोस्ट्रेट, ओवेरियन और ब्लड कैंसर का पता लगाने हेतु करेंगे।'' ■

Changes to Areas of Focus

The Rotary Foundation recently made changes to Rotary's Areas of Focus. Some of the goals of the areas have changed, and activities that relate to the environment have been included for most areas. The names of three of the six areas (marked with asterisks) have been adjusted to better reflect the types of projects that Rotary members are carrying out. The Areas of Focus Policy Statements, available at *my.rotary.org/en/document/areas-focus-policy-statements*, reflect these updates.

The areas of focus are now:

- Peacebuilding and conflict prevention*
- Disease prevention and treatment
- Water, sanitation and hygiene*
- Maternal and child health
- Basic education and literacy
- Community economic development*

© The Rotarian

चिकित्सा देखभाल के बदलते परिप्रेक्ष्य

शीला नंबियार

लाइफस्टाइल मेडिसिन (एल एम) का नया क्षेत्र (अपेक्षाकृत) डॉक्टरों तथा रोगियों के स्वास्थ्य और उनके कल्याण के तरीके को काफी हद तक बदल रहा है। अब हममें से कोई यह नहीं मानता कि पुरानी बीमारियों का रोगसूचक/लक्षणात्मक इलाज संभव या उपयुक्त है। हमें ऐसे हस्तक्षेप की आवश्यकता है जो बिमारी की जड़ तक पहुंचे और उसे दूर करें। लाइफस्टाइल मेडिसिन दीर्घकालिक प्रबंधन तथा इलाज पर केंद्रित है। इनके तहत मधुमेह, उच्च रक्तचाप, अवसाद, मोटापा, सोरायसिस (त्वचा रोग) और बहुत अधिक प्रतीत होने वाली अपरिवर्तनीय बीमारियों का इलाज किया जाता है।

लाइफस्टाइल मेडिसिन लाइफस्टाइल से संबंधित पुरानी बीमारियों को रोकने, इलाज और रिवर्स करने की प्रमाण-आधारित चिकित्सीय दृष्टिकोण है। (अमेरिकन कॉलेज ऑफ लाइफस्टाइल मेडिसिन)। क्लिनिकल सेटिंग (चिकित्सकीय व्यवस्था) में स्व-देखभाल तथा स्व-प्रबंधन सहित लाइफस्टाइल से संबंधित स्वास्थ्य समस्याओं के प्रबंधन हेतु चिकित्सा, व्यवहार, प्रेरक और पर्यावरण संबंधी सिद्धांतों का एप्लिकेशन शामिल है (एगर जी लाइफस्टाइल मेडिसिन 2011)।

यह कहा नहीं जा सकता कि आधुनिक एलोपैथिक चिकित्सा एल.एम. से अलग हैं। वास्तव में, वे एक दूसरे के पूरक हैं। एलोपैथिक चिकित्सा तीव्र स्थितियों, संक्रमण, शल्य चिकित्सा और नैदानिक प्रक्रियाओं, तारकीय अनुसंधान और इस तरह के उपचार की प्रगति में स्मारकीय छलांगों में विशेष है, जिन्होंने वर्षों से मानव जीवन को बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। एलोपैथिक चिकित्सक के रूप में खुद प्रसूति एवं स्त्रीरोग विशेषज्ञता का अभ्यास करते हुए, मैं विशेष रूप से तीव्र स्थितियों में चिकित्सा, सर्जरी और कई अन्य के लिए, जब भी आवश्यक हो, सभी करती हूं। एल.एम. हेल्थकेयर के अंतराल को भरता है जिसकी हम चिकित्सा पद्धति में कमी महसूस करते हैं।

हालांकि, आज हमें कई पुरानी बीमारियों का सामना करना पड़ रहा है, जिनका सिर्फ दवाओं से इलाज नहीं किया जाना चाहिए। हमें रोगी में व्यवहारिक बदलाव की आवश्यकता है। भले ही यह आदर्शवादी जैसा प्रतीत हो रहा है, हमें रोगी को उसकी देखभाल में शामिल करना आवश्यक है।

अमेरिका में अमेरिकन कॉलेज ऑफ लाइफस्टाइल मेडिसिन से शुरू हुआ एल एम अब अपने स्वयं के स्वतंत्र संगठनों वाले देशों से होते हुए दुनिया भर में फैल गया है। भारत में हमने इंडियन सोसाइटी ऑफ लाइफस्टाइल मेडिसिन की स्थापना की है। इसका उद्देश्य मरीज और उसके बिगड़े हुए स्वास्थ्य (उसका आहार, व्यायाम और मूवमेंट, नींद, तनाव, विषाक्त पदार्थों के संपर्क में आने और कई अन्य) को देखने के समग्र दृष्टिकोण का विस्तार करना है, और उसे इन परेशानियों को दूर करते समय उसकी मदद करना है। यह रोगी को उसके अपने स्वास्थ्य को खुद संभालने और उसके परिणाम को प्रभावित करने का अधिकार देने का तरीका है।

आम तौर पर, डॉक्टरों के रूप में हमें केस की लंबी हिस्ट्री को समझने के लिए क्लिनिक के व्यस्त काम, लंबे समय तक परामर्श सत्र या लगातार समीक्षा करने में सीमित समय ही दे पाते हैं। लेकिन, इसके लिए लाइफस्टाइल मेडिसिन है, जो मेडिकल डॉक्टरों के बीच सहयोगी दृष्टिकोण है, (जो रोगी के लिए मुख्य जिम्मेदारी लेते हैं), पोषण विशेषज्ञ, अभ्यास फिजियोलॉजिस्ट, मनोवैज्ञानिक, फिटनेस ट्रेनर, कोच और अन्य संबद्ध स्वास्थ्य पेशेवरों को रोगी का प्रबंधन करने में मदद करते हैं। यह संयुक्त प्रयास अधिक समग्र देखभाल को एल.एम. की छतरी के नीचे लाता है।

एल एम हर मरीज और हर बीमारी के लिए अलग-अलग स्तर और विभिन्न चरणों में लागू होता है। जाहिर है, किसी तीव्र परिणाम में (उदाहरण के लिए यदि कोई वृद्ध महिला कही से गिर जाती है), लाइफस्टाइन संशोधन उपचार का पहला उपाय नहीं है। उसे निदान, शायद, सर्जरी और दवा की जरूरत हो सकती है। इस तीव्र परिणाम पर काबू पा लेने के बाद लाइफस्टाइन मेडिसिन उसकी अंतर्निहित समस्याओं को दूर करेगा।

पोषण (शायद उसे कैल्शियम, प्रोटीन या किसी भी पोषक तत्व की कमी है), उसकी कमजोरी का स्तर (उचित व्यायाम कार्यक्रम की योजना के साथ उम्र और निष्क्रियता के कारण मांसपेशियों की हानि के परिणामस्वरूप), उसका संतुलन (व्यायाम के तौर-तरीकों में सुधार से संतुलन में मदद) उसकी मनोवैज्ञानिक स्थिति (एक बार गिरने के बाद, लोगों को फिर से गिरने का डर लगने लगता है जो उन्हें गतिहीन रखता है और समस्या को और जटिल कर देता है)। उसके स्वास्थ्य के लिए मल्टीस्पेशलिटी सहयोगी देखभाल मॉडल उसे पूरी तरह से ठीक करने में मदद करेगा।

एल.एम. का प्रस्तावित नया चिकित्सा अध्ययन अन्य सरेखित क्षेत्रों से अलग है, जैसे निवारक दवाएं, व्यक्तिगत दवाएं और एकीकृत चिकित्सा। निश्चित रूप से, हस्तक्षेप के लक्ष्यों में अभी भी कुछ अंतराल है, लेकिन फिलोसोफी और अभ्यास की सीमा में भी महत्वपूर्ण अंतर हैं।

एल एम के भारत में स्थापित होने से हम आशा करते हैं कि अधिक चिकित्सक इसे अपने स्वयं के अभ्यास में पूरक के रूप में शामिल करेंगे। व्यवहार परिवर्तन, पोषण, व्यायाम और नींद की समस्या को दूर करने के कौशल सीखना व्यक्ति के स्वास्थ्य का महत्वपूर्ण पहलू है। यदि इसकी उपेक्षा की जाती है, तो वो उन्हें केवल पुरानी बीमारी का रोगसूचक उपचार प्रदान करेंगे।

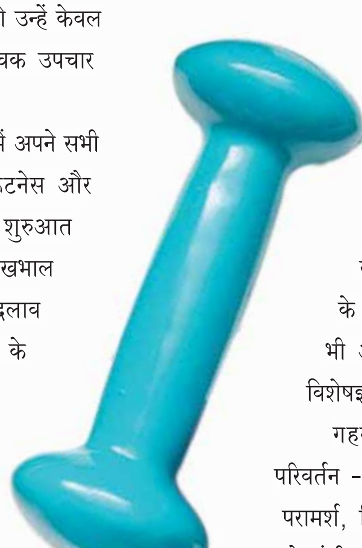

जब मैंने वर्ष 2000 में अपने सभी दवाओं के नुस्खों में फिटनेस और पोषण जैसी चीजों की शुरुआत करके अपने मरीज की देखभाल हेतु लाइफस्टाइल में बदलाव और उनसे लाइफस्टाइल के बदलाव के बारे में बात की, तो यह उतना समान्य नहीं था। व्यायाम को उपचार मानने में काफी मुश्किल होता था। आज हम जानते तथा स्वीकार करते हैं कि नियमित व्यायाम न केवल मोटापे, मधुमेह या अवसाद के लिए बल्कि कई क्षेत्रों में बहुत फायदेमंद हो सकता है। कई रोगियों को इस बात से काफी आश्चर्य हुआ कि मैं उन्हें दर्द की गोली देने के बजाय उनकी लाइफस्टाइल में बदलाव करने की परामर्श दे रही हूं। मुझे लगता है कि मरीज को उसके जीवन के विभिन्न पहलुओं के बारे में बात करने में ही आधी समस्या हल हो सकती है।

लाइफस्टाइल मेडिसिन की विशिष्ट भूमिका

लंबे समय के प्रबंधन तथा इलाज हेतु लाइफस्टाइल व्यवहार पर ध्यान केंद्रित करना।

हर अभ्यास और हर रोगी पर लागू होता है।

जहां और जब आवश्यक हो परामर्श देने हेतु संबद्ध स्वास्थ्य पेशेवरों के समयोग से सहयोगी देखभाल मॉडल के उपयोग पर जोर देता है।

पारंपरिक मात्रा की निर्धारित संख्या (फिटनेस परामर्श और दवा का नुस्खा, आहार संबंधी सलाह और परामर्श, सीबीटी, प्रेरक परामर्श, स्वास्थ्य कोचिंग, ग्रुप-आधारित थेरेपी और हस्तक्षेप) का उपयोग किया जाता है।

परिणाम रोगियों की सक्रिय भागीदारी पर निर्भर करता है।

अक्सर समूह चिकित्सा के रूप में परामर्श का पालन करने में मदद करने हेतु रोगी के परिवार को शामिल किया जाता है।

यदि संभव हो तो समूह सत्रों में भाग लेने हेतु जिम्मेदार विशेषज्ञ को शामिल करके संबद्ध क्षेत्रों और विशिष्टताओं के साथ सहयोग करना और जहां भी आवश्यक हो, रोगी के संबंध में विशेषज्ञ को प्रतिक्रिया देना।

गहन चिकित्सीय जीवन शैली परिवर्तन - आहार, व्यायाम, तनाव प्रबंधन, परामर्श, विश्राम, ध्यान आदि के माध्यम से गंभीर बीमारी के इलाज हेतु रोगी की देखभाल।

भविष्य में एल एम पुरानी बीमारी के मूल कारण की पहचान और उसको ठीक करने हेतु स्वास्थ्य सेवा का प्राथमिक मॉडल बन जाएगा। अगर, सही तरीके से अभ्यास किया जाए, तो इसमें पुरानी से पुरानी बीमारियों को खत्म करने की क्षमता है जो न केवल रोगी को आर्थिक रूप से कमजोर करते हैं, बल्कि जीवन की गुणवत्ता को भी कम करते हुए केवल उसके जीवन को कुछ और समय के लिए बढ़ा देते हैं, न की उसके वास्तविक जीवन को।

लेखक एक जीवन शैली चिकित्सक हैं।
उनसे sheela.nambiar@gmail.com *या*
www.drsheelanambiar.com पर
संपर्क कर सकते हैं।

एन कृष्णमूर्ति द्वारा रूपरेखा

रोटरी क्लब कट्टुमन्नारकोइल - रो ई मंडल 2981

रोटरी क्लब हाई स्कूल में आयोजित किये गए एक हृदय जांच शिविर से क्षेत्र के 400 से अधिक लोग लाभान्वित हुए। 295 लाभार्थियों के ईसीजी एवं एको किये गए और 26 मरीज़ों को उपचार के लिए आगे भेजा गया।

रोटरी क्लब सलेम गुगाई - रो ई मंडल 2982

जरूरतमंद विद्यार्थियों को शैक्षिक सहायक प्रदान किये गए। डीजी डॉक्टर ए के नतेसन, मुख्य अतिथि, ने लाभार्थियों को अध्ययन सामग्री प्रदान की।

रोटरी क्लब उज्जैन - रो ई मंडल 3040

शहर में RILM एवं अन्य आधिकारिक साझेदारों के सहयोग से एक ई-अध्ययन कार्यक्रम का लोकार्पण किया गया। 50 स्कूलों में पाठ्यक्रम का सॉफ्टवेर इंस्टाल करने के अलावा, सरकारी स्कूलों में छियालीस एलईडी टेलीविज़न सेट स्थापित किये गए। RIPN शेखर मेहता, पीडीजी गुस्ताद अंक्लेसरिया, पीडीजी रवि प्रकाश लांगर और डीजी धीरेन दत्ता ने कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

रोटरी क्लब चोपड़ा - रो ई मंडल 3030

तहसीलदार अनिल गवित द्वारा ग्यारह शिक्षकों को राष्ट्र निर्माता पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। महाराष्ट्र सरकार द्वारा एजी विलास पाटिल को भी बेस्ट इंजीनियर अवार्ड हासिल करने के लिए सम्मानित किया गया। क्लब अध्यक्ष नितिन जैन एवं अन्य रोटेरियन उपस्थित थे।

विधियाँ

रोटरी क्लब बीकानेर मिडटाउन - रो ई मंडल 3053

बैंक ऑफ़ बड़ोदा के सहयोग से क्लब ने विद्यार्थियों को लाभ पहुँचाने के लिए सिस्टर निवेदिता गर्ल्स कॉलेज में एक वाटर कूलर एवं फ़िल्टर इकाई दान की।

रोटरी क्लब चिखली रिवर फ्रंट - रो ई मंडल 3060

क्लब ने, रोटरी क्लब गणदेवी के साथ साझेदारी में, चिखली स्थित डी ई इटालिया सार्वजनिक हाई स्कूल एवं खेरगाम स्थित एक अन्य स्कूल में दो आरओ संयंत्र दान किये। इस पहल से 2,000 से अधिक ग्रामीण बच्चों को शुद्ध पेयजल मिल सकेगा।

रोटरी क्लब अमृतसर नॉर्थ - रो ई मंडल 3070

शिक्षक दिवस का उत्सव मनाने के लिए पीडीजी अरुण कपूर द्वारा सरकारी प्राथमिक एवं माध्यमिक स्कूलों के आठ शिक्षकों को राष्ट्र निर्माता पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में ज़िला शिक्षा अधिकारी एस सालविंदर सिंह सामरा मौजूद थे।

रोटरी क्लब सुनाम - रो ई मंडल 3090

डॉक्टर गगनदीप रोटरी पब्लिक स्कूल में आयोजित एक चिकित्सीय एवं दन्त शिविर से 300 से अधिक विद्यार्थी एवं शिक्षक लाभान्वित हुए। भगवान दास अरोरा चैरिटेबल ट्रस्ट एवं गुरु नानक देव डेंटल कॉलेज से आये डॉक्टरों ने मरीज़ों की जांच की।

रोटरी क्लब चांदौसी सिटी स्टार - रो ई मंडल 3100

सिंगल-यूस प्लास्टिक एवं पन्नियों के खिलाफ जागरूकता फैलाने के लिए एक अभियान की शुरुआत की गई। रोटेरियनों ने जनता को एवं दुकानदारों को कपड़े की थैलियाँ वितरित की और नगर पालिका अध्यक्ष इंदु रानी ने इस पहल की प्रशंसा की।

Rotary
PEOPLE of ACTION

मंडल गति

रोटरी क्लब लखनऊ - रो ई मंडल 3120

स्वच्छ रहो स्वस्थ रहो नामक एक स्वास्थ्य अभियान की शुरुआत की गई जहाँ डॉक्टर राम मनोहर लोहिया अस्पताल की सीएमओ डॉक्टर सरिता सक्सेना मुख्य अतिथि थी। इसके अलावा, महिलाओं के स्वास्थ्य पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें 200 से अधिक लड़कियों को सेनेटरी नैपकिन वितरित किये गए।

रोटरी क्लब प्राधिकरण - रो ई मंडल 3131

आदित्य बिड़ला हॉस्पिटल के साथ साझेदारी में, क्लब ने 400 कर्मचारियों, जिसमें निगडी बस डिपो का बस चालकदल शामिल था, के लिए एक स्वास्थ्य शिविर की मेजबानी की। लाभार्थियों को स्वास्थ्य परामर्श देने सहित ईसीजी, शुगर, रक्तचाप एवं दन्त के लिए कई परीक्षण किये गए।

रोटरी क्लब बॉम्बे चेम्बूर वेस्ट - रो ई मंडल 3141

चेम्बूर के कर्नाटक हाई स्कूल में एक पौधारोपण मुहिम चलाई गई जिसमें विद्यार्थी स्वयंसेवकों की भी भागीदारी थी। ₹2,000 की लागत वाली इस परियोजना ने उस इलाके में रोटरी की सार्वजनिक छवि में वृद्धि की।

रोटरी क्लब उल्हासनगर - रो ई मंडल 3142

तीन श्रेणियों में 45 डेमो/प्रदर्शनों के साथ ग्यारह स्कूलों ने पेट ऑक्सफ़ोर्ड स्कूल में आयोजित विज्ञान परियोजनाओं की एक प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। सर्वश्रेष्ठ परियोजनाओं को एक ट्रॉफी और नकद पुरस्कार दिए गए।

रोटरी क्लब भद्राचलम - रो ई मंडल 3150

आदर्श नगर में एमपीपी स्कूल के विद्यार्थियों को नोटबुक एवं लेखन सामग्रियां वितरित की गई। शिक्षकों एवं बच्चों ने रोटेरियनों के इस भाव के प्रति आभार व्यक्त किया जिससे कक्षा की शिक्षा में उनको मदद मिलेगी।

विधियाँ

रोटरी क्लब तड़ीपर्ती - रो ई मंडल 3160

शारीरिक रूप से अपंग 40 व्यक्तियों में से प्रत्येक को 300 का किराने का सामान वितरित किया गया। येर्रागुन्तापल्ली एलीमेंट्री स्कूल, रोटरी एलीमेंट्री स्कूल और नारासपुरम के नझक स्कूल के विद्यार्थियों को स्लेट वितरित की गई।

रोटरी क्लब कुमता - रो ई मंडल 3170

स्वर्गीय रोटेरियन मोहन के शेट्टी की स्मृति में विष्णु तीर्थ में एक तैराकी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें लगभग 100 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। रोटरेकटरों ने अपना समर्थन दिया। क्लब ने होन्नावर में स्कूली विद्यार्थियों को 400 से अधिक पौधे प्रदान किये।

रोटरी क्लब बेलहोन्नुर - रो ई मंडल 3182

सहयाद्री नारायण मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल, शिमोगा, के समर्थन से एक विशाल स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। 300 से अधिक मरीज़ों की जांच की गई और ₹40,000 की लागत की दवाइयां वितरित की गई।

रोटरी क्लब कोयम्बटूर मरिडीअन - रो ई मंडल 3201

अपंग व्यक्तियों के लिए विकृति सुधार सर्जरियों को करने हेतु वन केयर मेडिकल सेंटर के साथ साझेदारी में एक विशेष शिविर का आयोजन किया गया। सर्जरी के लिए लगभग 20 बच्चों का चयन किया गया और उनकी आगे जांच की जाएगी।

रोटरी क्लब चेन्नई ग्रीन सिटी - रो ई मंडल 3232

चेन्नई के समीप स्थित अलामाथि गाँव में एक स्तन कैंसर जांच शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 105 महिलाओं की जांच की गई। चिकित्सीय शिविर उन ग्रामीण महिलाओं के लिए वरदान था जिनकी आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँच नहीं है।

वी मुत्तुकुमारण द्वारा संकलित

एल गुणाशेकरण द्वारा रुपांकन

Rotary News Subscription Remittances

You can pay the
Rotary News / Rotary Samachar
subscription online

Our Bank details:

Bank : HDFC Bank
SB Account

Branch : Montieth Road
Egmore, Chennai

A/c Name : Rotary News Trust

A/c No. : 50100213133460

IFSC Code : HDFC0003820

E mail us following details:

Name of Club

President/Secretary's name

Amount/Date of transfer/UTR Number

For physical payment by cheque or cash in bank, write **Club Name only** without prefixing "Rotary club of". Eg. Rotary Club of Delhi Central should be written: Delhi Central.

Rotary at a glance

Rotarians : 1,217,369

Clubs : 36,023

Districts : 538

Rotaractors : 164,445

Clubs : 9,933

RCC : 10,704

As on October 20, 2019

Membership Summary

As on October 1, 2019

RI District	Rotary Clubs	No of Rotarians	Women Rotarians	Rotaract Clubs	Interact Clubs	RCC
2981	114	4,759	221	33	231	177
2982	69	3,135	154	62	113	51
3000	128	5,221	463	219	672	195
3011	81	3,501	748	46	112	25
3012	87	3,604	756	41	130	56
3020	78	4,064	232	39	466	349
3030	90	4,871	593	65	310	165
3040	97	2,161	239	30	124	140
3053	71	3,063	554	9	56	95
3054	130	6,078	1,043	71	321	470
3060	101	4,290	531	59	125	138
3070	103	3,096	314	42	161	57
3080	79	3,318	260	63	218	108
3090	76	1,982	50	27	37	122
3100	75	1,804	94	7	75	146
3110	116	3,926	347	23	49	104
3120	75	3,299	408	19	62	52
3131	130	5,448	1,205	80	294	90
3132	99	3,772	367	37	213	150
3141	91	5,448	1,251	104	258	84
3142	94	3,434	621	67	203	65
3150	98	3,598	347	51	235	109
3160	71	2,439	128	19	48	81
3170	125	5,562	563	48	317	161
3181	74	3,310	281	28	216	108
3182	84	3,227	231	19	275	95
3190	131	5,048	661	111	362	51
3201	141	5,309	332	89	133	49
3202	130	5,006	258	68	437	46
3211	139	4,473	289	6	89	124
3212	99	4,167	377	86	280	142
3231	78	3,266	267	35	204	239
3232	113	4,667	717	107	325	80
3240	88	3,054	353	34	151	156
3250	101	3,967	700	47	210	183
3261	71	2,609	348	3	102	43
3262	90	3,444	432	37	73	75
3291	146	3,738	702	82	134	599
	3,763	**147,158**	**17,437**	**2,013**	**7,821**	**5,180**
3220	67	1,921	260	74	202	72
3271	83	1,500	265	46	17	13
3272	162	2,875	412	41	37	38
3281	206	5,657	825	193	93	188
3282	143	4,084	446	98	48	41
3292	119	4,570	686	119	121	109
S Asia Total	**4,543**	**167,765**	**20,331**	**2,584**	**8,339**	**5,641**

Source: RI South Asia Office

On the racks

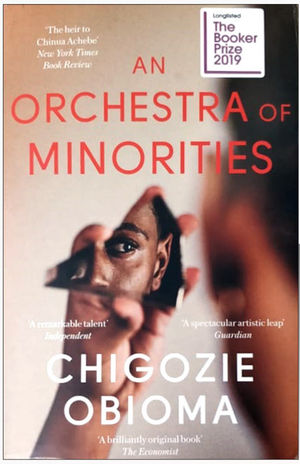

An Orchestra of Minorities

Author : **Obioma Chigozie**
Publisher : **Hachette India**
Pages : **528; ₹599**

Shortlisted for the Booker Prize 2019, this book is about a young farmer named Chinonso who prevents a woman from falling to death. Bonded by this incident, he and Ndali fall in love. But it is a mismatch according to her family who rejects him because of his lowly status. You cannot tell if it is love or madness that makes Chinonso think he can change his destiny. Set across Nigeria and Cyprus, the book is written in the mythic style of the Igbo tradition and weaves a heart-wrenching tale about fate versus free will.

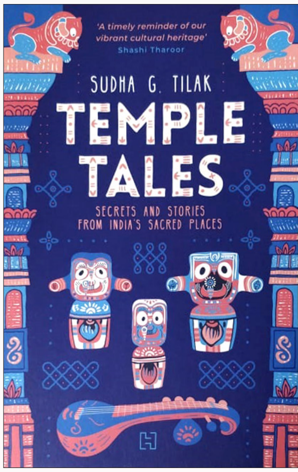

Temple Tales

Author : **Sudha G Tilak**
Publisher : **Hachette India**
Pages : **200; ₹299**

This delightful book opens the doors to the secrets and surprises hidden in temples across India. These unique temples are not just places of worship, but living museums of architectural wonders, mind-boggling sculptures, graceful dances, colourful crafts and other cultural legacies of the country. More than anything, they are treasure troves of lore and legend, teeming with tales of gods and goddesses, demons and devotees, plants and beasts, the magical and the mysterious — all just waiting to be discovered by you. The author takes you on an unusual journey to the country's most sacred places, where the lines between fact and faith are blurred, thus creating interesting stories.

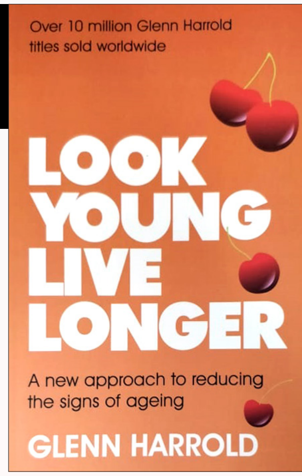

Look Young, Live Longer

Author : **Glenn Harrold**
Publisher : **Hachette India**
Pages : **170; ₹299**

Re-programme your mind to build the confidence and motivation you need. In this straightforward, no-nonsense seven-step programme, clinical hypnotherapist Glenn Harrold shows you how to reconfigure the mind for a better life. Sprinkled with tips and suggestions on how to lead a happy life, the book has easy-to-follow tools, techniques and guidance on how to set aright problematic issues. Setting personal goals and how to achieve them; working out an exercise plan to improve your health; boosting self-esteem and banishing negativity; adopting good sleep patterns; cultivating positive relationships; and coping with stress are dealt in a crisp and straightforward manner. Read the book to become a fitter and younger you.

Compiled by Kiran Zehra
Designed by Krishnapratheesh S

विदेश में पर्यटक आवास

LBW

टीसीए श्रीनिवास राघवन

छह साल पहले रिटायर होने के बाद से, मेरे पास भरपूर समय है, कुछ भी करना चाहूँ। इसलिए ज्यादातर वक़्त तो मैं टीवी देख कर गुजारता हू और हल्का फुल्का फिक्शन पढ़ लेता हूं। पर अफ़सोस की बात ये है कि इसमें बाहर घूमने जाने के लिए जगह नहीं है क्योंकि मेरी पत्नी यूनिवर्सिटी में पढ़ाती है और उसकी छुटियाँ केवल गर्मियों में ही होती हैं - और भारत में यात्रा के लिए गर्मियों का समय बिलकुल उचित नहीं है। इसलिए हर गर्मियों में, कोशिश कर के, कुछ हफ़्ते के लिए हम विदेश यात्रा पर निकल जाते हैं या तो यूरोप में बेटे के पास जो एक यूनिवर्सिटी में पढ़ाता है या फिर हम सस्ते एयर बीएनबी फ्लैट्स में रहते हैं। वो इसलिए क्योंकि मेरा बेटा कहता है कि यूरोप में होटल बहुत महंगे हैं, जो कि वास्तव में सच है। भारत की तुलना में ये होटल Airbnb आवास सुविधाओं से बहुत बेहतर नहीं हैं, लेकिन कीमत बेहद ज़्यादा है।

भारत के साधारण स्थानों पर भी - जैसे तीन सितारा होटल और सरकारी गेस्ट हाउस - कमरे, भोजन और सेवा के मामले में यूरोप के होटलों की तुलना में सौ गुना बेहतर हैं और वहां जो होटल इनके जैसे हैं तो वे अप्रत्याशित रूप से महंगे हैं। बहरहाल, उनकी रेल गाड़ियों के मामले में यह बिलकुल अलग है, जिसकी सेकंड क्लास भी हमारे फर्स्ट एसी से बेहतर है। ये देखते हुए कि उनकी यात्राएं छोटी होती है और हमारी बहुत लंबी, मेरे ख़याल से इसका उलटा होना चाहिये था। कितनी अजीब बात है।

भारत और शेष एशिया में लोग अपने मेहमानों की खातिरदारी वास्तव में बढ़िया करते हैं। यूरोप के होटल की तुलना में यहां के सस्ते होटल भी स्वर्ग तुल्य हैं। मुझे याद है कि मैं एक बार मसूरी में एक शानदार, पुराने पर पुनर्निर्मित किये गए बंगले में ठहरा था। इसका निर्माण एक सरकारी वकील, कोर्टनी पेरेग्रीन इलबर्ट ने किया था, जिसने 1883 में अंग्रेज़ों को एक बहुत अच्छी योजना का विचार दिया : उसने एक कानूनी प्रारूप तैयार किया था, जिसके तहत भारतीय मजिस्ट्रेटों को अंग्रेजों पर मुक़दमा चलाने की अनुमति होगी।

अँगरेज़, विशेष रूप से कलकत्ता में (अब कोलकाता), इससे बहुत परेशान हो गए और ये अफवाहें फैलाने के बाद कि भारतीय न्यायाधीश श्वेत महिलाओं को अपने हरम में भर लेंगे, इस कानून का प्रभाव बहुत कम कर दिया गया।

गर्मियों के दौरान यूरोप में एक बड़ी समस्या है, एयर कंडीशनिंग नहीं है। वहां मौसम अत्यधिक गर्म और आर्द्र हो सकता है। सारा दिन शानदार दर्शनीय स्थलों को देखने के बाद जब आप अपने कमरे या Airbnb फ्लैट पर लौटते हैं, तो आपको लगभग आधी रात तक गर्मी को झेलना पड़ता है जब तक कि हवा ठंडी नहीं हो जाती। उनके यहां पंखे भी नहीं होते, जिसके लिए आपको पूछना होगा, उनके पास हो भी सकते हैं और नहीं भी, पर अधिकाँश जगह वहां पंखे नहीं होते।

कई सरकारी गेस्ट हाउस भी, एक तरह से, पुराने बंगलों को मरम्मत कर के बनाये गए हैं। 2001 से 2010 के बीच, मैं व्याख्यान देने के लिए IAS अकेडेमी में, साल में एक, दो बार मसूरी जाता था। वो मुझे वीआईपी गेस्टहाउस में ठहराते थे, जो बहुत ही बढ़िया जगह पर है, लेकिन वहां मैंनें एक अजीब परिपाटी देखी कि जब सर्दियों में साहब लोग नहीं आते थे तो वे मुझे सबसे बड़े कमरे देते थे, पहाड़ों के खूबसूरत दृश्य वाले, लेकिन कोहरे और बर्फ की वजह से पहाड़ नज़र नहीं आते थे और गर्मियों में, जब साहब लोग अपने परिवार के साथ आते थे, तो मुझे रहने के लिए डॉगहाउस दे देते थे - अपेक्षाकृत छोटे कमरे जिससे बाहर देखो तो सिर्फ एडमिन ब्लॉक नज़र आता था। मैंने देखा एक बार दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से आये एक अत्यंत वरिष्ठ प्रोफेसर को भी बेसमेंट में कमरा दिया गया था। हालांकि, सर्दियों में ज़रूर उन्हें वीआईपी सुइट मिलता होगा।

जब मैंने अपने सहकर्मी को इस विचित्र नौकरशाही प्रथा के बारे में बताया तो उसने सुझाव दिया कि मैं यहां के बजाये इल्बर्ट मैनर में रहूँ। मुझे नहीं पता कि वो अभी भी वहां है या नहीं लेकिन अगर आप मसूरी जाते हैं, तो कम से कम, सप्ताहान्त और छुटियाँ बिताने के लिए यह एक अच्छी जगह ज़रूर है, क्योंकि वहाँ सिर्फ आराम के अलावा करने को कुछ है भी नहीं।

लेकिन खुशी की बात ये है कि अब मेरी पत्नी एक साल के विश्राम कालीन अवकाश पर है और अब हम भारत और दक्षिण एशिया की अधिक यात्राएं कर सकते हैं। वास्तव में इसे ले कर मैं बहुत उत्साहित हूं। वीजा की कोई बाध्यता नहीं। कोई कोई छीना झपटी या जबरन वसूली नहीं। कोई मूक जातिवाद नहीं। बस सिर्फ हमारे जैसे साधारण लोग जो जानते हैं कि आतिथ्य का मतलब क्या है। ■

भारत और शेष एशिया में लोग अपने मेहमानों की खातिरदारी वास्तव में बढ़िया करते हैं। यूरोप के होटल की तुलना में यहां के सस्ते होटल भी स्वर्ग तुल्य हैं।

संक्षेप में

आउट-ऑफ-द-बॉक्स राइटिंग

कर्नाटक के एक कॉलेज को अजीबो-गरीब प्रयोग करने की वजह से कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। दरअसल, हावेरी में स्थित भगत पी.यू. कॉलेज के छात्रों को उनकी मिड-टर्म परीक्षा के दौरान उन्हें सिर पर पहनने के लिए मोडिफाइड कार्टन (डिब्बें) दिए गए। कॉलेज प्रशासक की ओर से यह छात्रों को नकल करने से रोकने का अभिनव प्रयास था। कार्टन (डिब्बें) एक तरफ से खुला हुआ था, ताकि छात्र अपनी उत्तर पुस्तिकाएं देख सकें, जबकि बाकी किनारे बंद थे। व्हाट्सएप पर छात्रों द्वारा इस तरह के कार्टन (डिब्बें) पहनकर परीक्षा देने की एक तस्वीर के सामने आने के बाद कॉलेज प्रशासन परेशानी में आ गया, और पूर्व-विश्वविद्यालय शिक्षा के उप निदेशक तुरंत कॉलेज पहुंचे और इस प्रयोग को बंद करा दिया।

किलिमंजारो पर बैसाखी के सहारे चढ़ाई

शारीरिक रूप से विकलांग और बैसाखी के सहारे चलने वाले केरल के अलुवा के रहने वाले नीरज जॉर्ज बेबी (32) ने हाल ही में अफ्रीका के सबसे ऊंचे पर्वत किलिमंजारो पर चढ़ाई की है। जब वह नौ साल के थे तभी उनके अंगों को कैंसरग्रस्त ट्यूमर के कारण काट दिया गया था। चढ़ाई के लिए उन्होंने अपने सामान में कई जोड़ी बैसाखी और दर्जन भर बुश रखी हुई थीं, ताकी कठिन चढ़ाई के दौरान जो खराब हो जाए उसे बदला जा सके। कोचि में एडवोकेट जनरल के कार्यालय में काम करने वाले नीरज ने पहले वायनाड में स्थित पाकशिपंथलम, और मुन्नार तथा कोडाइकनाल के बीच स्थित एक अन्य शिखर पर चढ़ाई की थी। उन्होंने 2008 के एशियाई पैरालिम्पिक्स में बैडमिंटन डबल्स में स्वर्ण और सिंगल्स में रजत पदक जीता था।

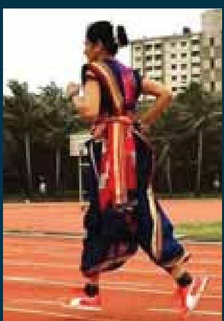

भारतीय तरीके से मैराथन

पारंपरिक भारतीय पोशाक में मैराथन में दौड़ना अब लोकप्रिय हो रहा है। कई महिलाओं (और पुरुषों) को साड़ी, सलवार कमीज और बुर्के में दौड़ना आरामदायक लगता है। क्रांति सालवी (50) और जयंती संपतकुमार (46) ने 2018 और 2017 में नौ गज की साड़ियों में दौड़ लगाकर विश्व रिकॉर्ड बनाया, जबकि इस जनवरी में मुंबई की रहने वाली शहेडा करोलिया (31) ने बुर्का में मैराथन दौड़ लगाई। कुछ शहरों जैसे पुणे में भी साड़ी में दौड़ का आयोजन किया जाता है। यह महिलाओं को अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने और पोशाक के बारे में सोचे बगैर दौड़ने शुरू करने हेतु प्रोत्साहित करने के लिए किया गया। विभिन्न साड़ी शैलियों पर शोध करने के बाद जयंती ने तमिल की मदिसर शैली की साड़ी को दौड़ने के लिए सबसे सुविधाजनक साड़ी माना।

कृत्रिम अंगों के सहारे कैटवॉक

बर्मिंघम के डेजी-मे डेमेट्रे (9) को जन्म के समय से ही फाइब्यूलर हेमिमेलिया नामक बिमारी थी, जिसमें निचले पैर की हड्डी या उसका सारा हिस्सा नहीं होता है। जब वो महज 18 महीने की थीं, तभी उनके पैरों का विच्छेदन हो गया था, जिसके बाद उन्होंने कृत्रिम पैरों के सहारे चलना सीखा। डेजी ने पेरिस में एफिल टॉवर पर बच्चों के फ्रेंच लक्जरी ब्रांड के लिए रैंप वॉक करके फैशन की दुनिया का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। न्यूयॉर्क और लंदन में दो अन्य फैशन शो के बाद यह उनका तीसरा कैटवॉक था।

बीगल डॉग का अपहरण

ऑनलाइन फूड डिलीवरी बॉय द्वारा फूड डिलिवरी किए जाने के बाद से ही पुणे की वंदना शाह का पालतू बीगल डॉटू गायब है। कई घंटों तक ढुंढ़ने के बाद जब परिवार को कुत्ता नहीं मिला, तो वंदना उसे खोजती हुई बाहर गईं। वंदना ने उसे अपने मोबाइल पर फोन किया और कई मिनटों की मशक्कत के बाद उसने डॉटू को उठाकर ले जाने तथा कुत्ते को अपने गाँव भेज देने की बात कबूली। परिवार ने कर्मचारियों के खिलाफ ऑनलाइन एजेंसी तथा पुलिस से शिकायत की। अंत में डॉटू वापस अपने मालिकों को मिल गया।

जयश्री द्वारा संकलित; एस कृष्णप्रतीश द्वारा रूपरेखा

Regn. No. TN/CCN/359/2018-2020 | Total number of pages in this monthly
Licensed to post WPP No.TN/PMG(CCR)/WPP-421/2018-2020 | issue, including cover, 84. Price: ₹35
Registered with Registrar of News Papers for India TNHIN/2001/05271 Rotary Samachar Published on 1st of every month